THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 162 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद अमावस्या 2083 शुक्रवार, 11 सितंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'टकराव नहीं सहयोग से होगा बदलाव'

* अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अंतरिक्ष अब सिर्फ वैज्ञानिक खोज और अंतरिक्ष यात्रियों तक सीमित नहीं है। यह मौसम की जानकारी, आपदा प्रबंधन, नेविगेशन, खेती और मछली पकड़ने जैसे आम लोगों से जुड़े कामों में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इसी बदलती भूमिका के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। उन्होंने साफ कहा कि अंतरिक्ष में बढ़ती गतिविधियों के बीच दुनिया को टकराव के बजाय सहयोग का रास्ता अपनाना चाहिये।

पीएम मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष की संभावनाएं असीम हैं, लेकिन इसकी जिम्मेदारी सामूहिक है। जैसे-जैसे अंतरिक्ष की कक्षाएं ज्यादा भीड़भाड़ वाली हो रही हैं, तकनीक अधिक ताकतवर बन रही है और अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाले देशों तथा दूसरे पक्षों की संख्या बढ़ रही है, वैसे-वैसे दुनिया के फैसले भी स्पष्ट होने चाहिए। उन्होंने सहयोग को टकराव से ऊपर, स्थिरता को तत्काल लाभ से ऊपर और समावेश को बहिष्कार से ऊपर रखने की बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का अंतरिक्ष दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम' पर आधारित है। यानी एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य। उन्होंने कहा कि अब इस भावना को पृथ्वी से आगे अंतरिक्ष तक ले जाने का समय है। भारत सुरक्षित, संरक्षित, शांतिपूर्ण और टिकाऊ अंतरिक्ष क्षेत्र का समर्थन करता है, जिसका आधार अंतरराष्ट्रीय कानून, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग हो। पीएम ने यह भी कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों का इस्तेमाल खुलेपन और ईमानदारी के साथ पूरी दुनिया की भलाई के लिए होना चाहिए।

पीएम मोदी ने इसरो को भारत की अंतरिक्ष यात्रा के केंद्र में बताया। उन्होंने कहा कि इसरो ने अपनी उत्कृष्टता और कम लागत वाले अभियानों के कारण दुनिया में सम्मान हासिल किया है। इसकी क्षमताओं का फायदा किसानों और मछुआरों को मिल रहा है। मौसम की जानकारी, आपदा प्रबंधन और नेविगेशन जैसे क्षेत्रों में भी इसकी तकनीक काम आ रही है। पीएम के मुताबिक, 34 देशों के 430 से ज्यादा उपग्रह भारतीय रॉकेटों के जरिए अंतरिक्ष की यात्रा कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि इसरो की तकनीक और साझेदारियां सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सेवा कर रही हैं। इस वैश्विक भरोसे के पीछे पीढ़ियों से काम कर रहे भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों की मेहनत है, जिन्होंने मिशन दर मिशन सफलता हासिल कर भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र के देशों में गौरवपूर्ण स्थान दिलाया है।

आतंकियों ने फिर भेजी कश्मीरी पंडितों को धमकी भरी चिट्ठी

6000 कर्मचारियों में डर दफ्तर नहीं जा रहे

श्रीनगर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल (यूएलसी) ने कश्मीरी पंडितों के नाम एक और चिट्ठी जारी की है। यह एक महीने में जारी होने वाली छठवीं चिट्ठी है। इस बार पीएम पैकेज के तहत यहां काम कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारी निशाने पर हैं। आतंकियों ने इन कर्मचारियों का फोन नंबर, पता और गाड़ियों का ब्योरा भी हासिल किया है।

चिट्ठी में गैर स्थानीय कर्मचारियों के शव उनके घर भेजने की धमकी दी गई हैं। इसके बाद कश्मीरी पंडितों के संगठन ऑल पीएम पैकेज एम्प्लॉइज एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री और उप राज्यपाल से जांच करने और सुरक्षा के लिए गुहार लगाई है। लश्कर से जुड़े आतंकी संगठन यूएलसी के पोस्टर/चिट्ठियां सोशल मीडिया और इलाके की दीवारों पर कुछेक जगह चिपकी मिली हैं।

15 हजार पुलिसकर्मी, 200 कंपनियां

> ब्रिक्स समिट को लेकर दिल्ली में सुरक्षा कड़ी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी में होने वाली ब्रिक्स समिट को लेकर दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा और ट्रैफिक का बड़ा प्लान तैयार किया है। समिट में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, विदेशी प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अधिकारी शामिल होंगे। उनकी सुरक्षा के साथ-साथ आम लोगों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए पुलिस ने पहले से ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, वीवीआईपी मूवमेंट वाले रास्तों पर जरूरत के हिसाब से कुछ समय के लिए ट्रैफिक पर रोक या डायवर्जन किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे पहले से जारी ट्रैफिक एडवाइजरी को पढ़ें और जिन रास्तों पर अस्थायी प्रतिबंध लगाए गए हैं, उन्हें बेवजह इस्तेमाल करने से बचें। सुरक्षा व्यवस्था के लिए दिल्ली पुलिस के करीब 15 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा करीब 200 कंपनियां केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भी सुरक्षा में लगाई गई हैं। एयरपोर्ट, भारत मंडपम, वीवीआईपी होटलों और दूसरे अहम स्थानों पर सुरक्षा के कई स्तर बनाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए केंद्र सरकार की अलग-अलग एजेंसियों, पड़ोसी राज्यों की पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ लगातार तालमेल किया जा रहा है। वीवीआईपी के आने-जाने वाले संभावित रास्तों का सर्वे भी किया गया है। विदेशी मेहमानों के एयरपोर्ट पहुंचने से लेकर उनके होटल और कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के दौरान सुरक्षा का खास ध्यान रखा जाएगा। भारत मंडपम और प्रमुख होटलों में एंट्री-एग्जिट की जांच, निगरानी, सर्विलांस और वेरिफिकेशन की व्यवस्था की गई है।

किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को भी तैयार रखा गया है। दिल्ली पुलिस ने आसपास के राज्यों के साथ भी सुरक्षा को लेकर समन्वय किया है, ताकि दूसरे राज्यों से आने-जाने वाले वाहनों और लोगों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके।

विधायकों को पेंशन और दूसरी सुविधाएं क्यों?

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को जारी किया नोटिस, चार हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्लीं, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पूर्व और मौजूदा विधायकों को मिलने वाली पेंशन और दूसरी सुविधाओं पर सवाल उठाने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है। एनजीओ लोक प्रहरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर उत्तर प्रदेश के विधायकों (एमएलए) और विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) को मिलने वाली पेंशन, भत्तों और दूसरी सुविधाओं को चुनौती दी है। जस्टिस जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है।

सरकार को इस नोटिस का जवाब चार हफ्ते के भीतर देना होगा। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, एनजीओ लोक प्रहरी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य विधानमंडल (सदस्यों के वेतन और पेंशन) अधिनियम, 1980 के प्रावधानों को चुनौती देने वाली उसकी जनहित याचिका को खारिज कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि राज्य विधानसभा को अपने मौजूदा और पूर्व सदस्यों के लिए पेंशन और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाएं देने का अधिकार है। हाई कोर्ट ने 1980 अधिनियम की धारा 4, 5, 9, 13(3), 13(4), 15(2), 17-ए और अध्याय VIII को बरकरार रखा।

इसरो की बड़ी कामयाबी : सीई20 इंजन का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का 220 केएन के बढ़े हुए थ्रस्ट पर 'फ्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्ट' सफलतापूर्वक पूरा किया। इससे एलवीएम 3 लॉन्च व्हीकल की पेलोड क्षमता बढ़ाने और गगनयान प्रोग्राम को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसरो ने गुरुवार को बताया कि यह परीक्षण 9 सितंबर को तमिलनाडु के महेंद्रगिरी स्थित इसरो परिसर (आईपीआरसी) में किया गया था।

एक्स पर एक पोस्ट में, अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, 'आने वाले एलवीएम 3 मिशन के सी32 अपर स्टेज के लिए तय सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का 220 केएन के बढ़े हुए थ्रस्ट पर 'फ्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्ट' 9 सितंबर, 2026 को महेंद्रगिरि के इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में सफलतापूर्वक किया गया।' इसरो ने यह भी कहा कि टेस्ट के दौरान एलओएक्स टैंक प्रेशराइजेशन मॉड्यूल (एलटीपीएम) का परफॉर्मेंस सफलतापूर्वक दिखाया गया। यह मॉड्यूल गगनयान मिशन के सी32 स्टेज के लिए बनाया गया है।

सीई20 इंजन का क्या काम?

सीई20 इंजन एलवीएम3 लॉन्च व्हीकल के अपर क्रायोजेनिक स्टेज को पावर देता है। स्पेस एजेंसी भविष्य के एलवीएम3 मिशन को बेहतर पेलोड क्षमता के साथ चलाने के लिए सीई20 इंजन का इस्तेमाल करते हुए, 22-टन थ्रस्ट वाले अपग्रेडेड सी32 स्टेज पर काम कर रही है। यह परीक्षण मार्च में महेंद्रगिरी संयंत्र में 22 टन के भ्रस्ट स्तर पर किए गए सीई 20 इंजन के समुद्र तल पर किए गए हॉट टेस्ट के बाद किया गया है। यह परीक्षण नोजल प्रोटेक्शन सिस्टम और मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर का उपयोग करके किया गया था।

जुलूस नहीं निकाल पाएंगी ममता बनर्जी

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के श्रीरामपुर में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राजनीतिक कार्यक्रम को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट से बड़ा फैसला आया है। अदालत ने शुक्रवार को जीटी रोड पर ममता बनर्जी के नेतृत्व में निकलने वाले जुलूस की जगह केवल एक निश्चित मैदान में जनसभा करने की अनुमति दी है। अदालत ने यातायात व्यवस्था में भारी व्यवधान की आशंका और पूर्व में जारी निर्देशों के कथित उल्लंघनों का संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने आदेश पारित करते हुए महेश जगन्नाथ देव स्नानपिंड़ी मैदान में दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच अधिकतम 2,000 प्रतिभागियों के साथ इस जनसभा के आयोजन की सशर्त मंजूरी प्रदान की है। यह पूरा मामला तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक असित मजूमदार द्वारा दायर उस याचिका पर आया है, जिसमें पुलिस द्वारा जीटी रोड पर जुलूस निकालने की अनुमति न देने को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता ने दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक जुलूस निकालने का प्रस्ताव दिया था, जिसमें करीब 5,000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई गई थी। राज्य सरकार ने इसका कड़ा विरोध करते हुए दलील दी कि जीटी रोड काफी संकरी है और वहां पास में ही अस्पताल, स्कूल व फायर स्टेशन स्थित हैं।

लद्दाख को भी नगालैंड-मिजोरम जैसी 'सुरक्षा'

गृह मंत्रालय ने सोनम वांगचुक वाली कमेटी को दिया बड़ा ऑफर

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने लद्दाख को अतिरिक्त सुरक्षा देने के लिए 'अनुच्छेद 371(K)' जैसा संवैधानिक प्रावधान जोड़ने का प्रस्ताव दिया है।

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट से ये बात सामने आई है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली में इसे लेकर लद्दाख सब-कमेटी और गृह मंत्रालय के बीच बैठक हुई। हालांकि, प्रतिनिधियों का कहना है कि अभी इसका कोई ड्राफ्ट तैयार नहीं हुआ है और बातचीत जारी रहेगी।

गृह मंत्रालय से मुलाकात में सोनम वांगचुक भी थे

रिपोर्ट के अनुसार, पिछली बातचीत के महीनों बाद हुई इस बैठक में लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्यों वाली सब-कमेटी ने गृह मंत्रालय (एमएचए) के अधिकारियों से मुलाकात की। इनमें एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल थे। यह बैठक 22 मई और 3 जुलाई को हुई बैठकों में बनी 'सैद्धांतिक सहमति' को आगे बढ़ाने के लिए थी। दो अहम बैठकों में लद्दाख में लोकतंत्र बहाल करने और अनुच्छेद 371 के तहत विशेष प्रावधान के जरिए संवैधानिक सुरक्षा देने पर चर्चा हुई थी माना जा रहा है कि प्रस्तावित प्रावधान लद्दाख में एक चुनी हुई गवर्निंग बॉडी और स्थानीय प्रशासनिक स्वायत्तता स्थापित करने के लिए है। उन दो बैठकों के बाद से तब से बातचीत रुकी हुई है क्योंकि लद्दाख के प्रतिनिधियों ने ज्यादा लोकतांत्रिक नियंत्रण और पिछले साल 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ मामले वापस लेने की मांग की थी। बैठक में शामिल लोगों के अनुसार, एमएचए ने कहा कि यूटी-स्तर की जिस गवर्निंग बॉडी (प्रशासनिक निकाय) की मांग दोनों समूहों ने की थी, उसे सीधे चुनाव से चुना जाएगा। इस निकाय के पास जमीन, संस्कृति और भाषा, जंगल, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों और भारत के संविधान के अनुच्छेद 240 के तहत यूटी के लिए आरक्षित अन्य विषयों पर कानून बनाने की शक्तियां होंगी।

पीएम मोदी ने प्रिंस रहीम आगा खान पंचम से की मुलाकात

स्वास्थ्य से महिला सशक्तीकरण तक बढ़ेगा सहयोग

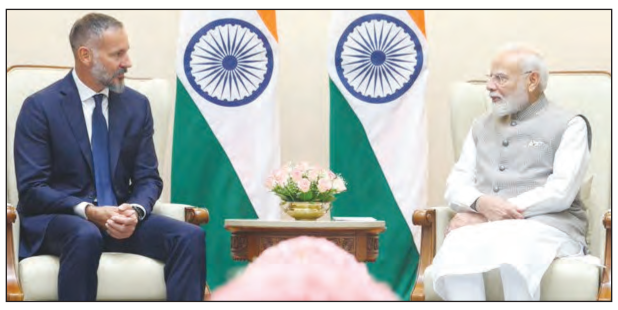

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को प्रिंस रहीम आगा खान पंचम से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच भारत और आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क (एकेडीएन) के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। बातचीत में स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास, युवाओं और महिलाओं के सशक्तीकरण जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की जानकारी साझा की।

उन्होंने प्रिंस रहीम के पिता और दिवंगत आगा खान चतुर्थ को भी याद किया और विकास के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के साथ भारत की साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। प्रिंस रहीम आगा खान पंचम बुधवार को नई दिल्ली पहुंचे। फरवरी 2025 में अपने पिता प्रिंस करीम अल-हुसैनी आगा खान चतुर्थ के निधन के बाद इस्माइली समुदाय के 50वें इमाम की जिम्मेदारी संभालने के बाद यह उनकी भारत की पहली यात्रा है। अपने करीब एक सप्ताह के भारत दौरे के दौरान प्रिंस रहीम कई महत्वपूर्ण नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

बंगाल में सीआईडी की कार्रवाई

अभिषेक बनर्जी के पीए सुमित रॉय गिरफ्तार

टीएमसी सांसद के घर से उठा ले गई एजेंसी

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के पर्सनल सेक्रेटरी सुमित रॉय को सालबोनी जमीन मामले में सीआईडी ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के तुरंत बाद जांच एजेंसी ने कार्रवाई की। खास बात यह है कि सुमित रॉय की गिरफ्तारी उनके अपने आवास से नहीं, बल्कि अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर से हुई है।

सालबोनी जमीन घोटाले से जुड़े इस मामले में सुमित रॉय की गिरफ्तारी सुप्रीम कोर्ट के बुधवार को हुई सुनवाई के बाद हुई है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी और जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया था। हालांकि, बुधवार की सुनवाई के बाद उनकी अग्रिम जमानत की राह बंद हो गई और गुरुवार को सीआईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सुमित रॉय ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 3 अगस्त के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिलने के बाद अब उन्हें शुक्रवार सुबह मेदिनीपुर अदालत में पेश किए जाने की संभावना है।

सालबोनी जमीन मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुमित रॉय की अग्रिम जमानत याचिका पर अहम सुनवाई हुई। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जांच से जुड़े वित्तीय लेनदेन का मुद्दा अदालत के सामने रखा। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान सुमित रॉय के बैंक खाते में बड़ी मात्रा में नकद रकम जमा होने की जानकारी सामने आई है। तुषार मेहता ने अदालत में खास तौर पर करीब 71 लाख रुपये की नकद जमा का जिक्र किया। उनका दावा था कि यह रकम जांच में सामने आए वित्तीय लेनदेन का केवल एक हिस्सा हो सकती है।

गौरव भाटिया मानहानि केस

दास-रांका 24 घंटे में हटाएंगे पोस्ट हाईकोर्ट ने दर्ज की अंडरटेकिंग

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया की दो करोड़ रुपये की मानहानि याचिका पर सुनवाई करते हुए बड़ा आदेश दिया है। अदालत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सदस्यों सौरव दास और आशुतोष रांका की उस अंडरटेकिंग (सहमति) को ऑन रिकॉर्ड दर्ज किया, जिसमें उन्होंने सोशल मीडिया से विवादित पोस्ट हटाने की बात कही है।

जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष गौरव भाटिया खुद पेश हुए। उन्होंने पक्ष रखते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर मानहानि का मामला है। इंटरनेट पर उनकी तस्वीर के साथ एक फर्जी और मनगढ़ंत बयान लगाकर प्रचारित किया जा रहा है, जिसे बड़ी संख्या में लोगों ने देखा है। भाटिया ने दलील दी कि इस तरह की फर्जी सामग्री को ऑनलाइन रहने की इजाजत नहीं दी जा सकती, क्योंकि इससे उनकी सामाजिक और पेशेवर छवि को गहरा नुकसान पहुंच रहा है।

अमेरिकी रिपोर्ट-भारत के पास 190 परमाणु बम

225 और बनाने लायक प्लूटोनियम भी

नई मिसाइलों के साथ समुद्र में बना रहा 'न्यूक्लियर कवच'

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत का परमाणु जखीरा लगातार आधुनिक हो रहा है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) का आकलन है कि भारत ने 190 तक परमाणु वॉरहेड तैयार कर लिए हैं। एफएएस के मुताबिक भारत के पास अभी 9 परमाणु क्षमता वाले सिस्टम ऑपरेशनल हैं। इनमें 2 विमान, 6 जमीन से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें और 1 समुद्र से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शामिल हैं। कम से कम 2 और सिस्टम लगभग तैयार हैं। यानी भारत सिर्फ हथियारों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि उन्हें पहुंचाने वाले पूरे सिस्टम को भी आधुनिक बना रहा है।

730 किलो प्लूटोनियम, आगे और बढ़ सकती है क्षमता

रिपोर्ट के अनुसार 2026 की शुरुआत तक भारत के पास करीब 730 किलो हथियार बनाने वाला प्लूटोनियम होने का अनुमान है। इस तरह यह 225 वॉरहेड तक बना सकता है। हालांकि रिपोर्ट खुद साफ करती है कि यह सिर्फ अनुमान है, वास्तविक संख्या वॉरहेड के डिजाइन और रिजर्व में रखी सामग्री पर निर्भर करती है। भारत ने अग्नि-V में एमआईआरवी तकनीक का परीक्षण किया है। इसका मतलब एक मिसाइल में कई ऐसे वॉरहेड ले जाने की क्षमता विकसित करना है, जिन्हें अलग-अलग लक्ष्यों की ओर भेजा जा सकता है। 2024 के बाद मई 2026 में भी कई पेलोड के साथ परीक्षण हुआ। एफएएस का अनुमान है कि अग्नि-V संभवतः तीन वॉरहेड ले जा सकती है, हालांकि ऐसा करने पर इसकी अधिकतम रेंज प्रभावित हो सकती है।

नया रिएक्टर भी गेमचेंजर

अप्रैल 2026 में भारत के 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने पहली बार क्रिटिकलिटी हासिल की। एफएएस के अनुमान के मुताबिक 80% क्षमता पर चलने पर यह सैद्धांतिक रूप से सालाना करीब 140 किलो प्लूटोनियम-239 पैदा कर सकता है। इससे करीब 35 वॉरहेड बन सकते हैं। आगे ऐसे और फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों की योजना है।

जमीन के साथ समुद्र में भी बढ़ रही ताकत

भारत का परमाणु कवच अब समुद्र में भी मजबूत हो रहा है। परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिधमान अप्रैल 2026 में नौसेना में शामिल हुई। एफएएस के अनुसार इसमें 8 मिसाइल ट्यूब हैं, जबकि आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात में 4-4 ट्यूब हैं।

ऐसी ही एक और पनडुब्बी 2027 में शामिल होने की योजना बताई गई है। आगे S5 श्रेणी की और बड़ी परमाणु पनडुब्बियों की तैयारी भी चल रही है। 2026 की शुरुआत तक, इंटरनेशनल पैनल ऑन फिसाइल मैटेरियल्स ने अनुमान लगाया था कि भारत ने करीब 730 किलोग्राम, (प्लस/माइनस 170 किलोग्राम) हथियार-ग्रेड प्लूटोनियम का उत्पादन किया है।

पुरंदेश्वरी समेत भाजपा के 7 मोर्चा प्रभारी घोषित

2 एमपी से:हरीश द्विवेदी को युवा, सतीश पूनिया को एसटी की जिम्मेदारी; डी. पुरंदेश्वरी महिला विंग संभालेंगी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपने 7 प्रमुख मोर्चों के प्रभारियों की घोषणा की। पार्टी ने युवा, महिला, एससी, ओबीसी, किसान, एसटी और अल्पसंख्यक मोर्चों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी है। सात में से सबसे ज्यादा 2 प्रभारी मध्य प्रदेश से हैं। पार्टी के मुताबिक, हरीश द्विवेदी को युवा मोर्चा और डी. पुरंदेश्वरी को महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सतीश पूनिया को एसटी मोर्चे की जिम्मेदारी दी गई है। बीजेपी ने संजय भाटिया को एससी मोर्चा और वैजयंत पांडा को ओबीसी मोर्चे का प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं, लाल सिंह आर्या को किसान मोर्चा और गजेंद्र पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है।

डी. पुरंदेश्वरी : आंध्र प्रदेश की वरिष्ठ बीजेपी नेता। कांग्रेस में भी रह चुकी हैं और केंद्रीय मंत्री के रूप में काम किया है। लोकसभा की दो बार सदस्य रही हैं। बीजेपी की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

हरीश द्विवेदी : उत्तर प्रदेश के बस्ती से दो बार लोकसभा सांसद रहे। 2014 और 2019 में बस्ती से लोकसभा चुनाव जीते। बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव रह चुके हैं।

सतीश पूनिया : राजस्थान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। आमेर से विधायक रहे और राजस्थान विधानसभा में डिप्टी लीडर ऑफ अपोजिशन भी रहे। संगठन में लंबे समय से सक्रिय भूमिका।

पुलिस ने पीछा कर पकड़ी शराब से भरी स्कॉर्पियो

भोपाल, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भोपाल के कजलीखेड़ा पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन को पीछा कर पकड़ा है। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें करीब 40 पेटी शराब मिली। पुलिस ने स्कॉर्पियो और शराब को जब्त कर लिया है। भागने के प्रयास में स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकरा गई, इससे चालक को मामूली चोटे आई हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक पुलिस को स्कॉर्पियो के जरिए बड़ी मात्रा में शराब ले जाए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया। चालक ने वाहन नहीं रोका तो पुलिस ने उसका पीछा शुरू कर दिया। कुछ दूर पीछा करने के बाद पुलिस ने स्कॉर्पियो को रोककर कब्जे में लिया। पुलिस अब शराब की मात्रा, कीमत और उसे ले जाने के संबंध में जांच कर रही है। वाहन चालक से पूछताछ के साथ यह भी पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब कहां ले जाई जा रही थी और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

फिर मानसून की वापसी

दिल्ली-एनसीआर में 16 सितंबर तक बारिश तापमान में आएगी गिरावट

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मानसून की गतिविधियों में बदलाव के कारण दिल्ली-एनसीआर में मौसम बदलने वाला है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक एनसीआर में बादल छाए रहेंगे। 11 से 16 सितंबर के बीच हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। आंशिक बादल छाए रहने का अनुमान है, अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

11 सितंबर को हल्की बारिश के साथ अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम 26 डिग्री रह सकता है। 12 सितंबर को मध्यम बारिश की संभावना है, जिसमें अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। 13 सितंबर को हल्की बारिश के साथ अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 26 डिग्री रह सकता है। 14 सितंबर को भी हल्की बारिश के आसार हैं, तापमान 31 से 26 डिग्री और आर्द्रता 90 से 75 फीसदी के बीच रहेगी। 15 सितंबर को तापमान 31 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। बारिश से वातावरण में धूल और प्रदूषक कण नीचे बैठ सकते हैं, जिससे वायु गुणवत्ता में अस्थायी सुधार होगा।

दिल्ली की हवा में हुआ सुधार

केंद्रीय प्रदूषण निगरानी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 100 से ऊपर दर्ज किया गया है। बवाना में एक्यूआई 247 के साथ सबसे खराब स्थिति रही। अलीपुर में 142, अशोक विहार में 143, आया नगर में 109, बुराड़ी क्रॉसिंग में 125, चांदनी चौक में 151 और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 112 एक्यूआई दर्ज हुआ। आनंद विहार (91) और कैंटोनमेंट एरिया (92) में हवा अपेक्षाकृत बेहतर रही।

एनसीआर में प्रदूषण का स्तर

नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 218, सेक्टर-62 में 133 और सेक्टर-116 में 198 दर्ज किया गया। सेक्टर-125 और सेक्टर-116 में हवा की गुणवत्ता विशेष रूप से खराब रही। गाजियाबाद में गोविंदपुरम (64), इंदिरापुरम (65) और लोनी (96) में स्थिति बेहतर थी। इसके विपरीत, संजय नगर में 172, वसुंधरा में 166 और वेद विहार-लोनी में 170 एक्यूआई दर्ज हुआ। यह दर्शाता है कि एक ही शहर के विभिन्न हिस्सों में वायु गुणवत्ता में काफी अंतर है।

विज़ाग ज़ू: जानवरों के 'भागने' से बाड़ों की कमियां सामने आईं

विशाखापत्तनम, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हाल के समय में इंदिरा गांधी ज़ूलॉजिकल पार्क में अलग-अलग प्रजातियों के लगभग 137 जानवरों के जन्म ने इसके संरक्षण प्रयासों के लिए तारीफ़ बटोरी है, लेकिन बाड़ों के रखरखाव और जानवरों के कथित तौर पर भागने की घटनाओं ने उनकी सुरक्षा और देखभाल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर आरोप लगाया कि दूसरे चिड़ियाघरों से लाए गए कुछ जानवरों का अब कोई पता नहीं है। उन्होंने जानवरों के कथित तौर पर भागने की कुछ घटनाओं के लिए खराब फेंसिंग और बाड़ों में मौजूद गैप को ज़िम्मेदार ठहराया। 2019 में अलीपुर ज़ूलॉजिकल गार्डन, कोलकाता से लाई गई दो वॉटर मॉनिटर छिपकलियां भी उन जानवरों में शामिल हैं जिनका कोई पता नहीं है। जबकि चिड़ियाघर में चार छिपकलियां होनी चाहिए थीं, सूत्रों का दावा है कि अभी सिर्फ़ दो ही मौजूद हैं

75वां बर्थडे, सेवा के 25 वर्ष

पीएम के जन्मदिन पर कश्मीर में रोशन होंगे 8 लाख दीये निकलेगी सेवा ज्योति यात्रा

जम्मू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को जम्मू-कश्मीर में आठ लाख दीये रोशन होंगे। इसके अतिरिक्त सेवा क्षेत्र में प्रधानमंत्री के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आगामी सात अक्तूबर को हर गांव से जिला मुख्यालय तक सेवा ज्योति यात्रा निकाली जाएगी। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर इस बार सेवा पखवाड़ा के स्थान पर सेवा माह का आयोजन किया जा रहा है।

इसके तहत 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक रक्तदान, पौधरोपण, पेंटिंग प्रतियोगिता, श्रमदान समारोह जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेवा संकल्प माह के तहत होने वाले कार्यक्रमों के इंचार्ज और भाजपा के प्रदेश महासचिव गोपाल महाजन के अनुसार तैयारी प्रत्येक प्रदेश भर में पोलिंग बूथ पर करीब 75 दीये रोशन करने की है। सेवा ज्योति यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री का अभिवादन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सेवा सेतु कार्यक्रम के जरिये केंद्र की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी प्रधानमंत्री का आभार जताएंगे। जिन लोगों को इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल सका है, उन्हें इस दिन इन योजनाओं से जोड़े जाने का कार्य होगा।

दिग्विजय सिंह निकालेंगे 'सनातन स्वाभिमान यात्रा'

धर्म के नाम पर लूट के खिलाफ महाअभियान

भोपाल, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने धर्म के नाम पर कथित लूट और श्रद्धालुओं की आस्था से खिलवाड़ के खिलाफ 'सनातन स्वाभिमान यात्रा' निकालने का ऐलान किया है। यह यात्रा 20 अक्टूबर से उज्जैन से शुरू होकर अयोध्या तक जाएगी। विजयादशमी के दिन शुरू होने वाली इस यात्रा को दिग्विजय सिंह ने पूरी तरह गैर-राजनीतिक बताते हुए कहा है कि इसका उद्देश्य किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति का विरोध करना नहीं, बल्कि धर्म और आस्था के नाम पर हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना है। दिग्विजय सिंह ने बुधवार को जारी वीडियो संदेश में कहा कि यात्रा के जरिए पारदर्शिता, सत्य और आस्था की रक्षा के साथ सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया जाएगा। यात्रा में शामिल होने के इच्छुक लोगों के लिए उन्होंने गूगल फॉर्म भी जारी किया है।

दिग्विजय सिंह ने अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े चढ़ावे और दान की हेराफेरी का मुद्दा उठाते हुए दावा किया कि इस मामले में करोड़ों रुपये की गड़बड़ी सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रद्धालुओं के दान और चढ़ावे से निजी संपत्तियां और वाहन खरीदे जाने के मामले भी सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था और चढ़ावे का कथित रूप से दुरुपयोग किया गया है और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पत्नी पर तेजाब फेंकने वाले पति को

दिल्ली कोर्ट ने सुनाई 14 साल की कठोर सजा, 1 लाख का जुर्माना भी लगाया

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पत्नी पर तेजाब फेंकने के मामले में दिल्ली की एक कोर्ट ने पति को दोषी मानते हुए 14 साल की सजा सुनाई। सजा सुनाने के दौरान अदालत ने कहा 'एसिड अटैक के निशान सिर्फ शारीरिक चोटों तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि यह जिंदगी भर भी पीड़ित के साथ रह सकते हैं।' एडिशनल सेशन जज प्रयांक नायक ने दोषी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

कोर्ट कहा कि यह रकम पीड़ित को मुआवजे के तौर पर दी जाएगी। मुआवजे की रकम न देने पर दोषी को एक साल और जेल की सजा काटनी होगी। अदालत ने केंद्रीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भी कानून के हिसाब से महिला को मुआवजा तय करने और देने का निर्देश दिया है। बताया गया कि पति-पत्नी दोनों अलग रह रहे थे, इसी दौरान महिला पर 8 अगस्त, 2022 को तेजाब से हमला हुआ था। वह अपने पति से मिलने गई थी और उनके बीच झगड़ा हो गया था। शाम करीब 5.30 बजे घर लौटने के बाद, पति तेजाब लेकर आया और उस पर फेंक दिया। इसके बाद मां और एक पड़ोसी महिला को अस्पताल लेकर गए। महिला का चेहरा और कान बुरी तरह झुलस गया था। इतना ही नहीं तेजाब की बूंदों से पास में खेल रहे बच्चे भी घायल हो गए थे।

घटना के दो दिन बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था। कोर्ट ने उसे आईपीसी के सेक्शन 326ए (जानबूझकर एसिड का इस्तेमाल करके गंभीर चोट पहुंचाना, परमानेंट या थोड़ा नुकसान पहुंचाना, डिफॉर्मिटी या बदरूप बिगाड़ना) के तहत दोषी ठहराया और जुर्म की गंभीरता, चोटों की गंभीरता और उनके लंबे समय तक असर को देखते हुए यह सजा सुनाई है।

अबू सलेम नहीं होगा रिहा

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर अबू सलेम की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। 2005 में भारत लाए गए सलेम ने रिहाई की मांग की थी। उसका दावा था कि जेल में अच्छे व्यवहार के कारण उसे दो साल नौ महीने से अधिक की छूट मिली है। इस तरह उसने प्रत्यर्पण की शर्तों के मुताबिक भारत में 25 साल की जेल पूरी कर ली है। 257 लोगों की मौत वाले 1993 के मुंबई बम धमाका मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे गैंगस्टर का कहना था कि उसे 11 नवंबर 2005 को पुर्तगाल से भारत लाया गया था। भारत सरकार ने पुर्तगाल को आश्वासन दिया था कि उसे 25 साल से ज्यादा की सजा नहीं दी जाएगी। 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि वह 25 साल की सज़ा पूरी करने के बाद रिहाई की मांग कर सकता है।

सलेम के लिए पेश हुए वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा का कहना था कि जेल में अच्छे आचरण के लिए मिली छूट और मुकदमे के दौरान जेल में बिताई अवधि को जोड़ने पर उसकी 25 साल की सज़ा पूरी हो चुकी है।मल्होत्रा ने यह भी कहा कि अब उसे जेल में रखना गैरकानूनी हिरासत के बराबर है। यह उसके संवैधानिक अधिकारों का भी उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इन दलीलों को ठुकरा दिया है। जजों ने कहा है कि बॉम्बे हाई कोर्ट की तरफ से की गई गणना के मुताबिक सलेम की सज़ा अभी पूरी नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट मामले में दखल नहीं देगा। इससे पहले भी सलेम अलग-अलग याचिकाएं दाखिल कर अपनी रिहाई की कोशिश करता रहा है। इसी साल 16 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने उसकी एक याचिका को सुनने से मना करते हुए कहा था कि नासिक जेल से मिले दस्तावेज को हिसाब से हाई कोर्ट मामला सुनेगा।

हाई कोर्ट को जल्द सुनवाई का निर्देश देने से मना करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, आपको टाडा के तहत सज़ा मिली है, समाज का कोई भला करने के लिए नहीं।

मछलीघर को अब चिड़ियाघर में शिफ्ट करने की तैयारी

ग्वालियर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर नगर निगम का मछलीघर लंबे समय से जगह की कमी और तकनीकी समस्याओं से जूझ रहा है। छोटे और कम संख्या में एक्वेरियम होने के साथ पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं है। ऑक्सीजन की कमी के कारण कृत्रिम ऑक्सीजन देने के बावजूद मछलियों की मौत की शिकायत बनी हुई है। बारिश में पास के नाले का पानी ओवरफ्लो होकर परिसर में भर जाता है, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। दो दिन पहले भी नाले का पानी मछलीघर परिसर में भर गया था।

अब नगर निगम मछलीघर को नई जगह पर शिफ्ट करने की तैयारी कर रहा है। चिड़ियाघर के पीछे मैनिजरी क्षेत्र में इसके लिए जगह देखी जा रही है। यहां मौजूदा परिसर की तुलना में काफी बड़ा क्षेत्र उपलब्ध है। नई जगह पर आधुनिक सुविधाओं वाला मछलीघर विकसित करने की योजना है।

नोडल अधिकारी गौरव परिहार ने बताया कि नए नगर निगम आयुक्त के आने के बाद मछलीघर के संचालन और रखरखाव को लेकर चर्चा हुई है। मछलीघर के संचालन का ठेका भी हो चुका है। अब नए वेंडर के साथ इसे नई जगह पर विकसित करने की योजना पर बातचीत चल रही है।

नर्सिंग फर्जीवाड़े में फंसे कॉलेजों पर भारी जुर्माना

हर डुप्लीकेट फैकल्टी पर देना होगा 3 लाख का फाइन, लगाने होंगे 50–50 पौधे

जबलपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता से जुड़े बहुचर्चित फर्जीवाड़े मामले में हाईकोर्ट ने एक बहुत बड़ा और सख्त फैसला सुनाया है। अदालत ने प्रत्येक डुप्लीकेट फैकल्टी पर कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ तीन-तीन लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। हाईकोर्ट की इस सख्ती से उन तमाम कालेजों की नींद उड़ गई है, जो नियमों को ताक पर रखकर फर्जीवाड़े में लिप्त पाए गए थे। हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस बीपी शर्मा की युगलपीठ ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कॉलेज प्रबंधन को जुर्माने की यह राशि एक महीने के भीतर जमा करनी होगी।

अदालत के आदेश के अनुसार, प्रत्येक डुप्लीकेट फैकल्टी पर लगने वाले तीन लाख रुपये में से दो लाख रुपये एमपीएनआरसी और एक लाख रुपये जुवेनाइल जस्टिस फंड में जमा कराने होंगे। निर्धारित अवधि में जुर्माने की राशि जमा करने वाले कॉलेजों को ही उपयुक्त माना जाएगा। इसके बाद ही उनके विद्यार्थियों को परीक्षाओं में शामिल होने और उनके रुके हुए रिजल्ट जारी करने की अनुमति मिलेगी। ला स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट विशाल बघेल की तरफ से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पहले सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। सीबीआई की जांच में प्रदेशभर के 695 नर्सिंग कॉलेजों की पड़ताल की गई थी, जिसमें चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए।

जांच में पाया गया कि सूटेबल पाए गए 119 कॉलेजों और डिफिशिएंट पाए गए 153 कॉलेजों में बड़े पैमाने पर टीचिंग फैकल्टी की डुप्लीकेसी चल रही थी। केवल 35 सूटेबल कॉलेज ऐसे थे, जहां कोई डुप्लीकेट फैकल्टी नहीं मिली।

पत्नी के खिलाफ जांच से भड़का पति, दफ्तर में घुसकर महिला अफसर को पीटा

जबलपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में जिला पंचायत कार्यालय के भीतर महिला अधिकारी से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि विभागीय जांच से नाराज एक कर्मचारी के पति ने कार्यालय में घुसकर परियोजना प्रबंधक अंजुला झा के साथ गाली-गलौज की और लात-घूंसों व थप्पड़ों से मारपीट की। पूरी घटना कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर महिला अधिकारी को बचाया। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

परियोजना प्रबंधक अंजुला झा, सहायक विकासखंड प्रबंधक आरती सोनी से जुड़े एक मामले की जांच कर रही हैं। इसी जांच को लेकर आरती सोनी अपने पति योगेश सोनी के साथ जिला पंचायत कार्यालय पहुंचीं। आरोप है कि कार्यालय में पहुंचते ही योगेश ने अंजुला झा से विवाद शुरू कर दिया। कुछ ही देर में विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि योगेश ने महिला अधिकारी के साथ लात-घूंसों और थप्पड़ों से हमला किया। अचानक हुई घटना से कार्यालय में मौजूद कर्मचारी सकते में आ गए।

सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 4 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के दो घाटी जिलों से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, सभी गिरफ्तारियां की गईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि असम राइफल्स और गढ़वाल राइफल्स को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर इंफाल पूर्वी जिले के माना इंगखोल इलाके से 'नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ मणिपुर' (एनआरएफएम) के 28 वर्षीय एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया गया। वहीं, इंफाल पश्चिम जिले के चिंगमेइरोंग इलाके से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के 44 वर्षीय एक सदस्य को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दो अन्य लोगों में एक प्रतिबंधित कांगलेई याओल कन्ना लुप (केवाईकेएल) का सक्रिय सदस्य है, जिसे इंफाल पश्चिम जिले के सागोलटोंगबा स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

दूसरा व्यक्ति इंफाल पूर्वी जिले के अहल्लुप इलाके से पकड़ा गया, जिसके बारे में पुलिस का कहना है कि वह केसीपी (नोंगद्रेनखोंबा) से जुड़ा है। पुलिस ने बताया कि चारों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। उनके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है और पूरे मामले की जांच जारी है। बता दें कि कुछ दिनों पहले मणिपुर के कांगपोकपी जिले में उग्रवादियों ने एक वाहन को निशाना बनाकर घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई।

प्रियंका गांधी के नाम पर ठगी की कोशिश

कार्यालय ने जारी किया स्कैम अलर्ट

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के नाम और उनके आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को 'स्कैम अलर्ट' जारी किया है। कार्यालय ने बताया कि वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की एआई से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे निवेश करने के लिए कहा जा रहा है। कार्यालय ने साफ कहा है कि ये सभी वीडियो स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे पोस्ट को रिपोर्ट और ब्लॉक करें। इससे पहले अगस्त महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर भी ऐसा ही फर्जी वीडियो सामने आया था, जिसका सरकार ने खंडन किया था।

उस वीडियो में दावा किया जा रहा था कि 22 हजार रुपए के शुरुआती निवेश पर हर हफ्ते साढ़े पांच लाख रुपए की कमाई होगी। यह एक निवेश योजना का प्रचार था। पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट ने जांच में पाया कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है और एआई से तैयार किया गया है। पीआईबी ने स्पष्ट किया था कि वित्त मंत्री ने ऐसी किसी भी निवेश योजना या प्लेटफॉर्म का समर्थन नहीं किया है।

लोगों को ऐसे जालसाजों से सावधान रहने की अपील की गई थी जो फर्जी योजनाओं का लालच देकर लोगों का पैसा हड़पने की कोशिश करते हैं। आजकल साइबर ठग लोगों का भरोसा जीतने के लिए रोज नए-नए तरीके निकाल रहे हैं।

बड़े नेताओं और जानी-मानी हस्तियों की एआई से आवाज और वीडियो बनाकर लोगों को भरोसे में लिया जा रहा है और लाखों-करोड़ों की ठगी की जा रही है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर कोई वीडियो आपको बहुत ज्यादा मुनाफे का लालच दे रहा है,

तो सतर्क हो जाएं। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें और किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी सच्चाई की जांच जरूर करें। सरकार या किसी नेता की तरफ से ऐसी कोई योजना आती है तो उसकी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जरूर देखें।

आग में जलकर तीन छात्राओं की हुई थी मौत, 6 साल बाद शुरू होगा मुकदमा; मालिक-संचालक पर आरोप तय

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सेक्टर-32 के पीजी में वर्ष 2020 में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में करीब छह साल बाद मुकदमा चलने का रास्ता साफ हो गया है। जिला अदालत ने कोठी मालिक गौरव अनेजा और पीजी संचालक नितेश बंसल के खिलाफ आइपीसी की धारा 304ए (लापरवाही से मौत) के तहत आरोप तय कर दिए हैं। अब दोनों आरोपितों के खिलाफ मजिस्ट्रेट कोर्ट में 27 अक्टूबर से मुकदमे की सुनवाई होगी। लंबे समय से कानूनी पेच और मुकदमे पर रोक के कारण मामला आगे नहीं बढ़ पा रहा था। दरअसल, हादसे के बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ आइपीसी की धारा 304 यानी गैर इरादतन हत्या के तहत केस दर्ज किया था। आरोपितों ने इस कार्रवाई को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। उनका तर्क था कि मामले में गैर इरादतन हत्या की धारा बनती नहीं है। उन पर गलत धारा लगाकर केस को गंभीर बनाया गया है।

हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद दोनों आरोपितों

को राहत देते हुए धारा 304 हटाकर 304ए के तहत केस चलाने का निर्देश दिया था। धारा 304 यानी गैर इरादतन हत्या के मामले की सुनवाई सेशंस कोर्ट में होती है,

दिल्ली दंगा आरोपी ताहिर हुसैन को कोर्ट से राहत

जेल में इस्तेमाल कर सकेगा इलेक्ट्रिक केतली और तख्त

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े बड़ी साजिश के मामले में आरोपी पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन को कड़कड़डूमा अदालत ने जेल में इलेक्ट्रिक केतली और लकड़ी का तख्त इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर वाजपेयी ने ताहिर हुसैन की ओर से दाखिल आवेदन पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि दोनों वस्तुओं का इस्तेमाल जेल नियमों के अनुसार ही किया जाएगा। ताहिर हुसैन की ओर से अदालत में कहा गया कि वह विभिन्न बीमारियों से पीड़ित है और उसे नियमित रूप से गर्म पानी की जरूरत होती है।

इसके लिए जेल में इलेक्ट्रिक केतली की आवश्यकता है। साथ ही उसने लकड़ी का तख्त इस्तेमाल करने की अनुमति भी मांगी। बचाव पक्ष ने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों और जेल अधिकारियों की सिफारिश पर उसे पहले भी इन दोनों वस्तुओं के इस्तेमाल की अनुमति मिलती रही है। ताहिर हुसैन ने दावा किया कि वह पिछले पांच वर्षों से इलेक्ट्रिक केतली और लकड़ी के तख्त का इस्तेमाल कर रहा है और आगे भी इसे जारी रखने की अनुमति चाहता है। अदालत ने ताहिर हुसैन की ओर से पेश किए गए चिकित्सकीय दस्तावेजों का अवलोकन किया। इनमें इलेक्ट्रिक केतली और लकड़ी के तख्त के इस्तेमाल की अनुमति का उल्लेख था।

अदालत ने मेडिकल दस्तावेजों और उसके आवेदन को देखते हुए याचिका स्वीकार कर ली। न्यायाधीश ने आदेश दिया कि ताहिर हुसैन जेल नियमों के अनुसार इलेक्ट्रिक केतली और लकड़ी के तख्त का इस्तेमाल कर सकता है। संबंधित जेल के अधीक्षक को आदेश का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। यह मामला 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े बड़ी साजिश के मामले का है।

200 करोड़ की जमीन पर घमासान :

केटीआर बोले–किसे फायदा पहुंचा रही सरकार?

राज्यपाल से मिले निलंबित विधायक

> बीआरएस विधायकों को विधानसभा से इसलिए निलंबित किया गया, ताकि वे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के भाई से जुड़ी कंपनी को कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की जमीन आवंटित किए जाने का मुद्दा सदन में न उठा सकें।
>
> *केटी रामाराव, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष*

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को तेलंगाना सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीआरएस विधायकों को विधानसभा से इसलिए निलंबित किया गया, ताकि वे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के भाई से जुड़ी कंपनी को कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की जमीन आवंटित किए जाने का मुद्दा सदन में न उठा सकें।

केटीआर ने कहा कि विपक्षी विधायक जनता से जुड़े सवाल सदन में उठाना चाहते थे। सरकार को इसकी आशंका थी इसलिए उसने हमारे विधायकों को सदन से निलंबित करा दिया। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस कांग्रेस सरकार के उन '420 झूठे वादों' और मुख्यमंत्री के परिवार से कथित तौर पर जुड़ी कंपनी को कीमती जमीन आवंटित किए जाने के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में थी। केटीआर ने कहा कि इसी वजह से विधायकों को निलंबित करने का बहाना तलाशा गया और अब बीआरएस सीधे उस जमीन पर पहुंची है, जिसे मुख्यमंत्री के भाई से जुड़ी कथित शेल कंपनी को आवंटित किया गया है। केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सवाल किया कि अगर सरकार ने किसी कंपनी को इतनी कीमती जमीन उपलब्ध कराई है, तो क्या तेलंगाना के युवा उद्यमियों को भी इसी तरह की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने पूछा, 'अगर आज तेलंगाना का कोई युवा सिर्फ एक लाख रुपये की पूंजी से कंपनी शुरू करता है, तो क्या उसे भी 200 करोड़ रुपये की जमीन दी जाएगी?' केटीआर ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी के भाई अनमुला कोंडल रेड्डी ने एक एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी स्थापित की थी और पांच एकड़ जमीन मिलने से पहले एक इजरायली इनोवेशन कंपनी के साथ गठजोड़ किया था। उन्होंने इस पूरे मामले की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जमीन आवंटित करने से पहले कंपनी की वित्तीय क्षमता और उसकी पृष्ठभूमि की उचित जांच की गई थी या नहीं, यह स्पष्ट होना चाहिए।

बीआरएस नेता ने इस मुद्दे को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी जोड़ते हुए सवाल किया कि कांग्रेस सरकार का 'इंदिरम्मा राज्यम' का नारा आखिर किस तरह के शासन की बात करता है। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या 'इंदिरम्मा राज्यम' का मतलब मुख्यमंत्री के भाई, बहन और अन्य रिश्तेदारों को समृद्ध बनाना है। केटीआर ने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी इस मामले में वास्तव में कार्रवाई करना चाहती है, तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से तत्काल जांच कराई जानी चाहिए।

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15150724P, Rank HAV, Name RAM KUMAR CHAUDHARY S/o. KASHIRAM CHAUDHARY, Resident of H.no 9-1- 364/ C/1/1, Bapu Nagar, Langer House, Hyderabad 500031, hereby declare that my name and my **Family** members names are wrongly recorded in my Service records, My name is wrongly recorded as **Ram Kumar Choudhri** but my correct name is **Ram Kumar Chaudhary**. My Fathers Name is wrongly recorded as **Kashi Nath** instead of his correct name **Kashiram Chaudhary**, My Mother's name is wrongly recorded as **Kalawati Choudhri** instead of **Kalavati Chaudhary**. My Wife's name is wrongly recorded as **Neeraj** instead of her correct name **Neeraj Chaudhary**, My daughter's name is wrongly recoded as **Angel** instead of her correct name **Angel Chaudhary** and my Son's name is wrongly recoded as **Prince** instead of his correct name **Prince Chaudhary**. Also my Wife's Date of Birth is wrongly recorded as **25/11/1986** instead of her correct Date of Birth **10-07-1986**

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Indra Rawat, W/o, No.14672398K, NK, Gordhan Singh, R/o, Dist; Ajmer, Rajasthan, changed my name from Indra Rawat to Indra Devi, vide Affidavit No.CE 043463 dt.09.09.2026, before Notary Public at Nasirabad.

I, No. 14655488P, Hav, Anant Kumar Savadi, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my Mother's name from Padamavati A Savadi to Padmavati Savadi, vide Affidavit No. 995515 dt.08.09.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Parisham Beeui, Mother of No. 17017735Y, CFN, Muhammed Rafi P, R/o, Vill: Ittiva, Dist: Kollam, Keralam, changed my name from Parisham Beeui to Parisha Beevi A, vide Affidavit No. 995556 dt. 09.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14655488P, Hav, Anant Kumar Savadi, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my Father's name from Appasab V Savadi to Appasab Savadi, vide Affidavit No. 995517 dt. 08.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14673279A, NK, Keshab Ghosh, R/o, Dist: Murshidabad, West Bengal, changed my Father's name from Ashoke KR Ghosh to Ashok Ghosh, vide Affidavit No. 995520 dt. 08.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, T Sree Kutty, W/o, No. 14673467F, NK, Vinukumar J, R/o, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my name from T Sree Kutty to Sreekutty T, vide Affidavit No. 157 dt. 09.09.2026, before Advocate and Notary at Neyyattinkara, Kerala.

I, No. 14655011A, Hav, Subhendu Roy, R/o, Dist: Howrah, West Bengal, changed my Father's name from Ajoy Kumar Roy to Ajoy Roy, vide Affidavit No. 995527 dt. 08.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14673784H, Hony Hav, Vimala Kumar Komare, R/o, Dist: Balod, Chhattisgarh, changed my Father's name from Sahadev Ram Komare to Sahdev Ram Komare, vide Affidavit No. 995528 dt.08.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14648292Y, CQMH, Vir Bahadur Singh, R/o, Dist: Azamgarh, Uttar Pradesh, changed my Mother's name from Kulavanti to Kulwanti Devi, vide Affidavit No. 995533 dt. 08.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मिट्टी के गणेश की पूजा करें पर्यावरण की रक्षा करें : कलेक्टर

रंगारेड्डी , 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर जिले के लोगों से मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं की पूजा करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तत्वावधान में गुरुवार को एकीकृत जिला कार्यालय भवन में मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं का वितरण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए आइए मिट्टी के गणेश की पूजा करें... आइए पर्यावरण की रक्षा करें का संदेश व्यापक रूप से प्रचारित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्लास्टर ऑफ पेरिस और रासायनिक पदार्थों से बनी गणेश प्रतिमाओं के इस्तेमाल को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

एआईसीसी प्रोफेशनल कांग्रेस अध्यक्ष मधु याश्की गौड़ ने मंत्री पोन्नम से की मुलाकात

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष नियुक्त किए गए मधु याश्की गौड़ ने गुरुवार को विधानसभा लॉबी में तेलंगाना के परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मधु याश्की गौड़ को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा पुष्पगुच्छ भेंट किया। मंत्री ने कहा कि देशभर के प्रोफेशनल्स को कांग्रेस पार्टी से और अधिक जोड़ने तथा उनकी सोच एवं सुझावों को पार्टी की नीतियों के निर्माण में शामिल करने में मधु याश्की गौड़ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वह अपनी नई जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए कांग्रेस को और मजबूत करने के लिए काम करेंगे।

जय श्री राम | श्री गणेशाय नमः | (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
शुक्रवार दिनांक 11-09-2026 को
पिठौरी / भाद्रपद अमावस्या
यादेवी श्री आईजी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44, मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में भोजन प्रसादी एवं भजनों का कार्यक्रम रहेगा।
अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान–पुण्यकर लाभ लेवे।
सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785, सिरवी ताराराम पंवार :9246368842
Gpay / phone pay : 9246368842
CHOUDHARY BROTHERS
HNO : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
SOHANLAL : 9032160794
BEAUTIFUL HOMES

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज शुक्रवार 11 सितम्बर 2026 प्रातः 11 बजे से
पिठौरी / भाद्रपद अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला, सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
दूरभाष : 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज शुक्रवार, 11 सितम्बर 2026 भाद्रपद अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रखी गयी है।
एक गौमाता की पूर्ण मासिक सेवा ₹3100
संपूर्ण गौशाला की एक दिन की सेवा ₹15,100
शुद्ध गाय का घी गौशाला में ही निर्मित हमारे गौशाला में रहने वाली गौ माताओं के दुध से निर्मित शुद्ध और सात्विक गाय का घी उपलब्ध है।
Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APCM0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)

।। जय गौ माता ।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज शुक्रवार 11 सितंबर 2026 भाद्रपद अमावस्या है
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
Online गौ सेवा के लिये
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM : 9296358630, GOOGLE PAY/PHONE PAY: 7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

ॐ शिव मंदिर गौशाला, पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
C/A No. 003103000000072 IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
C/A No. 002001200018617 IFSC CODE: APCM00002
गौमाता को हरी घास की सेवा कर पुण्य के भागी बनें।
आज शुक्रवार 11 सितंबर 2026 भाद्रपद अमावस्या है
Digital Donation are accepted on Google Pay/Phone Pay 9959271866
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

सह स्नेह निमंत्रण
भाद्रपद अमावस्या के उपलक्ष में
संगीतमय सुन्दरकांडः पाठ
प्रसादी दोपहर 1.00 से 3.00
शुक्रवार 11 सितम्बर 2026 प्रातः 9:01 से 1.00 तक
तत्पश्चात प्रसादी का आयोजन किया गया है।
अमावस्या के उपलक्ष में सभी गौ भक्तों से निवेदन है अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौ सेवा कर पुण्य के भागीदार बनें। गौ सेवा करने से स्वस्थ, सुख, समृद्धि, आयु और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
विशेष : गौशाला में गौ दान और तुला दान की सुविधा उपलब्ध है।
शुभ स्थल : नारायणी गौ सेवा सदन
रोड नंबर.17, शालिवाहना नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद . मो : 9581348889
NARAYANI GOW SEVA SADAN A/C No. 50200065063209 IFSC CODE HDFC 0001996
G Pay PhonePe 9581348889
आयोजक : नारायणी गौ सेवा सदन
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

।। श्री सरस्वत्ये नमः ।।
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyderabad- 500052
Cell : 9985385399, 9989403635, 9440437618, 9912142260, 9246522435, 9347211966, 9441210591, 9441422085
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास गगनपहाड * सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौ सेवा केन्द्र बुर्जुगड्डा * माँ सरस्वती पशु चिकित्सालय बुर्जुगड्डा
आज शुक्रवार 11 सितम्बर अमावस्या है।
चलिये, हज़ारों गौवंश एवं कबुतरों को अपने करकमलों से चारा दाना अर्पण कीजिये। यह मूक प्राणी आपके करकमलों से चारा-दाना ग्रहण कर अति प्रसन्न हो जाते है।
SCAN & PAY
Bankers : Bank of Baroda, Nallakunta Branch Hyd.
A/c. : 75450200001071, IFSC Code : BARBOVJNAKU
To Avail 80g Kindly Donate in Akshya Pashu Pakshi Trust (Provide Pan No. & Obtain Certificate)
Canara Bank, Basheerbagh Branch, A/c : 0878132000033
IFSC CODE : CNRB0000878

मायावती भतीजे पर भड़कीं, फिर पार्टी से निकाला

कहा- आकाश को पार्टी से ज्यादा ससुर प्रिय, डबल माइंड हो गए; समधी ने संन्यास में देरी की

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख मायावती के परिवार में सियासी कलह बढ़ती जा रही है। उन्होंने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी से निकाल दिया है। मायावती ने गुरुवार सुबह 9 बजे X पर लिखा- आकाश को अपने ससुर से ज्यादा लगाव है। वह डबल माइंड हो गए हैं। 3 सितंबर से उन्होंने मेरी पोस्ट को रिपोस्ट तक नहीं किया। अगर वह पार्टी में स्वतंत्र रहना चाहते हैं तो वे स्वतंत्र हैं। इसलिए आज से उन्हें पार्टी से आजाद कर दिया गया है। उनके ससुर ने इस्तीफे में देरी कर दी।

मायावती ने कल यानी बुधवार आकाश की पार्टी में पद वापस देने के लिए उनके ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास की शर्त रखी थी। मायावती की इस शर्त के करीब 17 घंटे बाद अशोक सिद्धार्थ ने गुरुवार सुबह 7 बजे राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने X पर भावुक पोस्ट करते हुए लिखा- संन्यास तो छोटी बात है। बहनजी के लिए जान भी दे सकता हूं। उनके आदेश के आगे परिवार, रिश्ते-नाते सब बहुत छोटे हैं। मैंने कभी आकाश को गुमराह करने की कोशिश नहीं की। समधी के इस्तीफे के ऐलान के बाद माना जा रहा था कि मायावती आकाश को पार्टी में पद लौटा देंगी। लेकिन, सबको चौंकाते हुए उन्होंने आकाश को पद लौटाना तो दूर की बात उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

3 साल में यह दूसरा मौका है, जब मायावती ने आकाश को पार्टी से बाहर निकाला। मायावती ने 7 दिन पहले पार्टी के नंबर दो पद राष्ट्रीय संयोजक से आकाश को हटाया था। तब कहा था- आकाश को अभी राजनीतिक रूप से और अधिक परिपक्व होने की जरूरत है।

अब गेंद आकाश के पाले में थी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने आकाश से कहा कि मायावती की पोस्ट को रि-पोस्ट करें। सार्वजनिक तौर पर उनका धन्यवाद करें। लेकिन आकाश इसके लिए तैयार नहीं थे। आकाश का कहना था- मैं कुछ भी कर लूं, लेकिन उन्हें मुझ पर भरोसा ही नहीं है। यही नहीं, 9 सितंबर की मायावती ने अशोक सिद्धार्थ और आकाश आनंद को लेकर लिखा कि आपके दामाद इस लाइन को लेकर आकाश बेहद नाराज हैं। आकाश इस बार पार्टी में किसी भी पद के लिए तैयार नहीं थे। यहां तक कि उन्हें पिता आनंद कुमार ने भी मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

आकाश का कहना था कि वे स्वतंत्र तौर पर बिना पद के पार्टी के लिए काम करने को तैयार हैं। आकाश की यह बात जब मायावती को पता चली तो वह और नाराज हो गईं। इसके बाद उन्होंने आकाश को पार्टी से बाहर करने का फैसला कर लिया।

'मारकर पुल से नीचे फेंक देंगे...'

बेगूसराय, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बेगूसराय जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां बेखौफ अतिक्रमणकारियों ने कानून की धज्जियां उड़ाते हुए ऑन-ड्यूटी सरकारी अधिकारी पर जानलेवा हमला कर दिया। भगवानपुर के अंचल अधिकारी (सीओ) रानू कुमार पर उस समय लोहे की रॉड और लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ वार किए गए।

घटना तब हुई जब अंचल अधिकारी सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने पहुंचे थे। अतिक्रमणकारियों ने न सिर्फ अधिकारी की बेरहमी से पिटाई की, बल्कि उन्हें जान से मारकर पुल के नीचे फेंकने की सीधी धमकी भी दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

घटना 8 सितंबर की शाम करीब 5:00 बजे की है। अंचल अधिकारी रानू कुमार टीम के साथ बनवारीपुर पंचायत भवन के समीप लखनपुर पुल के पास पहुंचे थे। वहां सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कटरा-गुमटी बनाकर कब्जा किया गया था। सीओ ने कब्जाधारियों को अंतिम चेतावनी देते हुए जगह तुरंत खाली करने को कहा।

इसी दौरान एक स्थानीय दुकानदार अपने साथियों के साथ आपा खो बैठा और अधिकारी से बदसलूकी करने लगा। आरोपी ने CO के सामने आकर सीधे ललकारते हुए कहा की खाली करा के दिखाओ तुमको यहीं पर जान से मारकर पुल के नीचे फेंक देंगे। जब CO ने कानून का हवाला देते हुए सरकारी काम में बाधा न डालने की हिदायत दी, तो स्थिति और उग्र हो गई।

दुकानदार ने अपनी दुकान से लोहे की रॉड निकाल लाया। उसके साथ 2-3 अन्य पुरुष और पास खड़ी 2 महिलाएं भी आ गईं। सभी ने मिलकर सीओ रानू कुमार को चारों तरफ से घेर लिया। दुकानदार ने लोहे की रॉड से सीधे सीओ के सिर पर वार किया, जिससे उनके सिर और दाहिने कंधे पर गंभीर चोट आई।

इसी बीच एक महिला ने हाथ में ली लाठी से सीओ के सिर पर मारा, जिससे उनका सिर सूज गया। आरोप है कि बाकी अन्य आरोपियों ने अधिकारी को घेरकर लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद अंचल गार्ड और स्थानीय ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह सीओ की जान बचाई।

घटना के बाद पहुंची पुलिस की मौजूदगी में सरकारी जमीन को खाली कराया गया और घायल सीओ को इलाज के लिए तुरंत भगवानपुर पीएचसी ले जाया गया। पुलिस ने पीड़ित अधिकारी के लिखित आवेदन पर बनवारीपुर के रहने वाले रोशन पासवान, सुंदर पासवान, शंकर पासवान, रोहित पासवान, रिशु पासवान, रंजु देवी एवं हजारी देवी सहित 2 से 3 पर मामला दर्ज किया गया है।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह पर 1000 का जुर्माना ज्योति सिंह ने मांगी है 10 करोड़ की एलिमनी

भोजपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भोजपुरी के पावर स्टार और बीजेपी एमएलसी पवन सिंह पर कोर्ट ने 1 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। मामला पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के तलाक और गुजारा भत्ता से जुड़ा है। दरअसल, यूपी के बलिया की पारिवारिक अदालत में गुजारा भत्ता से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान पवन सिंह पेश नहीं हुए। इस पर कोर्ट ने उन पर 1 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 5 अक्टूबर की तारीख तय की है। पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह की मेंटनेंस पिटिशन पर बुधवार को जज कमलापति प्रजापति की अदालत में सुनवाई होनी थी। इस दौरान पवन सिंह का बयान भी दर्ज किया जाना था। पवन सिंह के अधिवक्ता हरिवंश सिंह ने बताया कि कि पटना में बाढ़ के कारण पवन सिंह अदालत में उपस्थित नहीं हो सके। उनकी ओर से सुनवाई स्थगित करने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र दिया गया था। अधिवक्ता ने बताया कि अदालत ने सुनवाई में उपस्थित नहीं होने पर पवन सिंह पर एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

वहीं, ज्योति सिंह के अधिवक्ता ने कहा, 'पवन सिंह इससे पहले 11 अगस्त को अपना पक्ष रखने के लिए कोर्ट नहीं आए थे।' हालांकि , ज्योति सिंह अपने वकील के साथ बुधवार को कोर्ट पहुंचीं थी। ज्योति, पवन सिंह की दूसरी पत्नी हैं। दरअसल, पवन सिंह की पहली शादी 2014 में नीलम सिंह से हुई थी। शादी के एक साल बाद ही नीलम ने सुसाइड कर लिया था।

मर्डर केस में 7 दोषियों को उम्रकैद

बच्ची से रेप में 20 साल की सजा, दरभंगा में दो अलग-अलग मामलों में अदालत का फैसला

दरभंगा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दरभंगा में बुधवार को दो अलग-अलग आपराधिक मामलों में अदालत ने सजा सुनाई। मनीगाछी थाना क्षेत्र के चनौर गांव निवासी केशव कुमार चौधरी हत्याकांड में प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार की अदालत ने सात दोषियों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई। वहीं, पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश सुलेखा झा की अदालत ने दोषी को 20 वर्षों के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

मनीगाछी थाना कांड संख्या 162/21 से संबंधित सत्रवाद संख्या 346/21 में अदालत ने सजा के बिंदु पर अभियोजन और बचाव पक्ष की बहस सुनने के बाद चनौर निवासी राम यादव,

विजय यादव, लाल कुमार यादव, अनिल यादव, मटकून यादव, पप्पू यादव और सुनील यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने सभी दोषियों पर कुल 60 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर उन्हें अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत सभी दोषियों को आजीवन कठोर कारावास और 50 हजार रुपए अर्थदंड की सजा दी है। वहीं, धारा 328 के तहत 10 वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।

अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर धारा 302 में तीन वर्ष और धारा 328 में दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने बताया कि अदालत ने अर्थदंड की राशि मृतक के परिवार को देने का आदेश दिया है। एपीपी रेणु झा ने बताया कि सात सितंबर को अदालत ने सभी आरोपितों को हत्या के मामले में दोषी करार दिया था। इसके बाद बुधवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी कर अदालत ने सभी सात दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

दूसरे मामले में पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को अदालत ने 20 वर्षों के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश सुलेखा झा की अदालत ने सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव निवासी वैजनाथ मंडल के पुत्र ललित मंडल को यह सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। साथ ही पीड़िता के पुनर्वास के लिए बिहार पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत प्रतिकर सहायता राशि निर्धारित कर भुगतान करने का आदेश जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दरभंगा को दिया है।

मोतिहारी में डबल मर्डर, 2 लोगों को चाकू से गोदा

10 साल के बच्चे के सामने हुई हत्या; भैंस नहलाने को लेकर हुआ था विवाद

मोतिहारी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मोतिहारी में डबल मर्डर की वारदात को अंजाम दिया गया है। घर में घुसकर कुछ लोगों ने तीन लोगों पर चाकू से हमला किया। हमले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान जमी अख्तर(36) और मदीना खातून(40) के रूप में हुई है।वहीं, मसीह अख्तर का इलाज पताही सीएचसी में चल रहा है, उनकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। डबल मर्डर की वारदात को अंजाम 10 साल के बच्चे के सामने दिया गया है। घटना जिले के पताही थाना क्षेत्र के जिहुली गांव की है। बताया जाता है कि भैंस नहलाने के दौरान पानी गिरने के विवाद को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया है। 10 साल के रहमतुल्लाह ने बताया कि बुधवार को मैं स्कूल में था तभी गांव के एक लड़के ने कहा कि पुलिस तुम्हारे पापा को पकड़ रही है। मैं भागकर घर आया तो पुलिस ने सबको समझाकर छोड़ दिया।

शाम को पापा घर पर ही थे, तभी संजय सिंह और उसका बेटा आकाश कुछ लोगों को साथ लेकर आए। उनका पापा से विवाद हुआ और अचानक पिता पर चाकू से हमला कर दिया। पापा को बचाने चाचा और अम्मी गईं तो उन पर भी चाकू से वार कर दिया गया। तीनों वहीं गिर गए। वहां बहुत लोग थे लेकिन किसी ने बचाने की कोशिश नहीं की। घटना के संबंध में मृतक की भाभी नगमा खातून ने बताया कि सुबह उनके भसुर मसीह अख्तर सड़क पर भैंस नहला रहे थे, जिसका पानी अनिल सिंह के घर की तरफ जा रहा था। इसी बात पर अनिल सिंह ने आकर गाली-गलौज की। और हाथापाई करने लगे। जिसे लोगों ने शांत कराया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और समझाया कि वहां पाइप लगा लें ताकि विवाद खत्म हो जाए। इसके बाद सभी अपने-अपने घर चले गए।

चित्रगुप्त पीठ के महंत को पाकिस्तान से धमकी

पीछे हट जाओ, नहीं तो समाधि बना देंगे; कार सेवा का ऐलान किया था

मथुरा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के समीप बनी मस्जिद पर 6 दिसंबर को कार सेवा का ऐलान करने वाले संत सच्चिदानंद महाराज को जान से मारने की धमकी मिली है। चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर संत के वॉट्सऐप पर पाकिस्तान के नंबर से कॉल की गई। कॉल करने वाले ने कार सेवा के ऐलान से पीछे हटने की चेतावनी देते हुए कहा- नहीं तो आपकी समाधि बना देंगे। संत के मुताबिक, पहले +92 से शुरू होने वाले नंबर से मिस कॉल आई। करीब 10 मिनट बाद इसी नंबर से दो बार कॉल की गई। इसके अलावा धमकी भरे ऑडियो भी भेजे गए। संत ने कहा कि वह धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और मामले की जानकारी पुलिस को देकर कानूनी कार्रवाई कराएंगे। करीब 47 सेकंड के एक ऑडियो में संत सच्चिदानंद महाराज को कार सेवा और रैली से पीछे

हटने के लिए कहा गया। ऑडियो में धमकी देने वाला कहता है- अगर पीछे नहीं हटे तो आपके साथ आने वाले साधु-संत भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। बात नहीं मानने पर तेरी 'समाधि वहीं बना दी जाएगी। मैं जिनको टारगेट करता हूं, उसकी पूरी डिटेल्स निकालकर मारता हूं। इसके बाद करीब 22 सेकंड का एक और ऑडियो भेजा गया। इसमें भी संत सच्चिदानंद महाराज को ढूंढकर मारने और कार सेवा के कार्यक्रम से दूर रहने की धमकी दी गई। संत सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि उन्हें धमकी मिली है और इसकी जानकारी पुलिस को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वह धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और मामले में कानूनी कार्रवाई कराएंगे। फिलहाल पुलिस की ओर से धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान या पाकिस्तान के नंबर से कॉल किए जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच के बाद ही धमकी देने वाले और कॉल के स्रोत के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संत सच्चिदानंद महाराज ने 9 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मस्थान के समीप बनी मस्जिद को लेकर कार सेवा का ऐलान किया था। हालांकि सावन माह होने के कारण उस समय कार सेवा के बजाय शिला पूजन और साधु-संतों के साथ बैठक की गई। इसी बैठक में 6 दिसंबर को कार सेवा करने का निर्णय लिया गया।

इसके बाद संत देशभर के साधु-संतों और धर्माचार्यों से संपर्क कर रहे हैं। वह कार सेवा को लेकर लगातार बैठकें भी कर रहे हैं।

काशी में कारोबारी ने खुद को मारी गोली

भाई को फोन कर बोला- घर के नीचे आओ, वरना जान दे दूंगा

वाराणसी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में 52 साल के कपड़ा कारोबारी ने खुद को गोली मार ली। गुरुवार सुबह 5 बजे वह छोटे भाई के घर पहुंचे। फोन कर कहा- घर से नीचे आओ, वरना खुद को मार लूंगा। भाई के नीचे पहुंचने से पहले ही उन्होंने खुद को गोली मार ली और सड़क पर गिर पड़े। भाई और परिजन उन्हें तुरंत बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले गए। डॉक्टरों के मुताबिक, गोली उनकी गर्दन में फंसी है। उनका इलाज चल रहा है। घरवालों ने बताया कि विजेंद्र सोनी की इकलौती बेटी की शादी होने वाली है। वह कुछ समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। परिजनों के मुताबिक, इसके चलते वह डिप्रेशन में थे। वेदांता हॉस्पिटल में उनका इलाज भी चल रहा था। हालांकि, उन्होंने यह कदम क्यों उठाया, इसकी साफ वजह सामने नहीं आई है। घटना कैंट थाना क्षेत्र की है।

विजेंद्र सोनी कैंट थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। वह तीन भाइयों में मंझले हैं। पांडेयपुर में एक ही बिल्डिंग में तीनों भाइयों की दुकानें हैं। यहां श्रीराम ज्वेलर्स और ऊपर श्रीराम साड़ी घर संचालित होता है। विजेंद्र की श्री राम साड़ी के नाम से दुकान है। बड़े भाई नरेंद्र सोनी की श्रीराम अलंकार ज्वेलर्स के नाम से ज्वेलरी की दुकान है। छोटे भाई जितेंद्र सोनी जय मां दुर्गा नाम से ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं। विजेंद्र के परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा हैं।

भाई जितेंद्र ने बताया कि गुरुवार सुबह 5 बजे विजेंद्र टहलने निकले थे। करीब 30 मीटर दूर वह मेरे घर और दुकान के पास पहुंचे। उन्होंने घर के नीचे से मुझे फोन किया और नीचे आने को कहा। सुबह का वक्त था, इसलिए मैंने कहा कि थोड़ी देर में मिलते हैं।

उन्होंने तुरंत नीचे आने को कहा। कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज सुनाई दी। मैं दौड़कर नीचे गया तो मेरा भाई सड़क पर पड़ा था। हम लोग तुरंत उन्हें अस्पताल ले गए।

वैशाली में पुल का बीम लॉन्चर गिरा, 8 कर्मचारी घायल

बोरियों में भरकर मजदूरों को हटाया गया; कंपनी के अधिकारी भाग गए

हाजीपुर (वैशाली), 10 सितंबर (एजेंसियां)। वैशाली के लालगंज में गुरुवार को निर्माणाधीन पुल का बीम लॉन्चर अचानक गिर गया। इसमें कई कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को तुरंत लालगंज रेफरल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में 6 कर्मचारियों का इलाज किया गया, जबकि 2 गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

भारतमाला परियोजना के तहत एनएच -139W फोरलेन रोड का निर्माण हो रहा है। एकलव्य कंस्ट्रक्शन कंपनी 6 हजार करोड़ की लागत की परियोजना का निर्माण कर रही थी। हादसा लालगंज थाना क्षेत्र एतवारपुर गांव के सती स्थान के पास हुआ।

हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंच गए। हादसे की वजह जानने के लिए जांच की जा रही है। निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों पर भी सवाल उठ रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 10 से 10.15 बजे के बीच अचानक तेज आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े तो वहां का मंजर देखकर उनके होश उड़ गए। मौके पर मजदूर फंसे हुए थे और चीख-पुकार मची हुई थी। हादसे के बाद निर्माण कंपनी के अधिकारी और इंजीनियर मौके से निकल गए, जबकि मजदूरों को निकालने के लिए स्थानीय लोग और प्रशासन जुटे रहे।

करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लोहा काटकर एक मजदूर को बाहर निकाला गया। काफी देर तक पुलिस प्रशासन के लोग भी नहीं पहुंच थे। बाद में सूचना मिलने लालगंज पुलिस और प्रखंड विकास पदाधिकारी सुजीत कुमार मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

राहत एवं बचाव के प्रयास के बाद घायलों को इलाज के लिए लालगंज रेफरल अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार किया गया। इनमें से दो गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने की जानकारी सामने आई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल गिरने से 15 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद सभी अधिकारी मौके से फरार हो गए। फोन करने पर भी अधिकारी रिस्पॉन्स नहीं दे रहे हैं। इस हादसे में कई लोगों की मौत की भी आशंका है। हमारा गांव घटनास्थल से 1 किमी दूरी पर है। हमलोग जब तक यहां पहुंचे लोगों को बोरे में भरकर स्कॉर्पियों से यहां से ले जाया चुका है। अभी भी एक मजदूर ऊपर फंसा हुआ है। पुलिस जेसीबी से लॉन्चर को हटाने का प्रयास कर रही है। अगर उसका कोई हिस्सा फिर से टूटकर गिर गया तो यहां मौजूद लोगों की भी जान को खतरा है।

हाईकोर्ट ने देवरिया एसपी को फटकारा

कहा-अफसर 'झूठों के झुंड':अवैध हिरासत पर पूछा- दरोगा सस्पेंड क्यों नहीं हुआ?

प्रयागराज, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को देवरिया एसपी अभिजीत आर. शंकर को कड़ी फटकार लगाई। मामला चार लोगों को 13 से 24 अप्रैल 2026 के बीच कथित तौर पर हिरासत में रखने का है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें अवैध रूप से 10 दिनों तक थाने में रखा।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने गौरी बाजार थाने के सीसीटीवी कैमरों और संबंधित अवधि की फुटेज की जानकारी मांगी थी। बुधवार को एसपी और एसएचओ ने बताया कि थाने का सीसीटीवी कैमरा खराब था और काम नहीं कर रहा था।

पुलिस अफसर की सफाई से जस्टिस अतुल श्रीधरन नाराज हो गए। कोर्ट ने पूछा- इतनी बड़ी लापरवाही के बाद भी एसएचओ को सस्पेंड क्यों नहीं किया गया? माफी अदालत से नहीं, बल्कि हिरासत में रखे गए लोगों से मांगिए। सुनवाई के दौरान उन्होंने मौखिक टिप्पणी करते हुए पुलिस अफसरों को 'झूठों का झुंड' तक कह दिया।

देवरिया के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के सुपारी गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने कथित रूप से 4 लोगों को 10 दिन तक हिरासत में रखा था। इस मामले में चारों लोग कोर्ट में याचिका

अभिजीत आर. शंकर देवरिया SP

दाखिल की है। महेंद्र गौर और तीन अन्य ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें बिना कानूनी प्रक्रिया के थाने में रखा। चारों ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की। उनका कहना है कि 13 से 24 अप्रैल 2026 के बीच उन्हें अलग-अलग समय तक थाने में रखा गया। कुछ लोगों को करीब 10 दिन तक हिरासत में रखने का आरोप है।

मामले की सुनवाई जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस दिवेश चंद्र सामंत की पीठ कर रही है। आरोपों की जांच के लिए हाईकोर्ट ने थाने के सीसीटीवी की फुटेज मांगी थी।

2 सितंबर को राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि घटना से पहले ही थाने का सीसीटीवी खराब हो गया था। इसके बाद हाईकोर्ट ने देवरिया के एसपी और थाना प्रभारी को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया। बुधवार को सुनवाई हुई। पीठ ने एसएचओ डॉ. महेंद्र कुमार से पूछा- रिकॉर्डिंग कहां है? आप दो महीने से एसएचओ थे।

कोर्ट ने फिर पूछा कि कैमरा खराब होने की जानकारी थाने की डायरी में दर्ज की गई थी या नहीं। उन्होंने कहा कि इसकी एंट्री नहीं की गई थी। एसपी अभिजीत आर. शंकर ने कोर्ट को बताया कि उन्हें सीसीटीवी खराब होने की जानकारी नहीं दी गई थी।

पीठ ने एसपी अभिजीत आर. शंकर से पूछा कि एसएचओ के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई। क्या उन्हें सस्पेंड किया गया या नौकरी से हटाया गया? एसपी ने इस पर कोर्ट से माफी मांगी। इस पर जस्टिस अतुल श्रीधरन ने कहा, "कोर्ट से माफी मत मांगिए। उन लोगों से माफी मांगिए।"

जस्टिस श्रीधरन ने कहा कि जिस थाना प्रभारी को सामान्य डायरी में जांच तक दर्ज करना नहीं आता, उसे सेवा में नहीं रहना चाहिए। ऐसा व्यक्ति सिपाही बनने के भी योग्य नहीं है।एसपी ने बताया कि थाना प्रभारी को अपराध शाखा भेज दिया गया है। हालांकि, कोर्ट इस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हुआ। कोर्ट ने पूछा कि अगर एसएचओ दोषी पाए गए थे, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

14 जिलों में बाढ़, 41 लाख लोग प्रभावित

सीतामढ़ी में लखनेई नदी में डायवर्सन बहा, बाइक सवार युवक गिरा; भागलपुर में यूनिवर्सिटी डूबी

पटना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाकों में अब पानी उतरने लगा है। हालांकि, राज्य के 14 जिलों की 517 पंचायतों में अभी भी बाढ़ की गंभीर स्थिति बनी हुई है। इससे करीब 41.45 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

पटना से मुंगेर तक गंगा का जलस्तर घटा है, जबकि भागलपुर के कहलगांव में जलस्तर 4 सेमी बढ़ा है। भागलपुर के तिलकामांझी यूनिवर्सिटी में गंगा का पानी घुस गया है। टीचर और छात्र नाव का सहारा ले रहे हैं। सीतामढ़ी में लखनदेई नदी का जलस्तर बढ़ने से डायवर्सन पानी में डूब गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कुछ युवक उफनती धारा में बाइक लेकर जाते और तेज बहाव में बाइक समेत गिरते दिख रहे हैं।

इधर, मौसम विभाग ने आज 9 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजधानी पटना में भी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, बारिश

का दौर 17 सितंबर तक जारी रह सकता है। बीते 24 घंटे में पूर्णिया और अररिया में बारिश हुई। अररिया में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, प्रदेश में इस मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 35% कम बारिश हुई है।

समस्तीपुर के विद्यापतिनगर प्लस टू हाईस्कूल में बेगूसराय और समस्तीपुर के बाढ़ पीड़ित खाना खाने को लेकर आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग लाठी-डंडे लेकर एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान दोनों पक्ष एक-दूसरे को अपशब्द कहते भी सुनाई दे रहे हैं।

दरअसल, समस्तीपुर के विद्यापतिनगर प्लस टू हाईस्कूल में बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत कैंप लगाया गया है। यहां समस्तीपुर के मऊ बाजितपुर और आसपास के इलाकों के करीब 100 बाढ़ प्रभावितों को रखा गया है। वहीं, स्कूल से करीब 100 मीटर दूर बेगूसराय का बछवाड़ा इलाका है। वहां के भी करीब 100 बाढ़ प्रभावितों को इसी कैंप में रखा गया है। इस तरह स्कूल में दोनों जिलों के करीब 200 बाढ़ प्रभावित रह रहे हैं। स्कूल में रह रहे बाढ़ प्रभावितों ने बताया कि दोनों जिलों के लोगों के लिए अलग-अलग सामुदायिक रसोई की व्यवस्था की गई है। बुधवार को समस्तीपुर क्षेत्र के एक बाढ़ प्रभावित परिवार का बच्चा गलती से बेगूसराय के लिए लगाए गए सामुदायिक किचन में खाना खाने चला गया।

जब बेगूसराय के बाढ़ प्रभावितों को पता चला कि बच्चा समस्तीपुर क्षेत्र का है, तो उसके साथ मारपीट कर दी गई। बच्चे के साथ मारपीट की जानकारी मिलने के बाद उसके परिजन और अन्य लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने लाठी-डंडे लेकर बेगूसराय के बाढ़ प्रभावितों के साथ मारपीट शुरू कर दी। जवाब में बेगूसराय के बाढ़ प्रभावितों ने भी मारपीट की। हालांकि, कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग कर दिया।

होटल में मिला महिला का शव

इंदौर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के तिलक नगर थाना क्षेत्र स्थित एलएक्स होटल के कमरे में देर शाम 32 वर्षीय सोनाली शर्मा का शव मिला। वह सुबह पाइप व्यापारी दीपक खंडेलवाल के साथ होटल में रुकी थी। शाम को दीपक कमरे से बाहर निकल गया था। इसके बाद होटल स्टाफ ने कमरे में कोई हलचल नहीं होने पर पुलिस को सूचना दी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया है। तिलक नगर पुलिस के मुताबिक, मृतका की पहचान सुंदर नगर मेन, सुखलिया निवासी 32 वर्षीय सोनाली शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस को वह बिस्तर पर मृत मिली। उसके मुंह से झाग निकल रहा था, जिससे जहर खाने से मौत की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक सोनाली सुबह पाइप कारोबारी दीपक खंडेलवाल के साथ होटल पहुंची थी। दोनों ने कमरा किराए पर लिया था। शाम को दीपक वहां से निकल गया था। इसके बाद स्टाफ ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई हलचल नहीं हुई। पुलिस के अनुसार सोनाली अपने पति से अलग रहती थी। उसकी दो बेटियां हैं। टीआई मनीष लोधा ने होटल के सीसीटीवी फुटेज जब्त किए हैं। पुलिस फुटेज की जांच कर रही है।

कांग्रेस का कहना है कि जनगणना 2027 'पूरी तरह से विकृत' है

पार्टी ने इसके मकसद और प्रस्तावित डेटा कलेक्शन पर सवाल उठाए

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को आरोप लगाया कि जनगणना 2027 की प्रक्रिया पूरी तरह से विकृत हो गई है। पार्टी ने सरकार के मकसद पर सवाल उठाए और जनसंख्या गिनती के लिए प्रस्तावित कई सवालों को लेकर चिंता जताई। कांग्रेस के कम्युनिकेशन इंचार्ज और महासचिव जयराम रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट के जवाब में ये बातें कहीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि चुनाव वाले चार राज्यों में जनगणना 2027 के जनसंख्या गिनती के चरण को पहले करने और जनगणना की प्रश्नावली में कई नए सवाल शामिल करने के सरकार के फैसले से कुछ पूर्व जनगणना अधिकारियों के बीच चिंता पैदा हो गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व अधिकारियों ने इकट्ठा किए जाने वाले डेटा की क्वालिटी पर सवाल उठाए और जनगणना, नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर (एनपीआर) और अंततः नेशनल

रजिस्टर ऑफ़ सिटिज़न्स (एनआरसी) के बीच संभावित संबंधों को लेकर चिंता जताई। 'एक्स' पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा, जनगणना 2027 पूरी तरह से विकृत हो गई है। उन्होंने कहा, इसका मकसद बहुत संदिग्ध है और कंटेंट कभी-कभी बेकार (जैसे जाति वाला सवाल) होता है, कभी-कभी गैर-ज़रूरी होता है क्योंकि डेटा सेट पहले से मौजूद हैं (जैसे टीकाकरण), और कभी-कभी खतरनाक होता है (जैसे किसी व्यक्ति के माता-पिता के नाम, धर्म, जन्म स्थान आदि की जानकारी)।

पार्टी ने इस कदम को बहुत गंभीर खामी बताया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि जाति जनगणना की प्रक्रिया फेल हो जाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि जाति जनगणना उस तरीके से की जाए जिसे पार्टी ने सही तरीका बताया है। 20 अगस्त के अपने पत्र में, खड़गे और गांधी ने जाति जनगणना कराने की मौजूदा प्रक्रिया पर आपत्ति जताई थी और इस प्रक्रिया में बदलाव की पार्टी की मुख्य मांग को दोहराया था।

100 दिन तो सिर्फ शुरुआत है

विकास की यात्रा अभी शुरू हुई है: सीएम शिवकुमार

बेंगलुरु, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर 100 दिन पूरे होना सिर्फ उनकी सरकार की यात्रा की शुरुआत है। सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और राज्य के समग्र विकास में तेजी लाने के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री बनने के 100 दिन पूरे होने पर जारी बयान में सीएम शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार ने इस दौरान कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने और कर्नाटक के विकास को तेज करने के दृढ़ संकल्प के साथ काम किया है। सीएम शिवकुमार ने कहा, 100 दिन, तो सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने आने वाले दिनों के लिए सरकार का विजन भी बताया उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस विकास, रोजगार, तकनीक, बुनियादी ढांचे, शिक्षा, कृषि और लोगों के जीवन स्तर में सुधार को प्राथमिकता देकर कर्नाटक को और ऊंचाइयों पर ले जाना होगा।

उन्होंने लोगों से राज्य के विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया और कहा, आइए हम सब मिलकर उस दिशा में आगे बढ़ें। जनसमर्थन के महत्व का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की ताकत लोगों के भरोसे में है और उनकी आकांक्षाएं ही सरकार के प्रयासों का मार्गदर्शन करती रहेंगी। उन्होंने कहा, लोगों का भरोसा हमारी ताकत है। लोगों की आकांक्षाएं हमारा रास्ता हैं। कर्नाटक की प्रगति हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सरकार एक मजबूत कर्नाटक बनाने और सभी क्षेत्रों में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए प्रयास जारी रखेगी। 100 दिन पूरे होने पर कर्नाटक सरकार ने 'एक मजबूत कर्नाटक के लिए संकल्प' और 'शत पथ - प्रगति पथ' कार्यक्रम का आयोजन किया है।

बागवानों की उम्मीदों पर मौसम की मार शिमला में आधी रह गई सेब की आवक

शिमला, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जिला शिमला में इस साल मौसम की मार से सेब उत्पादन पर बड़ा असर पड़ा है। पिछले साल के मुकाबले जिला शिमला में इस बार सेब उत्पादन लगभग आधा रह गया है। जिले के कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सेब सीजन अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसके साथ ही जिले में सेब उत्पादन को लेकर भी स्थिति साफ हो गई है। कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) शिमला-किन्नौर के आंकड़ों के अनुसार जिले में अभी तक एपीएमसी के यार्ड और यार्ड के बाहर 51,03, 490 बॉक्स सेब मंडियों में पहुंचे हैं। इनमें 26,16,680 एपीएमसी के बाजार यार्ड में और 24,86,810 की खरीद यार्ड के बाहर पहुंचे हैं। पिछले वर्ष 7 सितंबर तक 93,71,496 बॉक्स मंडियों में पहुंच चुके थे। इस तरह पिछले साल के मुकाबले इस बार 42,68,006 बॉक्स कम पहुंचे हैं। सेब की आपूर्ति में लगभग 45.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

एपीएमसी के अनुसार शिमला-किन्नौर के तहत आठ मंडियां आती हैं। इनमें भट्टाकुफर, रोहड़ू, नेरवा, खड़ापत्थर, पराला, मेहंदली, शिलारू, अन्नू और टापरी शामिल हैं। एपीएमसी के अधिकारियों के अनुसार इस बार बीते वर्ष के मुकाबले सेब की आपूर्ति काफी कम है। अधिकारियों के अनुसार जिले में कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सीजन अंतिम चरण पर पहुंच चुका है। कम और मध्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगभग खत्म होने के कगार पर है। जिले में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सीजन अभी चल रहा है। वर्ष 2024-25 जिला शिमला में 1,40,62,300 पेटियों का उत्पादन हुआ था। विभाग के अनुसार सेब पर इस बार मौसम की बड़ी मार पड़ी है। मौसम के कारण उत्पादन कम हुआ है।

चुनाव आयोग ने किया ममता बनर्जी और रितब्रत को तलब किसकी होगी टीएमसी, कल हो सकता है फैसला

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग ने विभाजित तृणमूल कांग्रेस को तलब किया है। निर्वाचन आयोग ने ममता बनर्जी समर्थक और रितब्रत बनर्जी समर्थक तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों को एक ही दिन तलब किया है। राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों को 12 सितंबर को दिल्ली बुलाया है, ताकि नंदीग्राम और रेजिनगर में होने वाले उपचुनावों से पहले यह तय किया जा सके कि तृणमूल कांग्रेस का दोहरा पुष्प चिन्ह किसे मिलेगा। नंदीग्राम और रेजिनगर में उपचुनाव 6 अक्टूबर को होंगे। इन दोनों सीटों पर कौन सी पार्टी उम्मीदवार उतारेगी, इस पर काफी चर्चा हो रही है। तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार कौन होगा, इस पर असमंजस बना हुआ है। इसी बीच, चुनाव आयोग ने दोनों पार्टियों को तलब किया है, ताकि यह तय किया जा सके कि तृणमूल कांग्रेस का दो फूल चिन्ह किसे मिलेगा। ममता बनर्जी और रितब्रत बनर्जी, दोनों खेमों को पत्र भेजे जा चुके हैं।

रितब्रत के समर्थकों को 12 सितंबर को सुबह 11 बजे दिल्ली आने के लिए कहा गया है। वहीं, ममता बनर्जी के खेमे को उसी दिन दोपहर 12 बजे का समय दिया गया है। दोनों खेमों से पांच-पांच प्रतिनिधि उपस्थित हो सकते हैं। चुनाव आयोग की यह घोषणा बेहद अहम मानी जा रही है। अगर रितब्रता समर्थकों को बहुमत से जोराफुल का चुनाव चिन्ह मिल जाता है, तो दूसरा विकल्प यह होगा कि ममता बनर्जी के खेमे को कौन सा चुनाव चिन्ह दिया जाएगा।

शुभेंदु अधिकारी ने भगवा कपड़े पहन थामा भगवा झंड़ा

जादवपुर यूनिवर्सिटी के पास का निकाला गेरुआ सम्मान यात्रा

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दक्षिण कोलकाता में 'गेरुआ सम्मान यात्रा' का नेतृत्व किया। करीब 3 किलोमीटर लंबे इस जुलूस में बड़ी संख्या में बीजेपी समर्थकों के साथ साधु-संत भी शामिल हुए। यात्रा गोलपार्क से शुरू होकर जादवपुर यूनिवर्सिटी के बाहर 8बी बस स्टैंड पर समाप्त हुई। भगवा कपड़े और भगवा झंडा लेकर मार्च की अगुवाई कर रहे अधिकारी के साथ समर्थकों ने 'जय श्री राम' के नारे लगाए। यूनिवर्सिटी कैंपस के बाहर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जादवपुर यूनिवर्सिटी में 'कश्मीर आजादी चाहता है' जैसे नारे लगाने वाली ताकतों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा।

अधिकारी ने कहा कि यह मार्च भगवा रंग की गरिमा और उससे जुड़े मूल्यों की रक्षा के लिए आयोजित किया गया है। बीजेपी नेता के मुताबिक, यात्रा का उद्देश्य भगवा रंग को बदनाम करने की कोशिशों का विरोध करना और उसके सांस्कृतिक एवं वैचारिक महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। यह मार्च ऐसे समय हुआ है जब जादवपुर यूनिवर्सिटी कैंपस में राजनीतिक और वैचारिक टकराव तेज है। हाल के दिनों में वामपंथी छात्र संगठनों और आरएसएस से जुड़े एबीवीपी के बीच झड़पों के साथ दीवारों पर नारे लिखने और नारेबाजी को लेकर विवाद सामने आए हैं। शुभेंदु अधिकारी इससे पहले भी यूनिवर्सिटी कैंपस के बाहर एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उस कार्यक्रम में करीब 10 हजार लोगों ने 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गाया था। अब दो हफ्ते से भी कम समय बाद अधिकारी ने यूनिवर्सिटी के पास 'गेरुआ सम्मान यात्रा' निकालकर भगवा रंग की गरिमा बनाए रखने का संदेश दिया है।

18 से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया इस्तेमाल के लिए लेनी होगी माता–पिता की परमिशन?

एससी ने केंद्र को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक याचिका पर नोटिस जारी किया है। इस याचिका में 18 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल के दौरान सुरक्षा उपायों की मांग की गई है, जिसमें माता-पिता या कानूनी अभिभावक की अनिवार्य भागीदारी भी शामिल है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस नाम के एनजीओ की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि फेसबुक और स्नैपचैट जैसे प्लेटफॉर्म यूजर्स को 13 साल की उम्र से ही अकाउंट बनाने की इजाजत देते हैं, जबकि भारतीय कानून के तहत 18 साल से कम उम्र के लोगों को नाबालिग माना जाता है।

इसमें इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स, 2021 में बदलाव करने या खास गाइडलाइंस बनाने के लिए निर्देश मांगे गए हैं। इसका मकसद यह पक्का करना है कि कोई भी डिजिटल प्लेटफॉर्म माता-पिता या कानूनी अभिभावक की सहमति के बिना 18 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ कोई कॉन्ट्रैक्ट न करे और इसके लिए माता-पिता या अभिभावक की पहचान की पुष्टि या ई-केवाईसी जरूरी हो। इसमें ऐसी गाइडलाइंस की भी मांग की गई है जिनके तहत जब भी किसी नाबालिग को किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने की इजाजत दी जाए तो यह इस्तेमाल माता-पिता या कानूनी अभिभावक की भागीदारी वाली कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त प्रक्रिया के तहत हो।

इसमें माता-पिता या अभिभावक का वेरिफिकेशन/ई-केवाईसी भी शामिल हो, जो सर्विस की प्रकृति और जोखिम के हिसाब से हो। याचिका में कहा गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म तक बच्चों की आजाद पहुंच उन्हें कई तरह के जोखिमों में डालती है, जैसे कि ऑनलाइन ग्रूमिंग, यौन शोषण, तस्करी, व्यवहार की प्रोफाइलिंग, निजी डेटा का गलत इस्तेमाल, साइबर-बुलिंग और उम्र के हिसाब से सही न होने वाला कंटेंट।

'मुझे ट्रोल होने वाली पॉलिटिकल वाइफ न बनाएं' सीएम फडणवीस की पत्नी अमृता का बड़ा बयान

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नवरात्रि के पावन पर्व में गरबा आयोजनों के बीच विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने मुसलमानों की एंट्री पर रोक की मांग की थी, जिससे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने असहमति जताई थी। अब इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है। लगातार पक्ष और विरोध में नेताओं के बयान के बीच जब अमृता फडणवीस से प्रिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने बड़ा बयान दिया। अमृता फडणवीस ने कहा कि हिंदू धर्म के त्योहार बड़े ही सुंदर और विश्व प्रसिद्ध हैं।

इनके बारे में जानने की या त्योहारों में शामिल होने की इच्छा रखने वालों का स्वागत करना चाहिए। अमृता फडणवीस ने कहा, इस मुद्दे पर आप मुझे सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाली पॉलिटिकल वाइफ बना रहे हो।

फिर भी मैं यह कहना चाहूंगी कि मैं पॉलिटिकल नहीं हूं। एक सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक होने के नाते मैं अपने विचार रख सकती हूं और यह मानती हूं कि गरबा हो, नवरात्रि हो या हमारे और भी सुंदर और विश्वप्रसिद्ध त्योहारों में आस्था और श्रद्धा से जो भी आना चाहे, उसका स्वागत है। इसमें जाति या धर्म का भेद नहीं होना चाहिए। अमृता फडणवीस ने यह भी कहा, दूसरी बात यह है कि अगर हमें अपने धर्म का प्रचार करना है, उसे आगे बढ़ाना है तो हमें पूरी दुनिया को इसमें शामिल होने देना होगा। दूसरे धर्म के लोगों को हमारे धर्म की परंपराओं से रूबरू कराने का यह बहुत अच्छा तरीका है।

जानकारी के लिए बता दें कि मुसलमानों की एंट्री बैन का मुद्दा तब शुरू हुआ जब हाल ही में वीएचपी की ओर से यह मांग की गई कि गरबा आयोजनों में गैर-हिंदू समुदाय के लोगों को आने से रोका जाए। इसका समर्थन बीजेपी के मंत्री नितेश राणे ने भी किया था। इस बीच सीएम फडणवीस की पत्नी का बयान बीजेपी से जुड़े दो लोगों के बीच असहमति की चर्चा लेकर आया।

4 साल तक दुकान में काम किया, फिर 4 किलो सोना चुराकर फरार; दो अरेस्ट

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुम्बई से सटे मीरा-भाईंदर में ज्वेलर्स की दुकान से करीब 4 किलो 300 ग्राम सोना चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने राजस्थान से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस वारदात का मास्टरमाइंड कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि उसी ज्वेलरी शॉप में करीब चार साल से कर्मचारी के तौर पर काम कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने दुकान में काम करने के दौरान चोरी की पूरी योजना तैयार की और मौका मिलते ही करीब 4 किलो 300 ग्राम सोना लेकर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने शगुन ज्वेलर्स से बड़ी मात्रा में सोना चोरी किया और वारदात के बाद राजस्थान भाग गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। टीम ने दुकान और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के अलावा आरोपी के संभावित रूट पर लगे कैमरों की फुटेज भी खंगाली। पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने के लिए 300 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालनी पड़ी। पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश के लिए लगातार रेकी की और उसके संभावित ठिकानों पर नजर रखी।

तकनीकी जांच से मिली जानकारी को सीसीटीवी फुटेज से मिलाया गया। कई जगहों से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस राजस्थान तक पहुंची और वहां कार्रवाई करते हुए दो प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस पूरे मामले की जानकारी डीसीपी राहुल चौहान ने दी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान वारदात में कुल चार आरोपियों की भूमिका सामने आई है। इनमें से दो प्रमुख आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश और उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि चोरी की साजिश में कौन-कौन लोग शामिल थे और वारदात के बाद चोरी किए गए सोने को कहां और किसके जरिए ठिकाने लगाने की योजना थी। पुलिस फरार आरोपियों के संभावित ठिकानों पर भी दबिश दे रही है। साथ ही चोरी के माल की बरामदगी और पूरे नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच जारी है।

पत्नी की हत्या, 2 साल के बेटे को नाले में डुबाकर मारा, 10 साल बाद पति को उम्रकैद

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में एक पिता की ऐसी करतूत सामने आई है, जिसने रिश्तों को शर्मसार कर दिया। पत्नी के चरित्र पर शक के चलते पहले उसकी हत्या की और फिर अपने ही करीब ढाई साल के मासूम बेटे को नाले में डुबोकर मार डाला। इतना ही नहीं, वारदात छिपाने के लिए आरोपी ने पत्नी और बेटे के लापता होने की झूठी कहानी भी गढ़ दी। करीब 10 साल तक चली सुनवाई के बाद मुंबई की दिंडोशी सेशंस कोर्ट ने आरोपी पिता लक्ष्मण लिंगप्पा गोराला उर्फ कोटाकुर्वा उर्फ धनगर को हत्या और सबूत मिटाने के मामले में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

अदालत ने यह फैसला सुनाया। आरोपी 30 अगस्त 2016 से जेल में बंद है। मामला 6 अगस्त 2016 का है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, उस शाम आरोपी लक्ष्मण और उसकी दूसरी पत्नी पार्वती के बीच उसके कथित अवैध संबंधों को लेकर विवाद हुआ था। पत्नी ने आरोपों से इनकार किया, लेकिन विवाद बढ़ गया। आरोप है कि गुस्से में लक्ष्मण ने पत्नी के साथ मारपीट की और फिर उसका गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद वह पत्नी के शव को घर से बाहर ले गया और उसे ठिकाने लगा दिया।

पूर्व मंत्री चुन्नी लाल भगत के निधन पर नेताओं ने दुख जताया

जालंधर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री चुन्नी लाल भगत का गुरुवार को निधन हो गया है। उनके निधन पर विभिन्न दलों के नेताओं ने दुख व्यक्त किया। पंजाब सरकार के मंत्री और चुन्नीलाल भगत के बेटे मोहिंदर भगत ने दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, बहुत दुखद खबर, मेरे पिता पूर्व कैबिनेट मंत्री चुन्नी लाल भगत अब हमारे बीच नहीं रहे हम उनके निधन से बहुत दुखी हैं। उनका जाना हमारे लिए एक ऐसी क्षति है जो कभी पूरी नहीं हो सकती।

उनका अंतिम संस्कार 10 सितंबर को शाम 5:00 बजे हुआ। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, पंजाब के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता चुन्नी लाल भगत के निधन से गहरा दुख हुआ है। पंजाब के लिए उनकी लंबी जनसेवा और योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

उनके बेटे मोहिंदर भगत और शोक-संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। गुरु साहिब दिवंगत आत्मा को अनंत शांति प्रदान करें। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, आम आदमी पार्टी के साथी एवं पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत के पिता चुन्नी लाल भगत के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और मोहिंदर भगत सहित पूरे परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, पंजाब की राजनीति के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री चुन्नी लाल भगत के निधन की दुखद खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है।

उन्होंने अपने जीवनकाल में पंजाब के लोगों की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जाना न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पंजाब की राजनीति के लिए भी एक बड़ी क्षति है। दुख की इस घड़ी में, मैं उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

नितिन नवीन ने राहुल गांधी को 'मियां' कहकर पुकारा

बोले- 'वह विदेशी संस्कृति में पले और बढ़े'

हल्द्वानी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। वंदे मातरम् को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। वंदे मातरम् को लेकर हो रहे विवाद के मुद्दे पर नितिन नवीन ने राहुल गांधी को 'मियां' कह दिया है। नितिन नवीन ने कहा है कि राहुल मियां देश (भारत) की संस्कृति को नहीं समझते क्योंकि वो विदेशी संस्कृति में पले बढ़े हैं। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा- इस देश में ऐसे भी दल के लोग हैं जो वंदे मातरम् कहने में भी शर्मिंदगी महसूस करते हैं। मैं राहुल मियां से कहता हूं, मित्रों कि राहुल जी आप वंदे मातरम् का महत्व समझ ही नहीं सकते। क्योंकि आपने कहीं ना कहीं भारतीय संस्कृति के महत्व को ही नहीं समझा। आप तो विदेशी संस्कृति में पले और बढ़े हैं। जिस वंदे मातरम् की गूंज से हजारों लाखों बलिदानियों ने अपना बलिदान दिया, इस देश की मिट्टी के लिए, देश की आजादी के लिए। उस वंदे मातरम् का पूरा गान करने से आपकी माताश्री और आपकी पार्टी अपमानित महसूस करती है। इस कांग्रेस को तो निश्चित रूप से हमें समाप्त कर देना चाहिए मित्रों। आपको बता दें कि हाल ही में संसद से वंदे मातरम् बिल पास हुआ था। इस बिल के अनुसार, वंदे मातरम् के सभी 6 अंतरे गाना अनिवार्य कर दिया गया है।

बीते 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन लाल किले पर भी वंदे मातरम् का गायन हुआ था। हालांकि, कांग्रेस ने ऐलान किया था कि वे राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 6 पैरा में से सिर्फ दो पैरा गाएंगे। कांग्रेस के नेता पूरा वंदे मातरम नहीं गाएंगे। दरअसल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन उत्तराखंड के दौरे पर हैं। बुधवार को उन्होंने हल्द्वानी में आयोजित प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में सहभागिता की। इस बैठक में पार्टी संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

नशे में धुत हेडमास्टर ने 35 बच्चों को स्कूल के अंदर बंद कर लगाया ताला, शिक्षा विभाग ने लिया एक्शन

भुवनेश्वर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले से एक सरकारी स्कूल के हेडमास्टर की बेहद गैर-जिम्मेदाराना और हैरान कर देने वाली करतूत सामने आई है। यहां एक हेडमास्टर ने शराब के नशे में धुत होकर स्कूल के मेन गेट पर ताला लगा दिया, जबकि अंदर कक्षा 1 से 5 तक के करीब 35 मासूम बच्चे मौजूद थे। बच्चों को भीतर बंद करने के बाद हेडमास्टर खुद सो गया। मामला डेराबिश ब्लॉक की कुरुजंगा ग्राम पंचायत स्थित अंबुरा गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल का है। आरोपी हेडमास्टर की पहचान सुनाकर नायक के रूप में हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक, इस प्राथमिक विद्यालय में कुल 35 छात्र पढ़ते हैं और दो शिक्षक तैनात हैं। घटना के दिन दूसरा शिक्षक छुट्टी पर था, जिसके चलते पूरे स्कूल और बच्चों की जिम्मेदारी अकेले हेडमास्टर सुनाकर नायक पर ही थी। आरोप है कि ड्यूटी के दौरान ही हेडमास्टर ने कथित तौर पर शराब पी और खाना खाया। इसके बाद उसने स्कूल का मुख्य गेट बाहर से बंद कर ताला जड़ दिया और गहरी नींद में सो गया। बच्चों की रोने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और अभिभावक तुरंत स्कूल पहुंचे। ग्रामीणों ने फौरन गेट का ताला खोलकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

ट्रम्प बोले-मिडटर्म चुनाव जीता तो हर वोटर को 5 लाख

इस पर 128 लाख करोड़ खर्च करने होंगे यह पाकिस्तान की इकोनॉमी का 3 .3 गुना

वॉशिंगटन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि नवंबर के मिडटर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में बहुमत बरकरार रखती है, तो हर बालिग अमेरिकी को 5000 डॉलर (करीब 4.76 लाख रुपए) दिए जाएंगे।

डलास में रिपब्लिकन कन्वेंशन में ट्रम्प ने कहा, 'अगर रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट दोनों में जीतते हैं तो आपको 5000 डॉलर मिलेंगे।' उन्होंने इसे 'ट्रम्प डिविडेंड' नाम दिया और कहा कि यह अमेरिका की 'आर्थिक ताकत और सफलता' की वजह से दिया जाएगा। ट्रम्प ने ये भी कहा कि डिविडेंड की रकम अमेरिका में ही खर्च करनी होगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा, भुगतान का दायरा क्या होगा और रकम किस तरह बांटी जाएगी।

अमेरिका में करीब 26.98 करोड़ वयस्क हैं। अगर सभी को 5,000 डॉलर दिए जाएं तो कुल खर्च करीब 1.35 ट्रिलियन डॉलर यानी 128.25 लाख करोड़ रुपए होगा। यह रकम दुनिया के करीब 162 देशों की इकॉनॉमी से ज्यादा है।

विश्व बैंक के 2025 के आंकड़े के मुताबिक इससे ज्यादा सिर्फ 19 देशों की जीडीपी है। यहां तक की यह पाकिस्तान की पूरी अर्थव्यवस्था से करीब 3.3 गुना ज्यादा है। पाकिस्तान की जीडीपी करीब 407.3 अरब डॉलर यानी 38.69 लाख करोड़ रुपये है।

हर बालिग अमेरिकी को 5,000 डॉलर देने की योजना पर सरकार को 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इसे लागू करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी।

यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है, जब अमेरिका का सालाना बजट घाटा करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर है। इतनी बड़ी रकम बांटने से सरकारी घाटे और महंगाई को लेकर चिंता बढ़ सकती है।

उपराष्ट्रपति वेंस बोले- अमीरों को नहीं मिलेगा पैसा

ट्रम्प के ऐलान के करीब एक घंटे बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि डिविडेंड का लाभ अमीर लोगों को नहीं मिलेगा।

वेंस ने बताया कि इस भुगतान के लिए सरकार को मिलने वाले टैरिफ राजस्व का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, टैरिफ से मिलने वाली रकम 5,000 डॉलर प्रति बालिग के भुगतान की अनुमानित लागत से काफी कम है।

ट्रम्प इससे पहले भी अमेरिकी नागरिकों को सीधे पैसा देने की बात कर चुके हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने 2,000 डॉलर के डिविडेंड का प्रस्ताव रखा था। उस समय उन्होंने कहा था कि इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी नहीं होगी।

पिछले साल ट्रम्प ने अमेरिकी सैनिकों को 1776 डॉलर का भुगतान किया था, जिसे उन्होंने 'वॉरियर डिविडेंड' कहा था।

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव राष्ट्रपति चुनाव के दो साल बाद होते हैं। इसमें प्रतिनिधि सभा की सभी सीटों और सीनेट की करीब एक-तिहाई सीटों के लिए चुनाव होता है। रिपब्लिकन इस बार प्रतिनिधि सभा में अपने बेहद मामूली बहुमत को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सीनेट में भी पार्टी को चुनौती मिल रही है।

भारत ने नेपाल के लिए 8वीं राहत खेप भेजी

35 टन राहत सामग्री काठमांडू पहुंची बाढ़ में अब तक 1367 शव बरामद

काठमांडू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद भारत ने 35 टन राहत और बचाव सामग्री की 8वीं खेप भेजी। भारतीय वायुसेना का विमान बुधवार को काठमांडू पहुंचा। इसके साथ भारत अब तक 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री भेज चुका है।

खेप में टेंट, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप, दवाएं और रेस्क्यू उपकरण शामिल हैं। भारत ने राहत अभियान 26 अगस्त को शुरू किया था। नेपाल पुलिस के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक 1367 शव बरामद हुए हैं। 102 शवों की पहचान हो चुकी है। पहचान के लिए डीएनए सैंपल जुटाए जा रहे हैं और भारत समेत कई देशों के फोरेंसिक विशेषज्ञ मदद कर रहे हैं।

नॉर्वे पीएम बोले-जेलेंस्की का प्लेन ड्रोन हमले से बाल-बाल बचा

मोल्दोवा से उड़ान भरते वक्त घटना, नॉर्वे किंग के अंतिम संस्कार में जा रहे थे

ओस्लो/कीव, 10 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का प्लेन मंगलवार को मोल्दोवा से उड़ान भरते समय ड्रोन हमले की चपेट में आने से बच गया। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे ने बुधवार को सरकारी टीवी से बातचीत में यह दावा किया।

स्टोरे के मुताबिक जेलेंस्की का प्लेन मोल्दोवा से उड़ान भरने ही वाला था, तभी ड्रोन उसके करीब आ गया। हालांकि, उन्होंने ड्रोन की दूरी और जानकारी के स्रोत का खुलासा नहीं किया।

जेलेंस्की नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ओस्लो जा रहे थे। ड्रोन अलर्ट के कारण उनकी उड़ान में देरी हुई।

बाद में मोल्दोवा के अधिकारियों ने देश में एक रूसी ड्रोन के गिरने की पुष्टि की और जेलेंस्की के विमान को उड़ान भरने की मंजूरी दी।

जेलेंस्की का मोल्दोवा के विमान चिशिनाउ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़ा था। ड्रोन की चेतावनी मिलने के बाद एयरस्पेस

बंद कर दिया गया था। बाद में ड्रोन एयरपोर्ट से करीब 160 किलोमीटर दूर गिरकर नष्ट हो गया।

मोल्दोवा की ओर से ड्रोन को रूसी बताया गया है। हालांकि, यह साफ नहीं किया गया है कि ड्रोन को जानबूझकर जेलेंस्की के विमान को निशाना बनाने के लिए भेजा गया था या वह किसी दूसरे टारगेट की ओर जा रहा था।

अमेरिका में मोल्दोवा के राजदूत वलादिस्लाव कुलमिन्स्की ने सीएनएन से बातचीत में कहा कि ड्रोन के गलती से मोल्दोवा में घुसने की संभावना कम है। जेलेंस्की का विमान एयरपोर्ट पर खड़ा हो और उसी समय एक जेट-प्रोपेल्ड ड्रोन मोल्दोवा में प्रवेश करे, इसे महज संयोग मानना मुश्किल है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या ड्रोन को जेलेंस्की के विमान को निशाना बनाने के लिए भेजा गया था, तो कुलमिन्स्की ने कहा कि मामले की जांच जारी है। अभी इस बारे में कुछ कहना जल्दबाजी होगी। मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया संदू ने ड्रोन के देश में घुसने की घटना को लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने यूक्रेन की सीमा से लगे एक बॉर्डर क्रॉसिंग पर हुए रूसी ड्रोन हमले की भी निंदा की। मंगलवार को हुए इस हमले में दो लोगों की मौत हुई थी।

बांग्लादेश सेना का चीनी टैंक फायरिंग अभ्यास में फटा

2 सैनिकों की मौत, एक अधिकारी गंभीर, हादसे की वजह अभी साफ नहीं

ढाका, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के चटगांव में बुधवार को सेना के फायरिंग अभ्यास के दौरान चीन में बना टाइप 59 टैंक फट गया। हादसे में टैंक के अंदर मौजूद दो सैनिकों की मौत हो गई। एक सैन्य अधिकारी गंभीर रूप से घायल है।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट (आईएसपीआर) के मुताबिक, सैनिक टैंक से फायरिंग कर रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई।

घायल अधिकारी को बेहतर इलाज के लिए ढाका के कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (सीएमएच) ले जाया जा रहा है। हादसे की वजह अभी तक साफ नहीं है।

चीन में बने इस टैंक का इस्तेमाल पाकिस्तान भी करता है

हादसे में शामिल टैंक चीन में बना टाइप-59 है, जिसका इस्तेमाल बांग्लादेश की सेना करती है। टाइप-59 चीन में बना एक पुराना मुख्य युद्धक टैंक है। इसे चीन का पहला ऐसा टैंक भी माना जाता है, जिसे बड़ी संख्या में बनाया गया था। चीन के अलावा पाकिस्तान, ईरान, उत्तर कोरिया जैसे कई देशों की सेनाओं ने इसका इस्तेमाल किया है। इनमें बांग्लादेश भी शामिल है।

टाइप-59 सैन्य टैंक काफी पुराना है, लेकिन समय के साथ इसके कई नए वर्जन और अपग्रेड तैयार किए गए। इनमें ज्यादा बेहतर तोप, फायर-कंट्रोल सिस्टम, रात में देखने की सुविधा और टैंक की सुरक्षा बढ़ाने वाले उपकरण जोड़े गए।

बांग्लादेश ने भी अपने पुराने टी-59 टैंकों को अपग्रेड किया है। द डेली स्टार ने 2015 में रिपोर्ट किया था कि बांग्लादेश अपनी सेना के करीब 174 टी-59 टैंकों को अपग्रेड करने की योजना पर काम कर रहा था।

दुनिया में सबसे खतरे में पड़ी नस्ल की बाघिन ने दिया 3 शावकों को जन्म

खुशी की लहर, बचाने की जगी उम्मीद

एथेंस, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ग्रीस की राजधानी एथेंस के पास एटिका जूलॉजिकल पार्क में बाघिन के तीन बच्चों को जन्म देने पर दुनिया भर के वन्य जीव प्रेमियों में खुशी की लहर है। तीनों शावक सुमात्रा के बाघ की नस्ल के हैं, जिसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों में शामिल किया गया है। शावकों के जन्म के बाद इस प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिए उम्मीद जगी है। ग्रीस में इनका जन्म एक मिली-जुली इंटरनेशनल ब्रीडिंग पहल का हिस्सा है।

ग्रीस की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तीनों शावक जुलाई की शुरुआत में पैदा हुए थे। इनमें दो नर और एक मादा है। मंगलवार को जू के वेटरिनरी स्टाफ की उनकी पहली विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट जारी की है। 9 हफ्ते के इन शावकों का वजन किया गया और उन्हें स्टैंडर्ड 3-इन-1 वैक्सीन दी गई है। तीनों को

अंतरराष्ट्रीय पहचान वाली माइक्रोचिप लगाई गई है।

तीनों शावक बाघिन टोबा और पिता आर्गोस से पैदा हुए थे। दुख की बात रही है कि आर्गोस की हाल ही में कैंसर से मौत हो गई थी।

जू के अधिकारियों ने बताया कि शावकों के नाम प्राचीन ग्रीस के विख्यात कवि होमर की प्रसिद्ध रचना ओडिसी के पात्रों आधार पर रखे जाएंगे। सुमात्रा के बाघ 'पैंथेरा टाइग्रिस सुमात्रे' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति की श्रेणी में रखा गया है। बाघों की यह प्रजाति मुख्य रूप से इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर पाई जाती है। इनके विलुप्त होने का मुख्य कारण पॉम ऑयल के बागानों के लिए बड़े पैमाने पर वनों की कटाई और अवैध शिकार है। विशेषज्ञों का अनुमान है वर्तमान में सुमात्रा के जंगलों में 400 से भी कम बाघ बचे हैं।

सुमात्रा के बाघ को बाघों की सभी जीवित प्रजातियों में सबसे छोटे होते हैं। वयस्क होने पर नर बाघ 8.4 फीट (2.25 मीटर) तक लंबे और 140 किलोग्राम से ज्यादा वजन वाले हो सकते हैं। ये अपनी फुर्ती, तैरने की क्षमता और शरीर पर बनी खास पतली धारियों के लिए जाने जाते हैं। ये धारियां हर बाघ के लिए अलग फिंगरप्रिंट की तरह होती हैं।

भारतीय बाघ के मुकाबले इनका आकार छोटा होता है। भारत में पाए जाने वाला बंगाल टाइगर का नर वयस्क होने पर 2.83 मीटर से 3.11 मीटर तक लंबा हो सकता है। वहीं, मादा 2.55 मीटर से 2.85 मीटर तक हो सकती है। वयस्क भारतीय नर बाघ का वजन 200-260 किग्रा जबकि मादा का 110-180 किग्रा तक हो सकता है।

2 साल की भतीजी को जलते चूल्हे में डाला, मौत

भाभी को लेकर भागा देवर, लौटने के बाद विवाद में जिंदा जलाया

बिलासपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पारिवारिक विवाद के दौरान चाचा ने अपनी 2 साल की भतीजी को जलते लकड़ी के चूल्हे में बैठा दिया। बच्ची गंभीर रूप से झुलस गई और बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दरअसल, देवर अपनी भाभी को लेकर भाग गया था। बाद में लौटने के बाद दोनों के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान देवर ने गुस्से में भतीजी को जलते चूल्हे में डाल दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना कोनी थाना क्षेत्र की है।

आरोपी का नाम नितिन कुमार लोनिया है। वह घुटकू गांव का रहने वाला है।

नितिन का अपनी भाभी अंकिता से अफेयर था। अंकिता अपने पति और दो साल की बेटी परमेश्वरी के साथ रहती थी।

इस्लामिक नाटो पर पलटी मार रहा पाकिस्तान?

नए देशों को शामिल करने की बात से पीछे हटा, बताया रक्षात्मक

इस्लामाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने मक्का डिफेंस पैक्ट पर कहा है कि ये रक्षात्मक सैन्य समझौता है। पाकिस्तान ने हाल-फिलहाल में इस समझौते में कुछ और देशों के शामिल होने की संभावना से भी इनकार किया है। इससे पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने मक्का समझौते को समान विचारधारा वाले देशों के लिए खुला होने की बात कही थी। अब पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय इस पर पलटता दिख रहा है। मक्का समझौते पर 7 अगस्त को पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब ने दस्तखत किए थे। यह समझौता एक देश पर अटैक को तीनों मुमालिक पर हमला मानता है। ऐसे में इसे इस्लामिक नाटो भी कहा जा रहा है। पाकिस्तानी

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने गुरुवार को कहा, 'पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुआ मक्का डिफेंस अलायंस का मकसद पूरी तरह से रक्षात्मक है। हम यह भी साफ करना चाहते हैं कि फिलहाल इस समझौते के विस्तार की कोई योजना नहीं है। इस पर भविष्य में चीजें साफ होंगी।'

सज्जाद ने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की को पहले अपने संगठन और सहयोग को मजबूत करना होगा। संगठन के मजबूत होने के बाद यह समझौता उन सभी देशों के लिए खुल सकता है, जिनकी सोच और नजरिए एक जैसे हैं। हालांकि इस पर अभी कुछ कहना बहुत जल्दीबाजी होगी।

पाकिस्तानी प्रवक्ता ने बताया कि तीनों सदस्य देश इस ढांचे के तहत अलग-अलग स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। समझौते के विस्तार पर बाद में फैसला लेंगे। इस समय मक्का समझौते के विस्तार पर बातचीत नहीं हो रही है। भविष्य में इस पर जानकारी दी जाएगी। अभी आने वाली बैठकों के समय के बारे में भी पता नहीं है। सज्जाद ने कहा, 'समझौता अभी शुरुआती दौर में है। इसके ढांचे, प्रक्रियाओं और अन्य मामलों पर विस्तार से बातचीत होनी है। संगठन के ढांचे, कामकाज के तरीकों और प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देने के लिए अभी काफी काम बाकी है। भविष्य में होने वाली कोई भी प्रगति समय के साथ स्पष्ट हो जाएगी।'

मक्का समझौते पर 7 अगस्त को दस्तखत होने के बाद इसकी पहली बैठक 31 अगस्त को तुर्की के शहर इस्तांबुल में हुई थी। इस्तांबुल की बैठक में तय किया गया कि गठबंधन के कामकाज के लिए सऊदी अरब में सचिवालय बनाया जाएगा, जिसका प्रमुख सेक्रेटरी जनरल होगा।

मस्क पर डॉक्यूमेंट्री, पूर्व पत्नी-करीबियों के आरोप

सत्ता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, महिलाओं को बच्चे पैदा करने की मशीन मानते हैं

न्यूयॉर्क, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इलॉन मस्क पर बनी करीब 4 घंटे की डॉक्यूमेंट्री में उनकी पूर्व पत्नी और उनके साथ काम कर चुके लोगों ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। फिल्म में कहा गया है कि मस्क ताकत और अपना असर बढ़ाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

उनकी पहली पत्नी जस्टिन मस्क ने यह भी आरोप लगाया है कि मस्क महिलाओं को बच्चे पैदा करने वाली मशीन की तरह देखते हैं।

ऑस्कर और एमी अवॉर्ड जीत चुके फिल्ममेकर एलेक्स गिब्नी ने यह फिल्म बनाई है। इसका मंगलवार को वेनिस फिल्म फेस्टिवल में पहली बार प्रदर्शन हुआ। फिल्म में मस्क की पहली पत्नी जस्टिन मस्क, स्पेसX,

टेस्ला और X में काम कर चुके लोग और टेक्नोलॉजी पत्रकार नजर आते हैं। मस्क ने फिल्म के लिए इंटरव्यू नहीं दिया।

फिल्म की शुरुआत मस्क के शुरुआती दिनों से होती है। उस वक्त उनके कई टारगेट लोगों को अच्छे लगते थे। वह इलेक्ट्रिक कारों को बढ़ावा देना चाहते थे, ताकि प्रदूषण कम किया जा सके। स्पेसX के जरिए उनका सपना अंतरिक्ष यात्रा को सस्ता करना था। वह मंगल ग्रह पर इंसानों की बस्ती बसाने की भी बात करते थे। इन सपनों ने मस्क की ऐसी छवि बनाई कि वे सिर्फ कारोबार करने वाले व्यक्ति नहीं, बल्कि दुनिया का भविष्य बदलने की कोशिश करने वाले कारोबारी हैं।

फिल्ममेकर एलेक्स गिब्नी का कहना है कि समय के साथ मस्क की कंपनियां, संपत्ति और प्रभाव बढ़ता गया। इसके साथ उनके काम करने के तरीके में भी बदलाव आया। गिब्नी ने इसके लिए 'नोबल कॉज करप्शन' शब्द का इस्तेमाल किया है। इसका मतलब है- किसी अच्छे मकसद के नाम पर गलत काम करना। मस्क की पहली पत्नी जस्टिन विल्सन ने उनके महिलाओं को लेकर नजरिए पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि मस्क महिलाओं को बच्चे पैदा करने वाली मशीन की तरह देखते हैं। विल्सन के मुताबिक, मस्क मानते हैं कि एक महिला की जगह दूसरी महिला आसानी से ले सकती है। डॉक्यूमेंट्री में मस्क के रिश्तों और परिवार से जुड़े पहलुओं को भी शामिल किया गया है। फिल्म में मस्क की तकनीक और भविष्य को लेकर सोच का भी जिक्र है।

चीन के बंदरगाह पर कार्गो जहाज में लगी आग

20 लोगों की मौत, पांच लापता

बीजिंग, 10 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के एक बंदरगाह पर खड़े एक कार्गो जहाज में आग लगने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग लापता हैं। चीन की सरकारी मीडिया के हवाले से यह जानकारी दी।

जिस जहाज पर आग लगी है, वह लाइबेरिया के झंडे तले चलता है और उसका नाम 'ओशन मेलोडी' है। 'ओशन मेलोडी' जहाज पर कुल 42 लोग सवार थे। इनमें से 12 को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू कर लिया गया।

रिपेयर के लिए खड़ा था जहाज

हादसे के बाद चीन की सरकारी मीडिया ने बताया कि यह जहाज मरम्मत के लिए बंदरगाह पर खड़ा था। इसकी मरम्मत किंगदाओ बंदरगाह पर बेहाई शिप बिल्डिंग कंपनी द्वारा की जा रही थी। यह चीन के उत्तर-पूर्वी तट पर है।

मरियम नवाज गुपचुप कर रहीं बेटी महनूर की शादी

नवाज शरीफ के घर होगा निकाह, दूल्हे पर सस्पेंस

इस्लामाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की बेटी महनूर शनिवार को शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। महनूर की निकाह की रस्म जाति उमरा कस्बे में उनके पारिवारिक घर पर होगी। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया है कि देश के बड़े राजनीतिक परिवार ने इस कार्यक्रम को बहुत सीमित स्तर पर करने का फैसला लिया है। फिलहाल इसकी कोई सार्वजनिक जानकारी नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि बाद में मरियम नवाज की ओर से बड़े स्तर पर रिसेप्शन दिया जा सकता है।

डॉन ने शरीफ परिवार से जुड़े सूत्रों हवाले से बताया है कि महनूर

की शादी एक बड़े कारोबारी परिवार के लड़के से तय हुई है। हालांकि दूल्हे का नाम सामने ना आने की वजह से सस्पेंस बरकरार है। यह एक निजी पारिवारिक कार्यक्रम होगा, जिसमें करीबी रिश्तेदार और परिवार के सदस्य शामिल होंगे। शरीफ परिवार ने औपचारिक रिसेप्शन या शादी के अन्य कार्यक्रमों के बारे में जानकारी नहीं दी है।

महनूर पाकिस्तान में बहुत कम मौकों पर नजर आई हैं क्योंकि वह कई साल से विदेश में रहकर पढ़ाई कर रही हैं। बीते हफ्ते ही मरियम बेटी महनूर के ग्रेजुएशन समारोह में शामिल होने के लिए लंदन गई थीं। वह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बुधवार को लाहौर लौटी हैं। इसके तुरंत बाद ही महनूर की शादी की बात सामने आई है। मरियम नवाज के चीन बच्चे- बेटा जुनैद और बेटियां महनूर और मेहर-उन-निसा हैं। जुनैद सफदर ने इसी साल जनवरी में शादी की है। जुनैद की शादी की रस्में कई दिनों तक भव्य स्तर पर की गई थीं। इस दौरान महनूर की फोटो खूब वायरल हुई थी, जिसमें वह दीपिका पादुकोण जैसी सिल्वर कलर की साड़ी पहने दिखी थीं।

आपत्तिजनक फोटो वायरल करने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

बोकारो, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने साइबर अपराध के एक मामले में तीन महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर एक महिला की आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप है।

बालीडीह थाना पुलिस ने चंदनकियारी के बाभनडांगरा निवासी राजा बाबू दास को चास के धर्मशाला मोड़ से पकड़ा। पुलिस के अनुसार, आरोपी राजा बाबू दास और शिकायत करने वाली महिला पहले पति-पत्नी थे।

डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि बालीडीह थाना क्षेत्र के करहरिया गांव की रहने वाली एक महिला की शिकायत पर साइबर अपराध से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरोपी राजा बाबू दास का नाम सामने आया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बाद में दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद वह महिला को उसकी आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था। केस दर्ज होने के बाद से ही पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी। हालांकि, आरोपी अपना ठिकाना बदलकर करीब तीन महीने तक पुलिस को चकमा देता रहा। पुलिस उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी।

ऐसे करें भोलेनाथ का अभिषेक

जीवन में धन और यश की नहीं होगी कमी हर मुराद करेंगे पूरी

महाशिवरात्रि का दिन भगवान भोले को अतिप्रिय होता है। इस दिन पंचोपचार, दशोपचार और राजोपचार विधि से उनका पूजन किया जाता है। इसके अलावा इस दिन पर लोग भगवान शिव का रुद्राभिषेक भी करते हैं। इससे भगवान भोले अतिशीघ्र ही प्रसन्न हो जाते हैं और भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। शास्त्रों में भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए भी कई विधान बताए गए हैं। धार्मिक मान्यता है कि कुछ खास चीजों से भगवान शिव का अभिषेक करने से यश, कीर्ति, धन और वैभव की प्राप्ति भी होती है।

जल के अलावा इन चीजों से कराएं स्नान

भगवान शिव को जल की धारा अति प्रिय है। शिव पुराण में इसका उल्लेख भी है। जो व्यक्ति अपने सामर्थ्य के हिसाब से भगवान शिव का अभिषेक करता है, उसकी मनोकामनाएं जरूर भगवान शिव पूरी करते हैं। जल के अलावा दूध, गन्ने का रस, मधु, नारियल का जल और अलग-अलग फलों के रस से भी भगवान शिव का अभिषेक करने का विधान है।

मनोवांछित मनोकामनाएं होंगी पूरी

भगवान शिव का अभिषेक यदि गाय के दूध से किया जाए, तो इससे मनुष्य के मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। यानी व्यक्ति जिस भी कामना से भगवान शिव का अभिषेक करता है, वो जरूर पूरा होता है। भगवान शिव का अभिषेक यदि गंगा जल से किया जाए, तो इससे यश की वृद्धि होती है। यदि गंगा जल न हो, तो शुद्ध जल से भी भगवान शिव का अभिषेक किया जा सकता है।

खूब बरसेगा धन

भगवान भोले का अभिषेक गन्ने के रस से भी करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि जो भी व्यक्ति गन्ने के रस से भगवान का अभिषेक करता है, उस पर माता लक्ष्मी की कृपा भी बरसती है, यानी ऐसे जातकों पर धन की वर्षा होती है।

बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

जो व्यक्ति लंबे समय से बीमार है, उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और निरोग रहने के लिए फलों के रस से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। इससे मनुष्य जीवन के सभी संकट दूर होते हैं। यदि कोई नारियल के जल से भगवान का अभिषेक करता है, तो उसे यश और लक्ष्मी, दोनों की प्राप्ति होती है।

अमावस्या पर कुश क्यों जरूरी?

श्राद्ध से लेकर तर्पण तक का महत्व

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि और पितृपक्ष के दौरान पितरों की शांति के लिए किए जाने वाले तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म का विशेष महत्व है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोई भी पितृ कर्म कुश के बिना अधूरा और निष्फल माना जाता है? हाथ की उंगली में कुश की पवित्र अंगूठी पहनकर या हाथ में कुश धारण करके ही जल अर्पित किया जाता है। आखिर साधारण सी दिखने वाली इस घास में ऐसा क्या खास है जो इसके बिना देवता और पितर तर्पण स्वीकार नहीं करते?

2026 में कब है पितृपक्ष और भाद्रपद अमावस्या ?

साल 2026 में भाद्रपद अमावस्या 11 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण, दान और धार्मिक कार्य किए जाएंगे। अमावस्या पर कुश के इस्तेमाल को पितृ कर्म की महत्वपूर्ण परंपराओं में शामिल माना जाता है। इसके कुछ ही दिनों बाद पितृपक्ष की शुरुआत होगी। साल 2026 में पितृपक्ष की शुरुआत 26 सितंबर, शनिवार से होगी। इस दिन पूर्णिमा श्राद्ध किया जाएगा। इसके बाद 27 सितंबर, रविवार से मुख्य प्रतिपदा श्राद्ध की शुरुआत होगी।

कुश को क्यों माना जाता है पवित्र?

हिंदू परंपरा में कुशा घास को पवित्र माना गया है। पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन, संकल्प और पितृ कर्म जैसे कई धार्मिक कार्यों में इसका इस्तेमाल किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि कुश में पवित्रता बनाए रखने और नकारात्मक प्रभावों को दूर करने की क्षमता होती है। इसी वजह से जब कोई व्यक्ति पितरों के लिए तर्पण या श्राद्ध करता है तो उस धार्मिक प्रक्रिया में कुश का इस्तेमाल किया जाता है। इसे पूजा की शुद्धता और धार्मिक विधि का महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है।

तर्पण में कुश का क्या महत्व है?

पितरों के लिए किए जाने वाले तर्पण में जल अर्पित किया जाता है। इस दौरान कुश का इस्तेमाल करने की परंपरा है। मान्यता है कि कुश के माध्यम से अर्पित किया गया जल पितरों तक पहुंचता है और उन्हें तृप्ति मिलती है। तर्पण के समय हाथ में कुश धारण करने और उससे जुड़ी विशेष विधि का पालन करने की परंपरा कई स्थानों पर देखने को मिलती है। इसे पितरों के प्रति सम्मान और श्रद्धा व्यक्त करने का एक धार्मिक माध्यम माना जाता है।

कुश को पितरों तक पहुंचने का माध्यम क्यों माना जाता है?

धार्मिक मान्यताओं में कुश को मंत्र, जल और संकल्प की पवित्रता से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि तर्पण के दौरान बोले गए मंत्र और अर्पित किया गया जल कुश के माध्यम से निर्धारित विधि से पितरों को समर्पित होता है। इसी विश्वास के कारण पितृ कर्म में कुश को सामान्य घास से अलग और विशेष धार्मिक महत्व वाली वस्तु माना गया है।

अमावस्या पर कुश का महत्व क्यों बढ़ जाता है?

अमावस्या तिथि को पितरों के निमित्त किए जाने वाले कर्मों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन लोग अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण, दान और अन्य धार्मिक कार्य करते हैं। ऐसे में पितृ कर्म में इस्तेमाल होने वाली पवित्र सामग्री के रूप में कुश की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यही कारण है कि अमावस्या पर किए जाने वाले तर्पण और श्राद्ध में कुश का इस्तेमाल करने की परंपरा है।

पूजा में भोग चढ़ाने में कहीं आप भी तो नहीं करते ये भूल?

जानें बीज वाले फल अर्पण की सही विधि

हिन्दू धर्म में देवी-देवताओं की पूजा में भोग लगाने महत्व बहुत अधिक है। इसमें भी फल अधिक अर्पित किए जाते हैं। लेकिन फल को लेकर अनजाने में वैसी भूल हो जाती है, पुण्य की जगह की अनकही दोष का भागी बना सकता है। इसमें भी बीज वाले फलों, जैसी-पपीता, संतरा, सेब, अनार, नाशपाती, बब्बूगोसा, नाक, खरबूज या तरबूज की आती है, तो व्रतराज आदि धर्म ग्रंथों में बेहद स्पष्ट नियम बताए गए हैं। आइए जानते हैं, फल को बाजार से लाने के बाद केवल धोकर चढ़ाने से भोग नहीं लग जाता है, कहीं ये लापरवाही खुशियों के लिए संकट न बन जाएं? जब हम खुद हम को और अपने अतिथि को पूरा पपीता या खरबूज-तरबूज खाने के लिए नहीं देते हैं, तो भगवान को इस प्रकार से कोई फल का भोग कैसे पेश कर सकते हैं। इसलिए जब कोई ऐसा फल भगवान को अर्पित करें, तो उसका बीज निकालकर और काटकर चढ़ाना चाहिए। भूल से भी इन फलों को कभी पूरा साबुत नहीं चढ़ाना चाहिए।

छोटे बीज वाले फल

अनार, संतरा, मौसम्बी, सेब आदि छोटे बीज वाले फलों को भी साबुत चढ़ाने के बजाय सही से सलीके से अर्पित करना चाहिए। संतरा-मौसम्बी के बीज निकाल के फांक में चढ़ाना चाहिए। अनार के दाने निकालकर चढ़ाना उत्तम है। इसी प्रकार, सेब, बब्बूगोसा और नाशपाती के बीज को निकालकर चढ़ाना चाहिए।

आम, केला और अंगूर फल के नियम

पूजा के फलों में आम, केला और अंगूर का विशेष स्थान है। इन बीज वाले फलों को हमेशा साबुत ही अर्पित करना चाहिए। इन्हें विशेष परिस्थितियों में ही काटकर अर्पित करना चाहिए। अंगूर को प्रायः दाना-दाना धोकर कटोरे में सलीके से अर्पित करना चाहिए। अमरूद को भी साबुत चढ़ा सकते हैं, लेकिन इसे सही से साफ कर लेना चाहिए।

भोग के इन नियमों का रखें ध्यान

फल काटने के चाकू, हंसिया जैसे साधन शुद्ध और साफ होने चाहिए। ये तामसिक चीजें काटने वाली नहीं होनी चाहिए।

फल को ताजा ही काटकर चढ़ाना चाहिए। काटने से इसे फल को अवश्य धो लेना चाहिए। जो फल छीलकर काटने वाले हैं, उसे छील लेना चाहिए। बहुत देर पहले कटे फल नहीं चढ़ाना चाहिए।

भगवान को फल का भोग लगाने के लिए फल को हमेशा कांसा, पीतल, तांबा, सोना, चांदी और मिट्टी से शुद्ध और साफ बर्तनों में ही रखकर अर्पित करना चाहिए।

पूजा के भोग में सड़े-गले, दागदार, पक्षियों और कीड़ों द्वारा खाए गए फलों इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

भगवान विष्णु और उनके रूपों जैसे सत्यनारायण, राम, कृष्ण, वामन आदि को हमेशा तुलसी दल के फल का भोग लगाना चाहिए। ध्यान रहे कि शिवजी और गणेशजी को तुलसी नहीं चढ़ाया जाता है।

दिन या रात? किस समय दुर्गा सप्तशती का पाठ देता है सबसे विशेष फल

देवी दुर्गा जिन्हें हिंदुओं की प्रमुख देवी भी माना जाता है। मां दुर्गा को भक्त नव दुर्गा, आदि शक्ति, भगवती, माता पार्वती, जगत जननी जैसे कई नामों से बुलाते है। सनातन धर्म में मां दुर्गा की उपासना और पूजा एक अलौकिक ऊर्जा का आह्वान है। मां दुर्गा की पूजा हर कोई अपने समय के हिसाब से करता है। किसी को सुबह के समय पूजा करना सबसे ज्यादा पसंद होती है, तो कोई रात में मां दुर्गा की उपासना करता है। दुर्गा सप्तशती से जानिए किस समय पूजा करने से भगवती अति प्रसन्न होती है?

वैसे तो देवी दुर्गा की पूजा और सप्तशती का पाठ आप सुबह या रात दोनों समय पढ़ सकते हैं। लेकिन रात के समय दुर्गा सप्तशती का पाठ करना अत्यंत शुभ माना जाता है, क्योंकि इस समय आसपास का वातावरण काफी शांत होता है।

हिंदू धर्म शास्त्रों में देवी दुर्गा को 'कालरात्रि' और 'निशामुखी' कहकर भी बुलाया जाता है। माना जाता है कि भगवती को रात्रि काफी प्रिय होती है। रात में मां दुर्गा की पूजा, या उनसे जुड़े किसी भी पाठ का स्मरण करता है मां दुर्गा उससे काफी प्रसन्न होती है। दुर्गा सप्तशती का पाठ सुबह, शाम और रात तीनों ही समय किया जा सकता है। खासकर नवरात्रि के दौरान इसका पाठ जरूर करना चाहिए। दुर्गा सप्तशती पाठ करने से पहले स्वच्छता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखें।

इसके बाद श्री दुर्गा सप्तशती की किताब को चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर विराजमान कर दें। आसन को गंगा जल से शुद्ध करने के बाद ही आसन पर बैठे। रात के समय पाठ करने से पहले स्नान कर पवित्र होना बेहद जरूरी है। पाठ करने के दौरान मन को एकाग्र रखना चाहिए। रात के समय दुर्गा सप्तशती का पाठ इस लिए भी विशेष फलदायी है, क्योंकि शांत वातावरण में पाठ को पढ़ने से दिमाग एकाग्र रहता है, जिससे वजह से व्यक्ति संपूर्ण आध्यात्मिक लाभ उठा पाता है।

द्वापर युग में अयोध्या के राजा कौन थे?

श्रीराम के बाद किसने-किसने संभाली थी राज गद्दी

अयोध्या का इतिहास भगवान श्रीराम और सूर्यवंश से जुड़ा हुआ है। भगवान श्रीराम के वनवास से लौटने और रावण का वध करने के बाद उनके राज्याभिषेक की कथा तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि श्रीराम के बाद अयोध्या की राजगद्दी किसने संभाली और द्वापर युग में आयोध्या का राजा कौन था? विष्णु पुराण के चतुर्थ अंश के अध्याय 4, 12 और 22 में इस वंश की जानकारी मिलती है। इसके अलावा श्रीमद्भागवत महापुराण के नौवें स्कंध के अध्याय 11 और 12 में भी श्रीराम के वंश और उनके बाद की पीढ़ियों का वर्णन मिलता है। धार्मिक ग्रंथों के हिसाब से भगवान श्रीराम के दो पुत्र थे लव और कुश। श्रीराम के बाद उनके ज्येष्ठ पुत्र कुश को अयोध्या का राजा बनाया गया। वहीं, उनके छोटे पुत्र लव को एक अलग क्षेत्र का शासन सौंपे जाने की बात बताई गई है। कुश के बाद भी अयोध्या पर सूर्यवंश के राजाओं ने ही अपना राज चलाया। विभिन्न पुराणों में श्रीराम के बाद आने वाले राजाओं के नामों की वंशावली मिलती है। कुश के बाद अतिथि का नाम आता है। इसके बाद इस वंश में कई राजा हुए, जिनमें निषध, नल और अन्य शासकों का उल्लेख मिलता है। इस प्रकार श्रीराम के बाद अयोध्या की सत्ता किसी दूसरे वंश के हाथ में नहीं गई, बल्कि उनके ही सूर्यवंशी वंशजों ने राजगद्दी संभाली। त्रेतायुग के बाद जब द्वापर युग आया, तब तक सूर्यवंश की कई पीढ़ियां बीत चुकी थीं। अयोध्या में श्रीराम के वंशजों का राज लंबे समय तक चलता रहा।

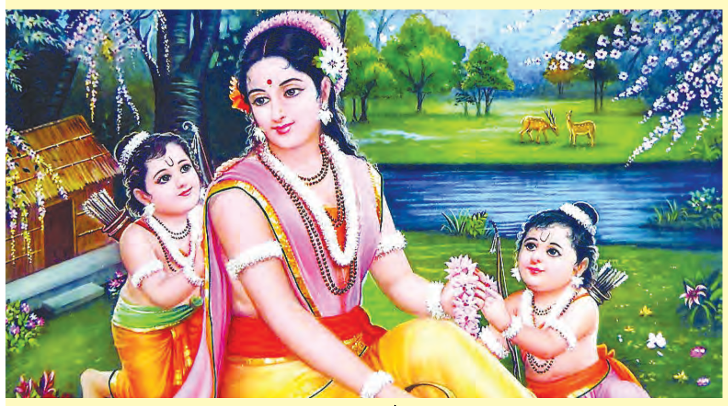

इसी वंशावली में आगे चलकर बृहत्बल का नाम मिलता है। उन्हें अयोध्या के सूर्यवंशी राजा के रूप में जाना जाता है। उनका उल्लेख महाभारत काल से भी जुड़ा हुआ है। द्वापर युग के अंतिम चरण में जब महाभारत का युद्ध हुआ, तब अयोध्या के राजा बृहत्बल ने कौरवों की ओर से युद्ध किया था। वे कौरव सेना में शामिल होकर पांडवों के विरुद्ध लड़े। महाभारत में वर्णित युद्ध के दौरान बृहत्बल का सामना अभिमन्यु से हुआ। युद्ध में अभिमन्यु ने बृहत्बल का वध कर दिया। कई लोगों को लगता है कि भगवान श्रीराम के बाद अयोध्या का इतिहास समाप्त हो गया था, लेकिन धार्मिक ग्रंथों में ऐसा कोई उल्लेख नहीं मिलता है। श्रीराम के बाद उनके पुत्र कुश ने अयोध्या का शासन संभाला और उनके बाद श्रीराम के वंशजों ने आगे भी राज किया।

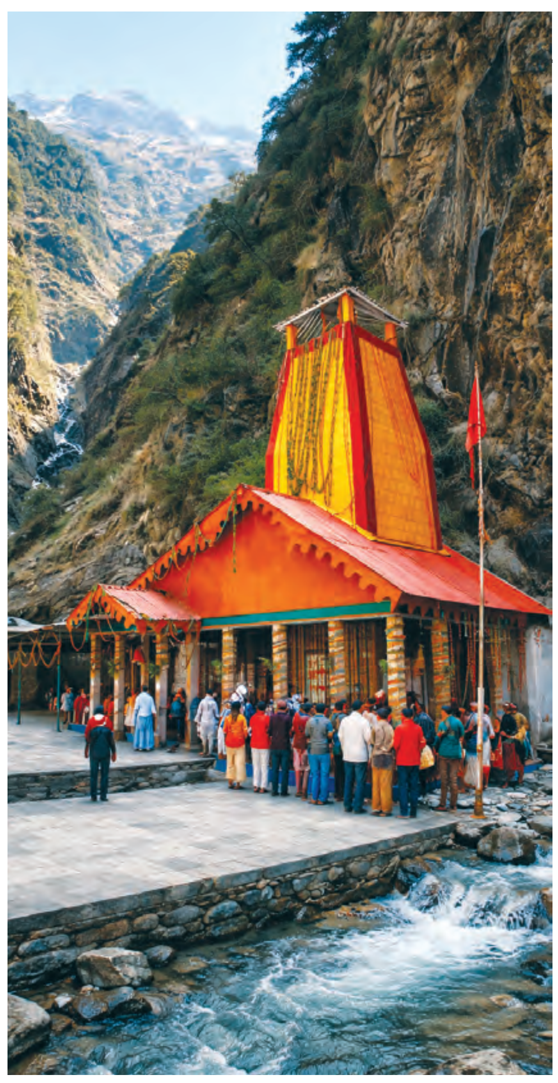

यमुनोत्री में स्नान करने से क्यों टल जाता है अकाल मृत्यु का भय?

जानिए सूर्यपुत्री यमुना की ये पौराणिक कथा

भारतीय परंपरा में चार धाम यात्रा को मोक्ष प्राप्ति और आत्मा की शुद्धि का सबसे बड़ा मार्ग माना जाता है। इस पवित्र यात्रा का पहला पड़ाव है यमुनोत्री धाम। मान्यता है कि माता देवी यमुनोत्री के दर्शन से जीवन के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और मृत्यु का भय भी दूर होता है। यमुनोत्री धाम, उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में समुद्र तल से लगभग 3,235 मीटर की ऊंचाई पर स्थित मां यमुना का उद्गम स्थल और पवित्र चारधामों में से एक है। हर साल हजारों श्रद्धालु कठिन चढ़ाई और दुर्गम रास्तों को पार कर यहां मां यमुना का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं।

यमुनोत्री धाम को लेकर काफी पौराणिक कथा भी प्रचलित हैं। यमुनाओत्री की सबसे प्रचलित तीर्थयात्रा कथाओं में से एक में ऋषि असित मुनि का उल्लेख है, जिनके बारे में परंपरा के अनुसार कहा जाता है कि वे इसी स्थान पर रहते थे और अपनी भक्ति के अंतर्गत प्रतिदिन गंगा और यमुना दोनों में स्नान करते थे। वृद्धावस्था के कारण गंगा की यात्रा उनके लिए बहुत कठिन हो गई। इस परंपरा के अनुसार, यमुना के पास गंगा की एक धारा प्रकट हुई ताकि वे लंबी यात्रा किए बिना अपनी दैनिक पूजा जारी रख सकें। यह कथा मंदिर की संरक्षक समिति द्वारा यमुनाओत्री की तीर्थयात्रा कथाओं के भाग के रूप में दर्ज की गई है, ना कि लिखित इतिहास के रूप में।

वर्तमान यमुनोत्री मंदिर का निर्माण कार्य 19वीं शताब्दी में हुआ था। वर्ष 1839 में इस मंदिर का निर्माण कराया गया था, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं और बाढ़ के कारण यह क्षतिग्रस्त हो गया था। बाद में इसका जीर्णोद्धार टिहरी गढ़वाल के राजा और अन्य रियासतों के सहयोग से किया गया। यमुनोत्री में स्नान से अकाल मृत्यु का भय टलता है और गंगोत्री में मां गंगा के उद्गम स्थल के दर्शन से आत्मा पवित्र होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह यात्रा हमेशा पश्चिम से पूर्व यानी यमुनोत्री से शुरू होकर बद्रीनाथ पर समाप्त होनी चाहिए।

यमुनोत्री धाम उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित है और हिंदू धर्म के प्रमुख चार धामों में इसका विशेष स्थान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यमुना सूर्यदेव की पुत्री और शनिदेव की बहन हैं। यमुनोत्री में मां यमुना की पूजा करने से भक्तों को सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक शांति की प्राप्ति होती है। मंदिर के निकट स्थित गर्म जल के कुंड भी विशेष धार्मिक महत्व रखते हैं। श्रद्धालु इन कुंडों में चावल और आलू की पोटली पकाकर उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यमुना जी और यमराज दोनों सूर्यदेव की संतानें (भाई-बहन) हैं। माना जाता है कि भाई दूज (यम द्वितीया) के दिन यमुना जी ने अपने भाई यमराज से वरदान मांगा था कि जो भी व्यक्ति यमुना नदी (विशेषकर यमुनोत्री धाम) में स्नान करेगा, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहेगा और उसे यमलोक की यातनाएं नहीं सहनी पड़ेंगी। यमुनोत्री की यात्रा केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य के कारण भी विशेष मानी जाती है। बर्फ से ढके पहाड़, शांत वातावरण और पवित्र यमुना का उद्गम स्थल श्रद्धालुओं को गहरी आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है।

राजभाषा : 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे'

डॉ. चक्रपाल सिंह

हिन्दी पखवाड़ा शुरू हो चुका है। सच से मुंह मोड़े हिन्दी एवं राजभाषा के स्तुति गानों की गूँज सुनाई देने लगी है। यह सच है कि भाषा मानव की संपत्ति है। मानव को यह उत्तराधिकार में प्राप्त हुई है और इसे उसने अर्जित भी किया है। यदि किसी समाज अथवा राष्ट्र की संस्कृति को जानना हो, तो उसकी भाषा का अध्ययन करने से सुगमता से ज्ञात हो सकती है। क्योंकि , किसी समाज अथवा राष्ट्र की भाषा उसके साहित्य में सुरक्षित रहती है। उस देश अथवा समाज की संपूर्ण संस्कृति विद्यमान होती है, इसलिए साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है। भारत एक विशाल राष्ट्र है, जिसमें विभिन्न मत एवं संप्रदाय के लोग निवास करते हैं। ऐसे विविधता संपन्न देश में विविध भाषाओं का होना स्वाभाविक है। इसलिए यहाँ कई भाषा परिवारों की बोलियाँ एवं भाषायें प्रचलित हैं, जो एक ही भारत माँ की कोख से पैदा हुई मानी जाती हैं। यही कारण है कि भारत में लगभग 1652 मातृ बोलियाँ बोली जाती हैं। इसलिए जब देश स्वतंत्र हुआ तो स्वतंत्रता के साथ साथ भाषा की समस्या भी अत्यंत जटिल एवं भयंकर रूप से सामने आई। भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 के दिन हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया तथा 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान के लागू होने के साथ ही संविधान की धारा 343 के अनुसार हिंदी भारत संघ की राजभाषा तथा लिपि देवनागरी तय की। संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप तय किया गया। उसके बाद राजभाषा अधिनियम 1963 (1967 में यथा संशोधित), राजभाषा नियम 1976 (1987 में यथा संशोधित) तथा समय समय पर इस विषय पर अन्य प्रशासनिक अनुदेशों के प्रावधानों को कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग संभाले हुए है। वर्तमान में भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाएं उसकी शोभा बढ़ा रहीं हैं। संविधान लागू हुए 76 वर्ष से भी अधिक हो चुके हैं। तब से लेकर आज तक राजभाषा की गंगा-जमुना में काफी पानी बह चुका है। वैधानिक रूप में हिंदी कहने को तो राजभाषा है, लेकिन बोलबाला अंग्रेजी का है। सच्चे अर्थों में हिन्दी व्यवहारिक धरातल पर राष्ट्रभाषा की प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं कर सकी है, जो उसे करनी चाहिए थी। यह हाल उस राजभाषा का जिसे बाकायदा संविधान ने अंगीकार किया है। मातृ भाषाओं की ज़मीनी हकीक़त से अगर मुठभेड़ करनी है, तो आप महानगरों की पॉश सोसायटियों, जो लगभग एक मिनी इंडिया! का प्रतिनिधित्व होता है, के पार्कों में खेलते मासूम बच्चों के बीच खड़े होकर, उनके मध्य चल रहे संवाद से हकीकत की एक झलक देख सकते हैं। मातृ भाषाओं के दर्द एवं उनके भविष्य पर फिर कभी विस्तार से चर्चा करेंगे। अभी राजभाषा एवं पवित्र हिंदी पखवाड़े पर लौटते हैं। राजभाषा की बदहाली का मुख्य कारण राजभाषा अधिनियम, 1963 के गले की फांस उसकी वह धारा 3 (क एवं ख) है, जिसमें कहा गया है कि 'किसी बात के होते हुए भी, इस संविधान के प्रारम्भ से पंद्रह वर्ष की कालाअवधि की समाप्ति हो जाने पर भी संघ के उन सभी शासकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता रहेगा जिनके लिए उसका ऐसे प्रारंभ से ठीक पहले प्रयोग किया जा रहा था।' इसी के चलते आज तक सरकारी कार्यालयों में हिंदी की जगह अंग्रेजी हावी है। दफ्तरों की पंजियों (फाइल्स) में हिंदी प्रयोग के आंकड़ों का प्रतिशत कुलांचें मारता है, परंतु व्यवहार में कार्य अंग्रेजी में होता है और राज भाषा फाइलों में दबी सिसकती है।

स्थिति यह है कि इंडिया! की संतानें हँसेंगी हिंदी में, खेलेंगी हिंदी में , खाएंगी हिंदी में, जीएंगी हिंदी में, यहाँ तक सांस भी लेंगी हिंदी में, परंतु जब कभी हिंदी लिखने, पढ़ने, बोलने या समझने की बात आएगी तब हिंदी उन्हें नहीं आती है। यह हिंदी ना आने का मामला नहीं है। दूसरों से अलग दिखने एवं दिखाने तथा अपने आप को उत्कृष्ट साबित करने का भाषाई छलावा है। जमीनी हकीक़त ये है कि यहाँ बोलना, चलना, हँसी मजाक सभी कुछ हिंदी में चलता है, परंतु विभागीय बैठकों, व्याखान कक्षों या फिर सभाओं में अंग्रेजी की ऐसी टांग तुड़ाई होती है कि अंग्रेजी को अंग्रेजी होने पर शर्म आ जाए। जिसको अंग्रेजी आती है वह भी बोलता है, जिसको नहीं आती है, वो अंग्रेजी जानने का प्रदर्शन करने के चक्कर में अंग्रेजी बोलना नहीं छोड़ता है। अंग्रेजी के बीच हिंदी बोलने में झेंपता है। इस चक्कर में अधिकांश लोग गलत अंग्रेजी बोलने में अपनी शान समझते हैं, परंतु, राजभाषा में संवाद करने में हीनता का बोध इन्हें रोक देता है। यदि इन बैठकों में किसी ने राजभाषा में बोलने का साहस कर लिया, तो देखा देखी हिन्दी संवाद अपनी गति पकड़ लेता है। यहाँ किसी को भी आपत्ति किसी भाषा को जानने, समझने, बोलने, लिखने एवं सीखने को लेकर नहीं है, और होनी भी नहीं चाहिए।

आपत्ति सिर्फ और सिर्फ राजभाषा के साथ किए जा रहे सौतेले व्यवहार को लेकर है। आपत्ति भाषा पर नहीं, व्यवहार पर है। नीति पर नहीं, नीयत पर है। आपत्ति, हकीकत पर नहीं, दिखावे पर है। 76 वर्ष से राजभाषा को लेकर जाने कितने धरना-प्रदर्शन, आंदोलन एवं सड़क से लेकर संसद तक बहसें हुई हैं, जो अनवरत जारी हैं। लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात ही रहे हैं। इस मध्य हिंदी उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व तक संपर्क भाषा के तौर पर अवश्य फली फूली है, जिसका मुख्य कारण व्यावसायिक, यातायात साधनों का विकास, रोजगार अवसरों की तलाश में लोगों के एक राज्य से दूसरे राज्य में आवागमन अधिक रहा है, न कि किसी नीति के कारण। ऐसा इसलिए है कि इंडिया! के अधिकांश लोगों की राजभाषा के प्रति कथनी एवं करनी में अंतर्विरोध रहा है। व्यवहार में ये दोहरा चरित्र जीने में अपनी चतुराई समझते हैं। ये ऊपर से राजभाषा का समर्थन करते हैं, भाषण देते हैं, आंदोलन करते हैं परंतु अपनी संतानों को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने को प्राथमिकता देते हैं। राजभाषा हिंदी को विकसित होने के लिये भारत पर छोड़ देते हैं। चर्चा सिर्फ इसलिए करते हैं जिससे उनकी राजभाषा/राष्ट्रभाषा की ठेकेदारी सुरक्षित रहे। अपने निहित निजी एवं राजनीतिक स्वार्थ के वशीभूत होकर राजभाषा का झंडा उठाते हैं। समाचार पत्रों में गुणगान करते हैं। संसद भवन में प्रतिष्ठा दी जाती है। सभाओं में प्रशंसा की जाती है। हिंदी के लाभ गिनाए जाते हैं। परंतु, अधिकांश सरकारी तथा निजी नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में राजभाषा का प्रश्न पत्र अनिवार्य करने की जगह, अंग्रेजी का प्रश्न पत्र अनिवार्य किया जाता है। यही कुछ कारण हैं जिनके चलते राजभाषा का प्रचार प्रसार ज़मीनी धरातल पर अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंचा है। बहसों में उलझकर रह गया है। व्यावहारिक धरातल पर राजभाषा फलीभूत नहीं हो पा रही है। तमाम तरह की कठिनाइयां बताकर राजभाषा की उपेक्षा को ढका जाता रहा है। इसे व्यवहार के विस्तृत क्षेत्र में पदार्पण करने की स्वतंत्रता अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। इसी कारण राजभाषा अपने ही घर में नजरबंद है, जी नहीं फाइलों में कैद होकर सिसक रही है। यह सिलसिला तब तक जारी रहेगा जब तक हमारे स्वयंभू राष्ट्र निर्माताओं की नीति एवं नीयत में अंतर्विरोध रहेगा।

विकास की नई पटरी पर रेलवे

देश में यातायात का दबाव जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसे देखते हुए रेल नेटवर्क का विस्तार अब केवल सुविधा नहीं, आर्थिक विकास की जरूरत बन चुका है। व्यस्त रेल मार्गों पर क्षमता बढ़ाने के लिए सात रेल मार्गों को चार लेन में बदलने का निर्णय इसी आवश्यकता का संकेत है। इस फैसले से ट्रेनों की क्षमता बढ़ेगी, यात्रियों की यात्रा सुगम होगी और ट्रेनों के लेट होने की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। इन सात मार्गों का चयन महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये सभी अत्यधिक व्यस्त रेल रूट हैं। अतिरिक्त लाइनें बनने से यात्री ट्रेनों और मालगाड़ियों के संचालन को अधिक जगह मिलेगी। इसका सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को होगा। उद्योगों और बाजारों के बीच माल की तेज आवाजाही से आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और परिवहन का दबाव घटेगा। सक्षम रेल नेटवर्क आर्थिक गतिविधियों को गति देगा। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी देना भी स्वागतयोग्य कदम है। इनके पूरा होने से भारतीय रेलवे के नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। लेकिन असली कसौटी घोषणा नहीं, क्रियान्वयन है। परियोजनाएं वर्षों तक अटकी रहें और लागत बढ़ती रहे तो उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। इसलिए समयबद्ध निर्माण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सड़क और हवाई परिवहन तेजी से विस्तार पा रहे हैं। नए शहरों तक हवाई सेवाएं पहुंच रही हैं और सड़क नेटवर्क मजबूत हो रहा है। फिर भी भारत जैसे विशाल और बड़ी आबादी वाले देश में रेल का कोई वास्तविक विकल्प नहीं है। बड़ी संख्या में लोगों के लिए रेल आज भी अपेक्षाकृत सस्ता, सुविधाजनक और भरोसेमंद माध्यम है। इसलिए इसकी क्षमता बढ़ाना राष्ट्रीय आवश्यकता है। त्योहारों और विशेष अवसरों पर ट्रेनों में सीट मिलना आज भी बड़ी चुनौती है। मांग बढ़ने पर अनेक यात्रियों को सड़क या हवाई सेवा का महंगा विकल्प चुनना पड़ता है। दूसरी बड़ी समस्या ट्रेनों की देरी है। सीमित पटरियों पर यात्री और मालगाड़ियों का दबाव बढ़ने से समयबद्ध संचालन प्रभावित होता है। चार लेन और मल्टी-ट्रैकिंग जैसी परियोजनाएं इस समस्या का स्थायी समाधान दे सकती हैं। रेल विस्तार केवल महानगरों के बीच नई लाइनें बिछाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। देश के अनेक क्षेत्र अब भी पर्याप्त रेल संपर्क से दूर हैं। बड़ी आबादी वाले इलाकों तक रेल पहुंचाना सामाजिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से जरूरी है। बेहतर रेल संपर्क रोजगार, शिक्षा, व्यापार और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच आसान कर सकता है। इसलिए, विस्तार में क्षेत्रीय संतुलन भी जरूरी है। स्वदेशी बुलेट ट्रेन के परीक्षण और प्रस्तावित संचालन की योजना उत्साह बढ़ाती है। जापान, चीन और यूरोप के कई देश लंबे समय से हाई-स्पीड रेल का लाभ उठा रहे हैं। भारत को भी आधुनिक तकनीक अपनानी चाहिए। लेकिन हाई-स्पीड ट्रेनें तभी व्यापक बदलाव लाएंगी, जब सामान्य ट्रेनों की गति, समयपालन, सीट उपलब्धता और यात्री सुविधाओं में भी सुधार हो। अभी कई ट्रेनों की गति सीमा 200 किलोमीटर प्रति घंटे से कम है और सुरक्षा कारणों से कुछ सेवाएं इससे भी कम गति पर चलती हैं। रेलवे को दो मोर्चों पर एक साथ काम करना होगा-भविष्य की तेज और आधुनिक रेल व्यवस्था तैयार करना तथा वर्तमान यात्री की रोजमर्रा की परेशानी दूर करना। नई पटरियां, बेहतर क्षमता, समय पर परियोजनाएं, तेज माल ढुलाई और भरोसेमंद यात्री सेवा आधुनिक रेलवे की पहचान होनी चाहिए। रेल की रफ्तार बढ़ाना दरअसल देश की आर्थिक रफ्तार बढ़ाना है। अब जरूरत घोषणाओं को जमीन पर उतारने की है।

राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' फाइलों में अटकी

अनिल शुक्ला

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' की अनुमति पर सस्पेंस गहरा गया है। आयोजन के लिए अभी तक जमीन नहीं मिली है। कांग्रेस ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर राहुल गांधी का कार्यकम रोकने के लिए साजिश का आरोप लगाया है और कहा है कि जमीन मिले या न मिले कार्यक्रम होकर रहेगा। चाहे सड़क पर ही क्यों न करना पड़े। इधर आयोजन को लेकर कांग्रेस पार्टी ने तैयारी तेज़ करदी है और अभी तक 1 लाख से ज्यादा युवा ओर स्टूडेंट्स का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। मध्यप्रदेश की राजनीति का प्रमुख केंद्र इंदौर में राहुल गांधी की मौजूदगी में 19 सितंबर को प्रस्ताविक छात्रों की गूंज कार्यकम के लिए अभी तक जमीन नहीं मिली है। कांग्रेस को नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम की अनुमति नहीं मिलने के बाद अब रीजनल पार्क के सामने वाली जमीन पर भी प्रशासन की हरी झंडी नहीं मिली है।

न नगर निगम जमीन देने को तैयार है, न इंदौर विकास प्राधिकरण जिला प्रशासन भी असमंजस में है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने नेहरू स्टेडियम के लिए आवेदन किया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर स्टेडियम उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। लेकिन नगर आयुक्त क्षितिज सिंघल नेने हाईकोर्ट के पुराने दिशा-निर्देशों का हवाला देकर अनुमति से इनकार कर दिया।इसके बाद कांग्रेस ने प्रशासन के सामने तीन वैकल्पिक मैदानों का प्रस्ताव रखा - रीजनल पार्क के सामने आईडीए का मैदान, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर का ग्राउंड और आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज के पास का मैदान। इसके लिए कांग्रेस ने कलेक्टर कलेक्टर शिवम वर्मा से मिलकर जगह मांगी थी।

भाजपा डरी हुई है - कांग्रेस का आरोप

अनुमति न मिलने को लेकर कांग्रेस आक्रामक है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रशासन सत्ताधारी दल के दबाव में काम कर रहा है और राहुल गांधी से डर कर उन्हें मैदान नहीं दिया जा रहा। इन्दौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने कहा, हमने पहले नेहरू स्टेडियम मांगा, निगम ने नहीं दिया। अब हमने रीजनल पार्क मैदान में आयोजन का फैसला लिया है और आयोजन वहीं होकर रहेगा। अफसर भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। भाजपा को राहुल गांधी का फोबिया हो गया है। कांग्रेस का साफ कहना है कि कार्यक्रम होकर रहेगा, चाहे सड़क पर करना पड़े।

कांग्रेस की तैयारी: 1 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन

कांग्रेस की भले ही अभी तक कार्यक्रम अनुमति नहीं मिली है और अनुमति का मामला अटका पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस की मैदान पर तैयारी शुरू कर दी है। रीजनल पार्क के सामने की जमीन को 'भारत जोड़ो मैदान' नाम दिया गया है और वहां झाड़ियां हटाकर जमीन समतल करने का काम शुरू हो गया है। कांग्रेस का दावा है कि कार्यक्रम के लिए सोशल मीडिया पर क्यूआर कोड के जरिए रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है और अब तक 1 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जबकि 2 लाख से ज्यादा युवाओं के जुटने की उम्मीद है। पार्टी के नेता 50 से ज्यादा कॉलेजों में जाकर विद्यार्थियों से संपर्क कर रहे हैं। खास बात यह है कि कार्यक्रम के पोस्टर में कहीं भी कांग्रेस का झंडा या चुनाव चिन्ह नहीं है, इसे गैर-राजनीतिक छात्र संवाद बताया जा रहा है।

फाइलों में फंसा पेंच

अनुमति कीहर फाइल पर अफसरों ने पेंच फंसा दिया है। प्रशासन संशय में है और कांग्रेस इसे सीधे-सीधे भाजपा की बौखलाहट बता रही है।कहानी की शुरुआत नेहरू स्टेडियम से हुई। कांग्रेस ने 12 सितंबर के लिए स्टेडियम मांगा, निगम आयुक्त क्षितिज सहगल ने हाईकोर्ट की गाइडलाइन का हवाला देकर फाइल लौटा दी। कांग्रेस ने तारीख बढ़ाकर 19 सितंबर की और मुख्यमंत्री मोहन यादव को खुद जीतू पटवारी ने पत्र लिखा, फिर भी दरवाजा नहीं खुला। उसके बाद कांग्रेस ने प्लान बी निकाला - रीजनल पार्क के सामने वाले आईडीए के मैदान को 'भारत जोड़ो मैदान' नाम देकर साफ-सफाई शुरू कर दी। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे के नेतृत्व में कलेक्टर शिवम वर्मा से मिला और तीन विकल्प दिए - आईडीए मैदान, डी ए वी वी ग्राउंड और आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज ग्राउंड।

इधर कांग्रेस ने इसे मुद्दा बना लिया है। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी से लेकर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी तक का एक ही आरोप है - भाजपा सरकार छात्रों की आवाज से डर रही है और लोकतंत्र की आवाज को दबा रही है। बहरहाल अब गेंद प्रशासन के पाले में है। अनुमति मिलेगी या इंदौर की सड़कों पर ही राहुल गांधी छात्रों की गूंज सुनेंगे? 19 सितंबर इसका फैसला करेगा।

कांग्रेस ने मनाया 1लाख पंजीयन का जश्न

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के इंदौर में 19 सितंबर को होने वाले कार्यक्रम के लिए एक लाख पंजीयन हो जाने का जश्न कांग्रेस के द्वारा मनाया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे की उपस्थिति में भोलाराम उस्ताद मार्ग पर जश्न मनाया गया। कांग्रेस जनों ने इतनी बड़ी संख्या में पंजीयन होने पर अपनी खुशी जताई और कहा कि देश के युवाओं में जो असंतोष फैल रहा है उसका परिणाम ही यह पंजीयन है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस ने छात्रों और युवाओं की आवाज को उठाया है। लोकसभा के सत्र के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के द्वारा जिस तरह से विद्यार्थियों के मामले को उठाया गया उसके चलते हुए विद्यार्थियों को इस बात की उम्मीद जगी है कि राहुल गांधी के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है।

बहुजन राजनीति का असमंजस और बीएसपी का आंतरिक संकट

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सामाजिक न्याय और वंचितों की आवाज बनकर उभरी बहुजन समाज पार्टी आज अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। कभी सूबे की सत्ता पर पूर्ण बहुमत से राज करने वाली और देश की तीसरी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा रखने वाली बीएसपी इस समय केवल चुनावी मोर्चों पर ही नहीं, बल्कि अपने सांगठनिक ढांचे के भीतर भी एक गंभीर अंतर्विरोध से जूझ रही है। पार्टी सुप्रीमो मायावती द्वारा हाल ही में लखनऊ की राष्ट्रीय बैठक में लिए गए फैसले—विशेषकर अपने भतीजे और घोषित उत्तराधिकारी आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाना और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ पर कार्रवाई करना—इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि हाथी के कुनबे में सब कुछ ठीक नहीं है। यह घटनाक्रम केवल एक परिवार के भीतर का कलह नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक दल के वैचारिक भटकाव और सांगठनिक ठहराव को दर्शाता है जिसने कभी 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के नारे के साथ देश की सत्ता संरचना को चुनौती दी थी। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीएसपी के भीतर मची यह उथल-पुथल पार्टी के भविष्य और दलित राजनीति की दिशा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है।इस संकट के केंद्र में आकाश आनंद को लेकर लिया गया 'यू-टर्न' और सांगठनिक नेतृत्व का संकट है। मायावती ने आकाश आनंद को 'राजनीतिक रूप से अपरिपक्व' बताते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया। यह पहली बार नहीं है जब आकाश आनंद को प्रमोट करने के बाद अचानक पीछे धकेला गया हो। पिछले कुछ वर्षों में यह सिलसिला लगातार देखने को मिला है, जिससे पार्टी कैडर और समर्थकों के बीच नेतृत्व को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए उसका उत्तराधिकारी उसकी भविष्य की दिशा तय करता है, लेकिन बीएसपी में उत्तराधिकार का यह खेल एक अस्थिर चक्रव्यूह बन गया है। आकाश आनंद ने अपनी रैलियों और बयानों के जरिए पार्टी में एक नया जोश फूंकने और युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया था, लेकिन उनके आक्रामक तेवरों को पार्टी के भीतर ही एक खतरे के रूप में देखा गया या फिर उसे अपरिपक्वता का नाम दे दिया गया। इस फैसले के बाद आकाश आनंद द्वारा अपने सोशल मीडिया बायो को 'बीएसपी कार्यकर्ता' से बदलकर 'बीएसपी समर्थक' करना इस बात की तस्दीक करता है कि शीर्ष नेतृत्व और नई पीढ़ी के बीच वैचारिक पटरी पूरी तरह बैठ नहीं पा रही है। इस पूरे विवाद का एक दूसरा और अधिक चिंताजनक पहलू पारिवारिक गुटबाजी और महत्वाकांक्षाओं का टकराव है। मायावती ने सार्वजनिक रूप से आकाश आनंद के ससुर और पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ पर आरोप लगाया कि वे आकाश के साथ मिलकर ऐसी गतिविधियों में लिप्त थे जिससे पार्टी के मूवमेंट को नुकसान पहुंच रहा था। राजनीति में परिवारों का प्रभाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन बीएसपी जैसी कैडर-बेस्ड पार्टी में जब फैसले नीतिगत चर्चाओं के बजाय पारिवारिक वफादारियों और संदेहों के आधार पर होने लगें, तो वह पार्टी के पतन की गति को तेज कर देता है। मायावती द्वारा रखी गई यह शर्त कि यदि अशोक सिद्धार्थ राजनीति से पूरी तरह संन्यास ले लेते हैं, तभी आकाश आनंद की वापसी पर विचार किया जाएगा, यह दर्शाती है कि पार्टी के भीतर फैसले अब लोकतांत्रिक या सांगठनिक मानदंडों पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत शर्तों पर हो रहे हैं। इस आंतरिक खींचतान के बीच आकाश के छोटे भाई ईशान आनंद को अचानक बैठकों में प्रमुखता देना इस बात का प्रमाण है कि बीएसपी का नेतृत्व संकट गहराता जा रहा है और पार्टी एक व्यक्ति केंद्रित व्यवस्था से निकलकर पारिवारिक उलझनों में फंस गई है।

इस सांगठनिक उथल-पुथल का सबसे बड़ा नुकसान बीएसपी के उस जमीनी कैडर को हो रहा है जो पार्टी की असली ताकत रहा है। मान्यवर कांशीराम ने जिस 'कैडर कैंप' संस्कृति के जरिए दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को एक राजनीतिक ताकत के रूप में एकजुट किया था, वह संस्कृति आज बीएसपी में लगभग लुप्त हो चुकी है। जब शीर्ष स्तर पर लगातार 'नंबर दो' के नेताओं को हटाया जाता है, या बाहरी नेताओं को लाकर अचानक महत्वपूर्ण पदों पर बैठा दिया जाता है, तो दशकों से जमीन पर काम कर रहे वफादार कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता है। आज बीएसपी का जमीनी कार्यकर्ता दिशाहीन महसूस कर रहा है। उसे समझ नहीं आ रहा कि पार्टी की चुनावी रणनीति क्या है और भविष्य का नेता कौन है। बार-बार नीति और नेतृत्व में बदलाव के कारण जो राजनीतिक विश्वसनीयता प्रभावित होती है, उसका सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ता है। 2022 के विधानसभा चुनाव और हालिया लोकसभा चुनावों में बीएसपी का गिरता वोट बैंक और सीटों का शून्य हो जाना इसी सांगठनिक शिथिलता और कार्यकर्ताओं के बिखराव का नतीजा है। बीएसपी के इस आंतरिक संकट का एक और गंभीर आयाम यह है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब शून्य के लिए कोई जगह नहीं है।

ब्रिटेन के ऐतिहासिक किले पर पाकिस्तानी झंडे का विवाद

संजय सक्सेना

ब्रिटेन के वेल्स प्रांत की राजधानी कार्डिफ में स्थित ऐतिहासिक 'कार्डिफ कैसल' (किले) पर पाकिस्तान का झंडा फहराने को लेकर ब्रिटिश राजनीति में एक बड़ा सियासी संग्राम छिड़ गया है। दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों ने इसे ब्रिटिश संस्कृति पर कब्जा करने का प्रयास करार दिया है, जबकि स्थानीय प्रशासन और अन्य नेताओं ने इसे बहुसांस्कृतिक समाज के सम्मान और विविधता के उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया है।यह पूरा विवाद तब गरमाया जब सितंबर 2026 की शुरुआत में रिफॉर्म पार्टी के स्थानीय काउंसलर ओवेन क्लैटवर्थी ने कार्डिफ कैसल के ऊपर लहराते पाकिस्तानी झंडे की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की। देखते ही देखते यह तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो गई। इसके बाद रिफॉर्म यूके के वेल्श नेता डैन थॉमस और रिफॉर्म पार्टी के आर्थिक प्रवक्ता रॉबर्ट जेनरिक सहित कई बड़े नेताओं ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेताओं ने आरोप लगाया कि देश के ऐतिहासिक स्थलों पर किसी विदेशी झंडे का फहराया जाना ब्रिटिश पहचान और संस्कृति को कमजोर करने की कोशिश है। सोशल मीडिया पर लोग इस बात को लेकर भी आक्रोशित दिखे कि जहां एक तरफ ब्रिटेन के कुछ हिस्सों में राष्ट्रीय ध्वज हटाने की बातें होती हैं, वहीं एक ऐतिहासिक किले पर विदेशी झंडे को जगह दी जा रही है।पार्टी के वरिष्ठ सांसद रॉबर्ट जेनरिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए सीधे तौर पर सवाल उठाया, कार्डिफ कैसल पर पाकिस्तान का झंडा फहराया गया है। हम अपनी संस्कृति पर हावी होने की इस कोशिश को क्यों होने दे रहे हैं? रिफॉर्म वेल्स के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में कहा कि ब्रिटेन के ऐतिहासिक स्थलों पर केवल वेल्श ड्रैगन (वेल्स का राष्ट्रीय ध्वज) या यूनियन जैक (ब्रिटेन का राष्ट्रीय ध्वज) ही फहराया जाना चाहिए, इसके अलावा किसी और झंडे की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।चौतरफा घिरने के बाद कार्डिफ काउंसिल के लेबर पार्टी नेता क्रिस वीवर ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि यह झंडा इस साल अगस्त में पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्थानीय पाकिस्तानी समुदाय के योगदान को सम्मानित करने के लिए दो दिनों के लिए फहराया गया था। उन्होंने यह भी साफ किया कि इसी तरह 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस पर भारत का तिरंगा भी किले पर फहराया गया था।वहीं लोकल प्रशासन के अनुसार, कार्डिफ कैसल पर विभिन्न देशों के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों पर झंडा फहराना काउंसिल की एक पुरानी और स्थापित परंपरा रही है। इस दौरान ब्रिटेन और वेल्स के राष्ट्रीय झंडे भी अपनी जगह पर पूरी गरिमा के साथ मौजूद थे।वेल्स की कंजर्वेटिव पार्टी की सदस्य नताशा असगर ने भी रिफॉर्म पार्टी के रुख की आलोचना की और कहा कि इस तरह के आयोजन कब्जा करने की मानसिकता नहीं, बल्कि शहर में रहने वाले विभिन्न समुदायों के प्रति सम्मान और समावेशन का प्रतीक हैं। उन्होंने रिफॉर्म पार्टी पर जानबूझकर नस्लीय और सामाजिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया।कुल मिलाकर, कैसल का यह विवाद केवल एक झंडे तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसने ब्रिटेन में लंबे समय से चल रही प्रवासन और राष्ट्रीय पहचान की बहस को एक बार फिर हवा दे दी है। एक तरफ जहां लिबरल और सत्ताधारी दल इसे एक आधुनिक, बहुसांस्कृतिक और समावेशी ब्रिटेन की बानगी मान रहे हैं, वहीं दक्षिणपंथी ताकतें इसे अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ खिलवाड़ मानकर इसका कड़ा विरोध कर रही हैं।

बेसहारा हथेली

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

नारियल विकास बोर्ड के संभागीय कार्यालय के बाहर नीम के चबूतरे पर पचहत्तर साल के मणिकंदन बाबा हर बुधवार सुबह ठीक दस बजे अपनी लाठी टेकते हुए आकर बैठ जाते थे। उनके कांपते हाथों में सूखे नारियल की जटाओं का एक भूरा लच्छा और रस्सी बटने वाली लकड़ी की एक पुरानी घिसी हुई चरखी हमेशा रहती थी जिसे वे अपनी मैली धोती के पल्ले से बार-बार पोंछते रहते थे।

आज दो सितंबर को विश्व नारियल दिवस के भव्य महोत्सव के मौके पर जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें गेट पर देखा तो अपनी चाय का कुल्हड़ मेज़ पर रखते हुए ठहाका लगाकर बोला कि बाबा जब आज पूरे प्रदेश में कल्पवृक्ष उत्सव का डंका बज रहा है और बड़े-बड़े वैज्ञानिक नारियल से बने आधुनिक उत्पादों की प्रदर्शनी लगा रहे हैं तो इस सूखे छिलके और जटा को रोज़ अपनी छाती से लगाकर यहाँ बड़े अफ़सरों के आगे क्या तमाशा खड़ा करते हो। मणिकंदन बाबा अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को ठीक करते और बहुत धीमी आवाज़ में मुस्कुराकर कहते कि बेटा यह सूखा रेशा केवल पेड़ की छाल नहीं है बल्कि इस पूरे कृषि महकमे की वो कागज़ी समृद्धि है जिसने मेरी पुश्तैनी बगिया को कागज़ों की स्याही में उजाड़ कर रख दिया है। आसपास खड़े तमाम मुंशी और दलाल उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बुढ़ापे में बाबा की मति मारी गई है जो नारियल दिवस के पावन उत्सव को अपनी हठ की भेंट चढ़ाने चले आए हैं। मणिकंदन बाबा किसी की बात का तनिक भी मलाल किए बिना उस रेशे को अपनी कांपती उंगलियों से सहलाते और चुपचाप वीआईपी गाड़ियों के काफिले का इंतज़ार करते रहते थे। बोर्ड के सभी बाबू और तकनीकी सलाहकार मणिकंदन बाबा की इस साप्ताहिक मूक उपस्थिति से पूरी तरह परिचित हो चुके थे और उन्हें एक सनकी बुज़ुर्ग मानकर पूरी तरह अनदेखा कर देते थे। दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी अनुदान की नई चेकबुक लेकर निदेशक के केबिन की तरफ बढ़ता तो मणिकंदन बाबा बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़े हो जाते और हाथ जोड़कर कहते कि बाबू जी क्या आज उस कीट प्रकोप वाले बागान पुनर्वास और राहत वाले कागज़ पर साहब के दस्तखत हो गए। बाबू गुस्से में फ़ाइलें पटकते हुए डांटकर कहता कि अरे बाबा जब तक सेटेलाइट सर्वे से तुम्हारी बागिया के पेड़ों की ड्रोन मैपिंग नहीं होगी और ऊपर से डिजिटल रिपोर्ट नहीं आएगी तब तक विभाग से फूटी कौड़ी नहीं मिलेगी और तुम इस सूखे रेशे को लेकर ताउम्र यहाँ चक्कर काटते रहोगे। मणिकंदन बाबा बिना किसी प्रतिवाद के वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ जाते और उस चरखी पर उस रेशे को लपेटने का निरर्थक प्रयास करने लगते थे जो हर बार टूटकर ज़मीन पर बिखर जाता था। कस्बे के लोग आपस में तरह-तरह की बातें करते थे कि शायद बाबा अपने किसी पुराने बकाए के लिए यह सब कर रहे हैं लेकिन किसी को भी उस सूखे रेशे और विश्व नारियल दिवस के इस भव्य आयोजन के बीच छुपे भयानक रहस्य की ज़रा सी भी भनक नहीं थी।

दोपहर में अचानक कृषि एवं बागवानी मंत्रालय के मुख्य सलाहकार महोदय विश्व नारियल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय तकनीकी सेमिनार का उद्घाटन करने पहुँचे। साहब की गाड़ी का सायरन बजते ही पूरे परिसर में खलबली मच गई और आनन-फानन में स्वागत के लिए नए होर्डिंग और हरे ताज़ा नारियलों से सजी हुई भव्य टोकरियां सजाई जाने लगीं ताकि कोई कमी न दिखाई दे। मंच पर दीप प्रज्वलन और किसानों की आय दोगुनी करने के दावों पर लंबा भाषण देने के बाद जब मुख्य सलाहकार महोदय पत्रकारों की भीड़ के साथ बाहर निकले तो उनकी नज़र चबूतरे पर शांत बैठे मणिकंदन बाबा पर पड़ी जिनकी गोद में वही नारियल की जटा रखी थी।

अपनी दूसरी शादी के बाद जेनिफर विंगेट के खोला राज

ऐसे बना रहीं शादी और करियर के बीच बैलेंस

एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट ने शादी के बाद अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा कि भले ही उनकी प्राथमिकताएं थोड़ी बदल गई हों, लेकिन एक्टिंग और काम के प्रति उनका नजरिया वही है।

जेनिफर विंगेट अपनी आने वाली सीरीज शकः ट्रस्ट नो वन के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर बात कर रही थीं। उनसे शादी के बाद उनकी प्राथमिकताओं और क्या घर बसाने से उनके करियर के प्रति नज़रिए में कोई बदलाव आया है, इस बारे में पूछा गया। जेनिफर ने कहा, ₹कुछ भी नहीं बदला है। बस मेरी शादी हुई है। बाकी सब कुछ वैसा ही है।

हाल ही में विलियम इश्माएल से शादी करने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि वह जिंदगी में संतुलन बनाए रखने में विश्वास रखती हैं और जिन लोगों और माहौल में वह काम करती हैं, उनका ध्यान रखती हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें ज़िंदगी में संतुलन पसंद होता है। और मैं भी उनमें से एक हूं।उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए यह भी मायने रखता है कि मैं किन लोगों के साथ काम कर रही हूं। मेरे लिए यह बहुत ज़रूरी है कि मैं जिसके साथ भी काम करूं - चाहे वह टेलीविजन हो, डिजिटल हो या कुछ और वहां का माहौल बहुत अच्छा हो।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं बार-बार उन्हीं लोगों के साथ काम करती रहती हूं क्योंकि इससे एक कम्फर्ट ज़ोन बन जाता है और वे मुझे समझते हैं।

मैं उन्हें जानती हूं। वे जानते हैं कि वह यह करेगी, वह वह नहीं करेगी। शादी और माँ बनने की चर्चाओं पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया कि शादी का मतलब अपने एक्टिंग करियर को रोकना नहीं है। एक्ट्रेस ने माँ बनने की बात को भी खारिज करते हुए कहा कि मां बनने को लेकर कभी कोई चर्चा नहीं हुई।

उन्होंने कहा, बस शायद प्राथमिकताएं थोड़ी बदल गई हैं। मुझे सोचना पड़ता है कि इस महीने मैं यहां हूं या अगले महीने वहां हूं। उन्होंने बताया कि काम और शादी के बीच संतुलन बनाने के लिए उन्हें अलग-अलग देशों के बीच आना-जाना पड़ता है।

उन्होंने कहा, अब तक का सफर बहुत अच्छा रहा है और आपकी शुभकामनाओं और प्यार के लिए धन्यवाद। यह सचमुच बहुत शानदार रहा है। एक्ट्रेस अब शकः ट्रस्ट नो वन में नजर आने की तैयारी कर रही हैं।

यह मिस्ट्री थ्रिलर रेन्सिल डी'सिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा द्वारा बनाई गई है और इसे डी'सिल्वा ने डायरेक्ट किया है। सीरीज में परिणीति चोपड़ा, जेनिफर विंगेट, ताहिर राज भसीन, सोनी राजदान, अनुप सोनी, हरलीन सेठी, ध्रुव चौधरी और सुमीत व्यास हैं। 'शैकः ट्रस्ट नो वन' का प्रीमियर 24 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर होगा।

ब्रेकअप के बाद फिर साथ आए रवि मोहन और केनिशा, क्या फिल्म में करेंगे साथ काम?

तमिल अभिनेता रवि मोहन का नाम सिंगर केनिशा फ्रांसिस के साथ जोड़ा गया था। फिर, खबरें आईं कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। इतना ही नहीं, ब्रेकअप की खबरों के बीच मई में केनिशा फ्रांसिस ने एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया था। इसमें उन्होंने इशारों-इशारों में रवि मोहन से अपने अलग होने की घोषणा भी की। अब कुछ महीनों बाद दोनों ने साथ में काम करने की जानकारी दी है।

रवि मोहन की फिल्म में केनिशा होंगी कंपोजर

रवि मोहन की आगामी फिल्म 'एन ऑर्डिनरी मैन' में केनिशा फ्रांसिस बतौर कंपोजर काम करने वाली हैं। एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए रवि मोहन ने केनिशा का फिल्म में स्वागत करते हुए यह जानकारी दी है।

रवि मोहन स्टूडियो के सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। दोनों के साथ काम करने की खबर ने इसलिए और जोर कपड़ा है, क्योंकि रवि मोहन और केनिशा के अलग होने की घोषणा के कुछ महीनों बाद ही यह खबर आई है। बता दें कि 'एन ऑर्डिनरी मैन' के जरिए रवि मोहन बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं।

रवि मोहन ने क्या कहा?

पोस्ट के साथ लिखा है, 'संगीत की दुनिया में एक नई आवाज ने दस्तक दी है। एक नया अध्याय शुरू हुआ है, लेकिन रूह वही है। एक ऐसा कलाकार, जिसे आप जानते तो हैं, लेकिन जिसकी आवाज का यह अंदाज आपने पहले कभी नहीं सुना होगा। फिल्म 'एन ऑर्डिनरी मैन'में एक नई आवाज। एक शानदार डेब्यू। केनिशा का स्वागत है'। रवि मोहन ने यह पोस्ट री-शेयर करते हुए लिखा है, 'ईश्वर कृपा बनी रहे'।

नेटिजंस ने क्या कहा?

केनिशा 'एन ऑर्डिनरी मैन' के लिए म्यूजिक देंगी, जिसमें कॉमेडियन-एक्टर योगी बाबू मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म मोहन निर्देशित इस पहली फिल्म को उनके प्रोडक्शन हाउस का सहयोग मिल रहा है। रवि मोहन की फिल्म में केनिशा के काम करने पर नेटिजंस की प्रतिक्रिया आ रही है। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'वे फिर साथ आ गए हैं'।

'मैं वापस आऊंगा' फिल्म का हिस्सा बनकर अच्छा लगा : शरवरी वाघ

शरवरी ने फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में काम करने के अपने अनुभव को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म पर काम करते हुए उन्होंने इम्तियाज अली और पूरी टीम के साथ खूब एंज्वॉय किया। फिल्म की कहानी ने उन्हें एक अलग दौर में जाने और ऐसा किरदार निभाने का मौका दिया, जो उनके अब तक के किरदारों से काफी अलग था।

शरवरी ने कहा कि इस फिल्म पर काम करने में बहुत मजा आया। इम्तियाज अली के साथ यह मेरा पहला काम था। नीलम और संजय सर के साथ भी पहली बार काम किया। असल में पूरी टीम के साथ काम करने में मुझे बहुत मजा आया, क्योंकि यह एक बहुत खूबसूरत कहानी थी। शरवरी ने आगे कहा कि फिल्म के जरिए मैं ऐसी दुनिया में गईं, जहां लोगों के पहनावे से लेकर माहौल तक काफी अलग था। इस नई दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद दिलचस्प रहा। फिल्म में मुझे एक अलग किरदार निभाने का मौका मिला। ऐसे किरदार का हिस्सा बनी, जहां लोगों के कपड़े पहनने का तरीका भी अलग था। उस पूरी दुनिया में खो जाने में मुझे अलग सुकून मिला।

इम्तियाज अली के काम करने को लेकर शरवरी ने कहा कि वह लंबे समय से इम्तियाज सर के काम को पसंद करती रही हूं और उनके साथ काम करने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। इस मौके के लिए मैं उनकी आभारी हूं। 'मैं वापस आऊंगा' में शरवरी ने जिया का किरदार निभाया था, जबकि वेदांग रैना उनके साथ मुख्य भूमिका में नजर आए। यह फिल्म 1947 के भारत-पाकिस्तान बंटवारे की पृष्ठभूमि पर बनी एक पीरियड प्रेम कहानी है।

कहानी जिया और कीनू के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ का किरदार अपने दादा की बरसों पुरानी अधूरी प्रेम कहानी का सच जानने की कोशिश करता है। फिल्म में उस दौर को पर्दे पर दिखाने के लिए कपड़ों, माहौल और कहानी पर भी खास ध्यान दिया गया। 'मैं वापस आऊंगा' का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया है। फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'दृश्यम 2' को लेकर तब्बू को था कैसा डर? फिर हिट रही

फिल्म 'दृश्यम 3' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर अभिनेत्री तब्बू ने फिल्म 'दृश्यम 2' की रिलीज के समय को याद किया। उन्होंने बताया कि मोहनलाल के मलयालम वर्जन के लॉन्च होने के बाद लोगों ने इस फिल्म को लेकर कई तरह के सवाल किए।

तब्बू को क्या थी फिक्र ?

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में तब्बू ने कहा, 'जब दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला था, वो महामारी के बाद का वक्त था। वहीं कोविड के दौर में मलयालम वर्जन पहले ही रिलीज हो चुका था। उस समय कई लोग और मेरे कुछ दोस्तों ने मुझसे कहा कि यह फिल्म तो पहले ही आ गई है, अब इसे कौन देखने जाएगा?

यह मेरे लिए सच में बहुत चिंता की बात थी। मुझे भी लगा था कि शायद कोई देखने नहीं जाएगा। मैं भी बस इंतजार कर रही थी और देखना चाहती थी कि क्या होता है?'

फिल्म को लेकर उलझन में थीं एक्ट्रेस

आगे तब्बू ने बताया कि उन्हें भी काफी वक्त तक लगता रहा कि कोई भी फिल्म देखने नहीं जाएगा। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे सच में लग रहा था कि शायद कोई दूसरा पार्ट देखने नहीं जाएगा। मैं भी उस वक्त बहुत उलझन में थी, क्योंकि महामारी के तुरंत बाद का समय था और हमें भी नहीं पता था कि चीजें किस तरफ जाएंगी। उस दौरान सिनेमा के भविष्य को लेकर हर जगह चर्चा हो रही थी और काफी अनिश्चितता थी। तो मुझे भी लगता था कि शायद लोग ये फिल्म देखने नहीं जाएंगे, क्योंकि महामारी के दौरान सबने मलयालम वर्जन देख लिया है।'

फिल्म 'दृश्यम 2' हिट रही

तब्बू ने फिल्म 'दृश्यम 2' के बारे में आगे कहा, 'इस सबके बावजूद दूसरा पार्ट खूब सफल रहा। अब जब लोग पूछते हैं कि हमने मलयालम फिल्म देखी है तो हिंदी वाली देखें या नहीं?...तो मैं कहती हूं, अच्छा, देख लो, कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हमारी फिल्म एकदम अलग है और मैं इसे अलविदा नहीं कह रही हूं। जब तक कुमार जी और अभिषेक मुझे कागज पर लिखकर नहीं देते कि ये फिल्म कभी नहीं बनेगी, तब तक मैं विश्वास नहीं करूंगी कि ये फिल्म कभी नहीं बनेगी। क्या पता, कभी कुमार जी का फोन आ जाए। पहले भी अभिषेक ने एक शानदार तोड़ निकाला है इसके लिए ये अंजाम है।'

कब रिलीज होगी 'दृश्यम 3'?

'दृश्यमः द कन्क्लूजन' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को दशहरा और दिवाली के आसपास मिलने वाली लंबी छुट्टियों का भी फायदा मिल सकता है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक ने किया है। गोवा में हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया था।

इसमें अजय देवगन समेत तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर भी मौजूद रहे।

किस हीरोइन के साथ नजर आए सोहेल खान?

हरकतें देख नेटिजंस ने किया ट्रोल, बोले- 'सलमान से सीखो'

सोहेल खान को बीते दिनों 'अलायंस' शो में देखा गया था। बाद में उन्होंने इसकी सक्सेस पार्टी अपने घर पर रखी थी। अब 'अलायंस' की एक और पार्टी आयोजित हुई, जहां सभी प्रतिभागी पहुंचे। इस दौरान सोहेल खान एक हीरोइन के साथ दिखे। दोनों ने हाथों में हाथ डाले साथ में एंट्री ली। गर्मजोशी से गले मिले और साथ में डांस किया। दोनों के बीच काफी करीबी देखी गई। इसके बाद सोहेल को ट्रोल किया जा रहा है। जानिए क्यों?

किस के साथ नजर आए सोहेल?

सोहेल खान जिस हीरोइन के साथ नजर आ रहे हैं, वह दरअसल 'अलायंस' की ही प्रतिभागी डेलबर आर्या हैं। साथ ही जिस पार्टी से उनके और सोहेल के वीडियो वायरल हैं, वह खुद डेलबर ने आयोजित की। डेलबर ने 'अलायंस' में अपनी यात्रा को सेलिब्रेट करने के लिए पार्टी रखी। यहां सोहेल खान और उनके बीच कमाल की बॉन्डिंग देखी गई। एक वायरल वीडियो में डेलबर को सोहेल खान के साथ पोज देते देखा जा सकता है। सोहेल ने डेलबर की कमर पर हाथ रखा हुआ है। यह बात फैंस को कुछ पसंद नहीं आई।

गर्मजोशी से गले मिले, पार्टी में पहुंचे साथ

सोहेल और डेलबर के कई वीडियो इंटरनेट पर वायरल हैं। एक में दोनों हाथों में हाथ डाले पोज देते दिखे हैं, फिर पार्टी में साथ में एंट्री लेते नजर आए। वहीं, एक अन्य वीडियो में दोनों बड़ी गर्मजोशी के साथ एक-दूसरे के साथ गले मिलते दिखे हैं। व्हाइट कलर के बैकलेस गाउन में डेलबर काफी ग्लैमरस लग रही हैं। वहीं, सोहेल खान डैनिम जींस और टीशर्ट में नजर आए।

पार्टी में किया 'कपल डांस'?

पार्टी की इनसाइड वीडियो खुद डेलबर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरीज पर भी शेयर की हैं, जिनमें वे सोहेल खान के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'वाइब है'।

नेटिजंस ने सोहेल को क्या सलाह दी?

डेलबर आर्या के साथ सोहेल खान जिस तरह 'कोजी' होते दिखे हैं, वह अंदाज नेटिजंस को पसंद नहीं आया और एक्टर को ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान भाई से कुछ सीखो कि कमर में हाथ नहीं डालते।' एक यूजर ने लिखा, 'कौन है यह लड़की'? एक यूजर ने लिखा, 'अब ये क्या हो गया'? एक नेटिजन ने चुटकी लेते हुए कमेंट किया है, 'अब सोहेल की भी शादी हो जाएगी'।

बादशाह से तलाक पर ईशा रिखी ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- अपनी पहचान बनाने आई हूं

अपनी शादी पर बात करते हुए ईशा ने कहा, 'अपनी पर्सनल लाइफ पर बात करना पूरी तरह सिचुएशन पर निर्भर करता है। मुझे अपने बचपन के दिनों से लेकर अब तक के अपने सफर पर बात करने में कोई ऐतराज नहीं है। लेकिन लोग मुझसे क्या खंगालना चाहते हैं या क्या मसाला ढूंढ रहे हैं, मुझे नहीं लगता कि मैं उन बातों पर अपनी जुबान खोलने के लिए तैयार हूं। मैं यहां सिर्फ अपने बारे में बात करने आई हूं, किसी और की कहानी का हिस्सा बनने या किसी और का नाम जपने नहीं आई हूं।'

पर्सनल लाइफ नहीं है कारण

तलाक की वजह से शो में हिस्सा लेने पर ईशा ने कहा, 'बिल्कुल नहीं। इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। मैंने यह शो किसी विवाद या अपनी पर्सनल लाइफ के ड्रामे की वजह से नहीं चुना है।'

इलोग मुझे पूरी तरह से नहीं जानते

'बिग बॉस 20' में जाने के उद्देश्य के बारे में ईशा ने कहा, 'मैं चाहती हूं कि लोग जानें कि ईशा रिखी असल में कौन है, किसी और की पहचान या टैग के साथ नहीं। मुझे लगता है कि लोग अभी मुझे पूरी तरह से नहीं जानते। मैं दर्शकों को अपने सभी रंग, अपने इमोशन्स और अपना असली रूप दिखाना चाहती हूं, इसीलिए मैंने बिग बॉस के लिए हां कहा।'

जो उंगली उठाएगा, उसे भुगतना पड़ेगा

शो के अंदर गेम खेलने के बारे में ईशा ने कहा, मेरा कोई फेक गेम प्लान नहीं है। लेकिन एक बात साफ कर दूं - कोई भी मुझ पर हावी होने की गलती न करे .. जो जैसा व्यवहार मेरे साथ करेगा, उसे वैसा ही करारा जवाब मिलेगा। मैं अपनी गरिमा में रहकर खेलूंगी, लेकिन जो उंगली उठाएगा, उसे भुगतना पड़ेगा।

दिग्गज राज कपूर के नाम पर पुरस्कार को प्राप्त करना अपने आपमें ही सम्मान की बात : रानी मुखर्जी

इस सम्मान को पाकर रानी मंच पर भावुक दिखाई दी। उन्होंने कहा, 'क्योंकि मुझे यह सम्मान अपने ही लोगों और अपनी जन्मभूमि से मिल रहा है, मुझे लगता है कि यही बात इस पल को मेरे लिए सचमुच खास बनाती है। भारतीय सिनेमा के दिग्गज राज कपूर जी के नाम पर दिए जाने वाले इस पुरस्कार को प्राप्त करना अपने आपमें बहुत ही सम्मान की बात है। मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं इस सम्मान के अनुरूप रहूंगी।'

रानी बोलीं- मुंबई ने दी पहचान

रानी मुखर्जी ने आगे कहा, 'मुंबई ने मुझे मेरी पहचान दी है। इसने मुझे अपने लोग दिए हैं। करियर दिया है। यह मेरा घर, मेरा सुरक्षित स्थान, मेरा सब कुछ रहा है। इसलिए यह पुरस्कार मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह रखेगा क्योंकि जब भी मैं इसे देखूंगी, मुझे सिर्फ एक पुरस्कार नहीं दिखेगा। मुझे मेरा मुंबई, मेरा महाराष्ट्र दिखेगा।'

रानी को हाल ही में भारतीय सिनेमा और सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए मानद डॉक्टर ऑफ लेटर्स की उपाधि से भी सम्मानित किया गया था।

चुने गए किरदारों में साहस था

मंच से रानी ने अपने किरदारों के चुनाव पर भी अपने भाव व्यक्त किये। अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने हमेशा ऐसे किरदारों को चुना जो सच्चे लगते थे, जिनकी कहानी, उनके सफर और उनके लचीलेपन के कारण मैं सहज रूप से उनकी ओर आकर्षित हुई। ऐसे किरदार जिनमें साहस था। ऐसे किरदार जिनमें कमियां थीं। ऐसे किरदार जो पृष्ठभूमि में गुम होने से इनकार करते थे। ऐसी महिलाएं जो कभी किसी और के बचाव का इंतजार नहीं करती थीं।'

महाराष्ट्र को समर्पित किया पुरस्कार

अंत में रानी ने अपना यह पुरस्कार महाराष्ट्र को ही समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत कृतज्ञता के साथ यह पुरस्कार महाराष्ट्र को समर्पित करती हूं। यहां की जनता को, यहां के कलाकारों को, यहां के टेक्नीशियंस को, यहां के फिल्म निर्माताओं को, इस खूबसूरत राज्य को अपना घर कहने वाले संपूर्ण फिल्म जगत को और उन सभी पीढ़ियों के कहानीकारों को, जो हमसे पहले आए और जिन्होंने मुझ जैसी लड़की के लिए सपने देखना संभव बनाया।'

तीन दशकों से सिनेमा में योगदान

अपने तीन दशक के करियर में रानी मुखर्जी ने कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। एक्ट्रेस ने 1996 में फिल्म 'राजा की आएगी बारात' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद 'कुछ कुछ होता है', 'हद कर दी आपने', 'साथिया', 'ब्लैक', 'मिसेस चैटर्जी वर्सेस नॉर्वे', 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी जैसी फिल्मों से फिल्मी दुनिया में अपनी छाप छोड़ी।

पार्टी में सारा अली खान ने दिया लड़की को धक्का? ओरी ने याद किया किस्सा, बोले- मेरी गलती नहीं थी

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी इन दिनों अपने और सारा अली खान के बीच हुए विवादों को लेकर चर्चा में हैं। आए दिन वो किसी ना किसी इंटरव्यू में सारा का जिक्र करते हैं। हाल ही में उन्होंने सारा से जुड़ा हुआ एक और मजाकिया किस्सा सुनाते हुए अभिनेत्री पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि एक पार्टी में सारा ने कथित तौर पर जो मजाक किया उसके बाद उन्हें कैसा बवाल झेलना पड़ा।

सारा की कौन सी हरकत पड़ी ओरी पर भारी?

ओरी ने एक इंटरव्यू में कहा, 'कुछ समय पहले मैं और सारा एक पार्टी में गए थे। सारा उस समय एक मशहूर एक्ट्रेस बन चुकी थीं। मगर मुझे ज्यादा लोग नहीं जानते थे। उस पार्टी में बैठने की जगह नहीं थी। तब सारा को एक लड़की कुर्सी पर बैठी दिखी। सारा ने उस लड़की को धक्का दे दिया। इसके बाद उस लड़की ने सारा को उसकी पॉपुलरिटी के चलते कुछ नहीं कहा, मगर मुझसे वह झगड़ने लगी। कुछ समय बाद

वह लड़की शांत हो गई। उसने मुझसे कहा कि कोई बात नहीं गलती से हो गया होगा। इस पूरे मामले में मेरी कोई गलती भी नहीं थी फिर भी मैंने बातें सुनीं।'

कभी थीं अच्छी दोस्ती अब रिश्तों में कड़वाहट

बॉलीवुड में एक्ट्रेस सारा अली खान और ओरी की दोस्ती के काफी चर्चे थे। एक समय दोनों ही एक दूसरे के अच्छे दोस्त थे। मगर बीते कुछ वक्त से दोनों की दोस्ती में कड़वारहट आ गई। एक दूसरे को अनफॉलो करना, क्रिप्टिक पोस्ट और एक दूसरे को तीखीं टिप्पणियां देने से दोस्ती टूटने की खबर फैंस तक पहुंची।

क्यों टूटी ओरी और सारा की दोस्ती?

दरअसल, जनवरी 2026 में ऑरी ने एक वीडियो शेयर किया था।

इसमें उन्होंने महिलाओं के लिए सबसे खराब तीन नामों को लिस्ट किया था। ओरी ने कथित तौर पर सारा, पलक और अमृता का नाम लेकर कहा कि ये तीन सबसे 'खराब' नाम हैं। ये तीनों नाम इब्राहिम अली खान से जुड़े थे। दरअसल, सारा, इब्राहिम की अपनी बहन हैं। अमृता उनकी मां हैं। वहीं, टीवी एक्टेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी के साथ इब्राहिम की काफी अच्छी दोस्ती है। माना जाता है कि ओरी के इसी बयान के बाद सारा और उनके रिश्ते खराब हो गए।

राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड : सलीम खान को मिला खास सम्मान, स्टेज पर पहुंचीं हेलेन ने दी हेल्थ पर अपडेट

मुंबई में सिनेमा के दिग्गजों को राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बॉलीवुड के मशहूर पटकथा लेखक सलीम खान को भी इस अवॉर्ड से नवाजा गया। उनकी जगह यह सम्मान उनकी पत्नी अभिनेत्री हेलेन लेने पहुंची। हेलेन ने यहां सलीम के स्वास्थ्य पर भी जानकारी दी।

सलीम खान के मिले सम्मान पर क्या बोलीं हेलेन?

सलीम खान का हिंदी सिनेमा में बड़ा योगदान रहा है। उनके इस समर्पण और लगन को सम्मानित करने के लिए उन्हे राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से नवाजा गया। सम्मान ग्रहण करने के बाद हेलेन ने सलीम की तरफ से सबको शुक्रिया कहा और भावनाएं व्यक्त कीं।

हेलेन ने कहा, 'मैं सलीम साहब को दिए गए इस सम्मान के लिए आभारी हूं। उन्होंने आप सभी लोगों को धन्यवाद कहा है। उनकी सभी फिल्में मेरी फेवरेट हैं।'

स्वास्थ्य पर क्या दी अपडेट?

समारोह में हेलेन ने सलीम साहब के स्वास्थ्य की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। वे बहुत मजबूत इंसान हैं और आप सभी को, पूरे महाराष्ट्र और भारत को अपनी शुभकामनाएं भेजते हैं।'

रानी मुखर्जी भी हुई सम्मानित

बता दें कि महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार समारोह हाल ही में मुंबई के रवींद्र नाट्य मंदिर में आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित थे। इस समारोह में रानी मुखर्जी को उनके सिनेमा में वर्षों के योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

किसे मिला कौन सा पुरस्कार?

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लाइफटाइम अचीवमेंट और स्पेशल कंट्रीब्यूशन अवॉड्र्स प्रदान किए। चूंकी यह वी. शांताराम की 125वीं जयंती है इसलिए समारोह में वी. शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट और स्पेशल कंट्रीब्यूशन अवॉड्र्स तथा राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट दिए गए।

पंडित हृदयनाथ मंगेशकर को छत्रपति वी. शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अभिनेता-निर्देशक प्रसाद ओक को छत्रपति वी. शांताराम स्पेशल कंट्रीब्यूशन अवॉर्ड मिला। अनुभवी पटकथा लेखक सलीम खान को राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। वहीं अभिनेत्री रानी मुखर्जी को राज कपूर स्पेशल कंट्रीब्यूशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

भूत पिशाच का नाश्ता और खतरनाक अंदाज 'डायन' बहू बनकर ससुराल पहुंचीं यामी गौतम

बीते महीने यामी गौतम की नई फिल्म 'नई नवेली' का एलान किया गया था। आज फैंस को एक और तोहफा मिला है। 'नई नवेली' का टीजर जारी किया गया है। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है और टीजर की छोटी सी झलक काफी दिलचस्प है।

देवर ने खोली भाभी की पोल पट्टी

फिल्म की शुरुआत एक मध्यम वर्गीय भरे-पूरे संयुक्त परिवार के साथ होती है। सभी बैठे हैं, तभी अचानक से एक शख्स आवाज लगता है, 'जूते चप्पल, नुकीली वस्तुएं सब उतारकर रख दीजिए'। यह आवाज लगाने वाला शख्स दरअसल, घर

में आई नई बहू मोहिनी (यामी गौतम) का देवर बंटू है।

बंटू से इस तरह बात किए जाने पर परिवार के सदस्य हैरानी से पूछते है, 'बात क्या है'? जवाब मिलता है, 'बात भाभी के बारे में है'। सब परेशान होते हैं कि मोहिनी को क्या हुआ? अगले दृश्य में बंटू एक खुलासा करता है और कहता है, 'भाभी डायन है'। परिवार के सभी सदस्य डांटते हैं और बंटू को एक चांटा भी रसीद किया जाता है।

'नाश्ते में खाती हूं भूत-पिशाच'

इसके बाद यामी गौतम की एंट्री होती है। चटख लाल रंग की साड़ी में नई-नवेली दुल्हन के अवतार में यामी बड़े ही कूल अंदाज में कहती हैं, 'बस डायन? दो डायन, तीन पिशाच और चार भूत तो मैं सुबह नाश्ते में खा जाती हूं'।

कब रिलीज होगी फिल्म?

यामी गौतम आगे कहती हैं, 'देवियों और सज्जनों, एक छोटी सी गुजारिश है, 'बड़ा सोचो'। यामी के इस संवाद ने दर्शकों को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि इस हॉरर फिल्म में सस्पेंस और थ्रिल का डोज उनकी उम्मीद से भी बढ़कर मिलने वाला है। बता दें कि यह फिल्म इस साल दशहरा पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता आनंद एल. राय हैं। निर्देशन की कमान बालाजी मोहन ने संभाली है।

क्या शेरोन वर्मा को डेट कर रहे हैं कॉमेडियन? नेटिजन ने पूछा सवाल तो दी ऐसी प्रतिक्रिया

मशहूर कॉमेडियन समय रैना अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। शेरोन वर्मा के साथ उनके लिंकअप के कयास लगाए जा रहे हैं। दरअसल, कॉमेडियन के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' में बीते दिनों शेरोन भी शामिल हुईं। इस दौरान समय और शेरोन के बीच जबर्दस्त केमिस्ट्री ने दर्शकों का खूब ध्यान खींचा। अब इस बारे में समय ने चुप्पी तोड़ी है।

लिंकअप के सवाल पर क्या बोले समय?

शेरोन के साथ नाम जोड़े जाने पर समय रैना ने रिएक्शन दिया है और डेटिंग की बात से साफ इनकार किया है। दरअसल, कॉमेडियन ने 'आस्क मी एनीथिंग' सैशन इंस्टाग्राम पर रखा। इस दौरान उन्होंने फैंस के सवालों के जवाब दिए। एक यूजर ने सवाल किया है कि क्या आप शेरोन को डेट कर रहे हैं? इस पर समय रैना ने जवाब दिया, 'नहीं भाई, सिर्फ इंटरनेट पर अपने तरह की चीजें हो रही हैं'।

क्यों शुरू हुई डेटिंग की अटकलें?

समय रैना के शो में जब शेरोन वर्मा पहुंचीं तो दोनों के बीच गजब की केमिस्ट्री देखने को मिली, जिसने दर्शकों का काफी ध्यान खींचा। इतना ही नहीं, समय रैना और उनकी नोंकझोंक भी हुई। एक-दूसरे पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद भी हुआ। समय और शेरोन की बातचीत के क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसके बाद इनकी डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ा। मगर, अब खुद समय ने स्पष्ट कर दिया है कि ऐसा कुछ नहीं है।

आलिया भट्ट की 'अल्फा' कैसी लगी?

इसी सैशन में एक यूजर ने समय रैना से पूछा कि ईमानदारी से बताना क्या आपको 'अल्फा' पसंद आई? इस पर समय ने जवाब दिया, 'मैं भगवान की कसम खाता हूं, मुझे यह वाकई अच्छी लगी। मुझे यह काफी मजेदार लगी। हमने इसे लेकर एक वॉच पार्टी रखी और सभी ने इस फिल्म को काफी एंजॉय किया'। बता दें कि फिल्म 'अल्फा' का प्रमोशन करने आलिया भट्ट और शरवरी समय के शो में पहुंची थीं। बॉक्स ऑफिस पर 'अल्फा' फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही है।

रणबीर की फिल्म एनिमल पर क्या बोलीं करीना? बॉलीवुड निर्देशकों की सोच को बताया भेड़ चाल जैसा!

बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों में कई ऐसी फिल्म रिलीज हुई हैं, जिनमें लीड एक्टर का अंदाज बेहद आक्रामक दिखाया गया है। अब एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री करीना कपूर ने इस मामले पर खुलकर बात की। साथ ही बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया। जानिए क्या बोलीं करीना?

फिल्मों पर क्या बोलीं करीना कपूर?

हाल ही में युवा नाम के एक यूट्यूब चैनल पर एक्ट्रेस ने नए दौर की आक्रामक फिल्मों पर बात करते हुए कहा, 'हमारे दर्शक जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा समझदार हैं। उन्हें पता है कि अच्छी फिल्म कौन सी है और वे उसे देखना चाहते हैं। आज बात सिर्फ एक यंग लव स्टोरी की नहीं है। ये सारी चीजें बहुत पुरानी हो चुकी हैं। आज कल हिंसा का दौर है।'

करीना बोलीं- 'चीजें बदल रही हैं

अपनी बातचीत में आगे करीना कपूर ने कहा, 'एक 'एनिमल' फिल्म चल गई है तो हम भी वैसी ही बना लेते हैं। क्या हमारी सोच

'भेड़ चाल' जैसी है? हालांकि, कुछ ऐसे फिल्ममेकर्स भी हैं जो कुछ अलग करना चाहते हैं। जो आपके विचारों को झकझोरना चाहते हैं और जिनकी अपनी फैन फॉलोइंग है। मुझे लगता है कि अब चीजें बदल रही हैं। दर्शक अब ट्रेलर देखकर ही तय कर लेते हैं कि उनको कौन सी फिल्म देखनी है।'

हर फिल्म करोड़ों नहीं कमा सकती

करीना ने यह भी बताया कि फिल्ममेकर्स अब पुराना माइंड सेट छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यंग ऑडियंस ऐसे सवाल पूछेगी जो आपको सोचने पर मजबूर करेंगे। आज के दौर में फिल्ममेकर्स ये सोचकर फिल्म नहीं बना सकते कि ये कॉमेडी है, तो चल जाएगी। हर फिल्म 200 करोड़ या 500 करोड़ कमाने वाली नहीं है। मुझे लगता है कि हम इसे बदल रहे हैं और दर्शक इसमें हमारी मदद कर रहे हैं।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'दायरा'?

करीना की अगली फिल्म 'दायरा' है। इसमें उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दोनों ही एक्टर्स पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। यह क्राइम सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज और जंगली पिक्चर्स के बैनर तले हुआ है। यह फिल्म 18 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

तारा सुतारिया के करीब पहुंचा फोटोग्राफर तो एक्ट्रेस ने दिया ऐसा रिएक्शन

अभिनेत्री तारा सुतारिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह एक पैपाराजी और उसके कैमरे को धक्का देकर पीछे हटाती हुई नजर आ रही हैं। जानें क्या है इस वीडियो में और क्या है पूरा मामला?

तारा के साथ क्या हुआ?

तारा सुतारिया हाल ही में मुंबई स्थित एक स्टोर पर पहुंची। यहां पैपराजी ने उन्हें घेर लिया। वो उनसे फोटो खिंचवाने के लिए चिल्लाने लगे। तारा जल्दी में थीं। उनकी टीम किसी तरह उन्हें कवर करके अंदर ले जाने की कोशिश कर रही थी। इसके बावजूद एक कैमरामैन एक्ट्रेस के बेहद करीब पहुंच गया।

तारा ने उसका कैमरा पकड़कर अपने हाथों से पीछे कर दिया और अंदर चली गईं।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

यह पहली बार नहीं है जब तारा और फोटोग्राफर्स के बीच कुछ विवादित हुआ हो। बीते महीने भी एक वीडियो सामने आया था जिसमें दावा किया गया था कि एक्ट्रेस ने पैपराजी को रूड

रिएक्शन दिया है। उस वीडियो में जैसे ही तारा अपनी गाड़ी से नीचे उतरीं पैपराजी ने उन्हें घेरना शुरू किया। यह देखते ही एक्ट्रेस ने जोर से गाड़ी का दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद पैपराजी उनसे पोज देने के लिए आग्रह करते रहे। मगर तारा ने उनकी तरफ नहीं देखा और वहां से चली गईं।

तारा सुतारिया का वर्क फ्रंट

तारा सुतारिया काफी कम उम्र में अभिनय की दुनिया में आ गई थीं। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट टेलीविजन से करियर शुरू किया था। इसके साथ ही उन्होंने 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' और 'ओए जस्सी' जैसे शोज में काम किया है।

2019 में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे भी मुख्य किरदारों में थे। इसके बाद वह 'एक विलेन रिटर्न्स' और 'तड़प' में भी दिखाई दीं। हाल ही में तारा, यश के साथ 'टॉक्सिक' में अहम भूमिका में नजर आईं।

तेलंगाना में फ्लू के मामले बढ़े

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में मौसमी फ्लू और इन्फ्लूएंज़ा के मामले बढ़ने के साथ, डॉक्टर कमज़ोर इम्यूनिटी वाले लोगों, जैसे बुज़ुर्गों और पहले से किसी बीमारी (को-मॉर्बिडिटी) से जूझ रहे लोगों के लिए वैक्सीन लगवाने की सलाह दे रहे हैं।

हालांकि, इस मौसम में (जो आमतौर पर बारिश और सर्दियों के महीनों में होता है) कौन सी खास वैक्सीन लगवानी चाहिए, इसे लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने इस पर स्थिति स्पष्ट कर दी है।

आईसीएमआर ने कहा है कि अगर अमेरिका और यूरोप में उपलब्ध स्टैंडर्ड नॉर्दर्न हेमिस्फियर वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, तो लोग सुरक्षित रूप से सदर्न हेमिस्फियर वैक्सीन का इस्तेमाल अस्थायी विकल्प के तौर पर कर सकते हैं।

गर्भवती महिलाओं, बुज़ुर्गों और किडनी, लिवर व दिल की बीमारियों जैसी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए, भारतीय बाज़ार में पहले से मौजूद फ्लू वैक्सीन के कमर्शियल ब्रांड का इस्तेमाल किया जा सकता है। आमतौर पर मिलने वाले ब्रांड नामों वाली फ्लू वैक्सीन भी ज़रूरी सुरक्षा देंगी। डॉक्टर आमतौर पर नॉर्दर्न हेमिस्फियर वाले वर्शन को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि सर्विलांस से पता चलता है कि इसके स्ट्रेन कंपोनेंट मौजूदा लोकल स्ट्रेन से काफी मिलते-जुलते हैं। हालांकि, अभी लॉजिस्टिक्स और इंपोर्ट से जुड़ी दिक्कतों के कारण इनकी कमी है।

सीनियर डॉक्टरों का कहना है कि वैक्सीन के दोबारा स्टॉक में आने का इंतज़ार करने के बजाय, उपलब्ध वैक्सीन लगवाना बेहतर है, क्योंकि ये मुख्य रूप से फैल रहे स्ट्रेन, खासकर इन्फ्लूएंज़ा ए (H1N1) के खिलाफ़ असरदार सुरक्षा देती हैं।

हालांकि दोनों वैक्सीन में थोड़ा अंतर है, फिर भी मौजूदा मंज़ूरशुदा फ्लू वैक्सीन लगवाना सही है, क्योंकि यह तुरंत सुरक्षा देती है, खासकर ज़्यादा जोखिम वाले लोगों के लिए।

मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराने पर युवक की मौत

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, बुधवार आधी रात को मेटल चारमीनार के पास खानामेट में मोटरसाइकिल के बेकाबू होकर सड़क के डिवाइडर से टकराने से एक युवक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, पी. तेजस और डी. मोहित भिक्षापति नगर के एसएएस प्रीमियम पीजी से मोटरसाइकिल पर निकले थे और मेटल चारमीनार की ओर जा रहे थे। जब वे खानामेट इलाके में पहुंचे, तो मोटरसाइकिल बेकाबू हो गई और सड़क किनारे लगे डिवाइडर से टकरा गई। मोटरसाइकिल चला रहे तेजस को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पीछे बैठे मोहित को मामूली चोटें आईं। तेजस के शव को पहले कोंडापुर सरकारी अस्पताल ले जाया गया और बाद में पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया।

हाईकोर्ट ने सड़क हादसों पर पीआईएल पर सुनवाई की

एक्टिविस्ट ने गड्ढों और शराब की दुकानों की ओर ध्यान दिलाया

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस अपरेश कुमार सिंह और जस्टिस जी.एम. मोहिउद्दीन ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई की। इसमें राज्य में जानलेवा सड़क हादसों में खतरनाक बढ़ोतरी पर चिंता जताई गई थी। इन हादसों की वजह कथित तौर पर ठीक न किए गए गड्ढे, अपर्याप्त सड़क संकेत और नेशनल व स्टेट हाईवे तथा उनसे जुड़ी रेडियल सड़कों पर शराब की आसान उपलब्धता को बताया गया।

यह पीआईएल सामाजिक कार्यकर्ता एसक्यू मसूद ने दायर की थी। उन्होंने हाल के वर्षों में तेलंगाना में हुई कई बड़ी सड़क दुर्घटनाओं का ज़िक्र किया और सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी उपायों की मांग की।

याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील दीपक मिश्रा ने कहा कि रंगा रेड्डी जिले के चेवेल्ला/मिर्जागुडा में हाल ही में हुई दुर्घटना, जिसमें कथित तौर पर 20 से अधिक लोगों की जान चली गई, उन दुखद घटनाओं में से एक थी जिसने तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता को रेखांकित किया।

दुर्घटना में एक आरटीसी बस और तेज रफ्तार, भारी लदी हुई टिपर लॉरी शामिल थी। कथित तौर पर, टिपर लॉरी दो-लेन वाले हाईवे पर एक गड्ढे से बचने की कोशिश में मुड़ गई थी। याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि पेड़ों की कटाई से जुड़े कानूनी विवाद के कारण सड़क चौड़ी करने का काम देरी से हुआ।

वकील ने आगे तर्क दिया कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत काम करने के लिए जरूरी राज्य और जिला सड़क सुरक्षा परिषदें और समितियां या तो काम नहीं कर रही थीं या उनकी बैठकें नियमित रूप से नहीं हो रही थीं। यह भी आरोप लगाया गया कि अधिकारी खतरनाक हिस्सों की पहचान करने और उन्हें ठीक करने के लिए वैज्ञानिक सड़क सुरक्षा ऑडिट करने में विफल रहे। याचिकाकर्ता का तर्क था कि सड़क सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों के बावजूद, राज्य ने टाले जा सकने वाले हादसों को रोकने और सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। याचिकाकर्ता ने कई मांगों के साथ-साथ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 198A को सख्ती से लागू करने की भी अपील की। इस धारा में सड़कों के डिज़ाइन, निर्माण और रखरखाव से जुड़े तय मानकों का पालन न करने पर अधिकारियों और ठेकेदारों की जवाबदेही तय करने का प्रावधान है। इस पीआईएल को स्वीकार करते हुए, बेंच ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार को चार हफ़्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया को इस पीआईएल में प्रतिवादी के तौर पर शामिल किया जाए।

कार और लॉरी की टक्कर में निर्मल के एक टीचर की मौत, तीन घायल

निज़ामाबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को निर्मल ज़िले के एक 48 वर्षीय सरकारी टीचर की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए, जब उनकी कार डिचपल्ली के बाहरी इलाके में खड़ी एक लॉरी से टकरा गई।

पुलिस ने बताया कि मंडाड के रहने वाले और कंजारा गाँव के स्कूल में टीचर भोजन्ना को गंभीर चोटें आईं, जब उनकी कार NH 44 के किनारे खड़ी लॉरी से टकरा गई, जिससे उनकी तुरंत मौत हो गई। हादसे में उनके तीन दोस्तों को भी मामूली चोटें आईं और उन्हें डिचपल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

भोजन्ना और उनके साथी शमशाबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अपने दोस्त को छोड़कर लोकेश्वरम लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। आगे की जानकारी का इंतज़ार है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 172 वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 13 को

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से चिराग अली लेन आबिड्स स्थित डायमंड जुबली हाई स्कूल में 172 वां निशुल्क निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार 13 सितम्बर को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जायेगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2 डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा की सेवा प्रदान की जाएगी। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की स्क्रीनिंग की जाएगी और आवश्यक को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर डॉ.अखिल क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ.अखिल सुगंधी एवं डॉ.मीनल खेरिया सुगंधी द्वारा सामान्य जांच की सेवा दी जाएगी।

फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज, डॉ. एस. निखिल राज ने सेवा प्रदान की जाएगी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा विकलांगों की जांच कर उन्हें निशुल्क एड्स एवं एप्लाइंस जैसे कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, हैंड किट्स प्रदान किये जाएंगे। अवसर पर निशुल्क डायलिसिस की भी व्यवस्था आवश्यक रोगी के लिए रहेगी। रोगी को अपने साथ पूर्व की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट लानी होगी ताकि उनकी सुविधा के लिए उचित परामर्श दिया जा सके। शिविर का लाभ लेने के लिए नाम पंजीकरण स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 के बीच किया जा सकता है। शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, शशिकांत अग्रवाल, ओवैस मिर्जा, जी.मणिला विजयलक्ष्मी से संपर्क किया जा सकता है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 78वीं बैठक आयोजित की गई। निदेशक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्ष डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती के द्वारा औपचारिक रूप से स्वागत संबोधन के बाद बैठक का शुभारंभ हुआ। डॉ. बी वेंकटेश भट, प्रभारी-पीएमई कक्ष; डॉ. ए कलैसेकर, प्रभारी-सूचना प्रौद्योगिकी; डॉ. जिनु जेकब, प्रभारी-हिंदी कक्ष; डॉ. ए श्रीनिवास, कृषि विस्तार; के श्रीनिवास बाबु, प्रभारी-प्रक्षेत्र अनुभाग, डॉ. सुगणण, प्रभारी-पुस्तकालय, पी शिवप्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी; श्री शेख रुकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी; राम मूर्ति, निदेशक के निजी सचिव (सदस्य) तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी -राजभाषा (सदस्य-सचिव) चर्चा के दौरान उपस्थित थे। बैठक के दौरान सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों,विशेषकर संस्थान में 14 सितंबर से 13 अक्टूबर 2026 के दौरान मनाए जाने वाले हिंदी चेतना मास समारोह संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया।

डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

बस अब्दुल्लापुरमेट में पेट्रोल पंप से टकराई, बडा खतरा टला

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को शहर के बाहरी इलाके अब्दुल्लापुरमेट के बटासिंगाराम में एक टीजीएसआरटीसी बस सड़क से उतरकर पेट्रोल पंप से टकरा गई, जिससे अफरातफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि बस चालक ऑटो-रिक्शा से बचने की कोशिश कर रहा था। दिलसुखनगर डिपो की यह बस चौटुप्पल जा रही थी, तभी सुबह करीब 11 बजे यह हादसा हुआ।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, तेज़ रफ़्तार के कारण ड्राइवर बस पर से नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस पेट्रोल पंप में घुस गई।

परिसर में खड़ी एक कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि एक अन्य वाहन को भी टक्कर लगी।

बस डीजल भरने वाले क्षेत्र से भी टकराई, जिससे पंप के उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। अच्छी बात यह रही कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

हालांकि, अचानक हुई इस टक्कर के बाद पेट्रोल पंप के कर्मचारियों और वहां मौजूद ग्राहकों में अफरातफरी मच गई और वे अपनी जान बचाने के लिए, भागे। अब्दुल्लापुरमेट पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

पुलिस की एहतियाती कार्रवाई में बीआरएस नेता हिरासत में

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा सत्र के बीच, गुरुवार तड़के पुलिस ने बीआरएस और बीआरएसवी के कई नेताओं और छात्र नेताओं को हिरासत में लिया और नज़रबंद कर दिया। खबरों के अनुसार, पार्टी विधायकों के निलंबन के बाद पार्टी नेताओं द्वारा विधानसभा का घेराव करने की योजना की जानकारी मिलने पर उन्हें हिरासत में लिया गया।

बीआरएसवी के राज्य अध्यक्ष गेल्लू श्रीनिवास यादव, जिन्हें नज़रबंद किया गया था, के अनुसार पुलिस सुबह करीब 5 बजे छात्र नेताओं के घरों पर पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया, जबकि बीआरएसवी ने विधानसभा बंद का कोई आह्वान नहीं किया था। उन्होंने इस कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे छात्रों की आवाज़ दबाने की कोशिश बताया और हिरासत में लिए गए लोगों की तुरंत रिहाई की मांग की।

कारखाना सर्कल इंस्पेक्टर अनुराधा और उनकी टीम प्रवक्ता मन्ने कृष्णक को एहतियातन हिरासत में लेने के लिए उनके आवास पर पहुंची।

बताया जाता है कि उन्होंने उनकी सात साल की बेटी की परीक्षा के लिए जाते समय रोका और एक रिश्तेदार का फ़ोन ले लिया, जबकि वे घर पर नहीं थे।

मौजूदा मौसम से अस्थमा और सीओपीडी बढ़ सकता है: पल्मोनोलॉजिस्ट

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मॉनसून के साथ ज़्यादा नमी, घर के अंदर सीलन भरा माहौल और सांस के संक्रमण व एलर्जी पैदा करने वाली चीज़ों के संपर्क में आने से अस्थमा, क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज़ , ब्रोंकाइटिस, वायरल संक्रमण के बाद लगातार रहने वाली खांसी, एलर्जी से जुड़ी सांस की बीमारियों और निमोनिया के मामलों में संभावित बढ़ोतरी पर चिंता जताई गई है। डॉ. सुधाकर कंडी ने कहा कि मॉनसून के दौरान नमी में बदलाव, फफूंद (मोल्ड) और घर के अंदर एलर्जी पैदा करने वाली चीज़ों के संपर्क में आने के साथ-साथ सांस के संक्रमण से घरघराहट, सीने में जकड़न, लगातार खांसी और सांस लेने में तकलीफ़ हो सकती है। उन्होंने कहा, अस्थमा या सीओपीडी के मरीज़ों को लक्षणों में अचानक बढ़ोतरी या अपनी रिलीवर दवा की ज़्यादा ज़रूरत को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। सांस का संक्रमण जो एक स्वस्थ व्यक्ति में हल्का हो सकता है, वह फेफड़ों की पहले से मौजूद बीमारी वाले व्यक्ति में स्थिति को गंभीर रूप से बिगाड़ सकता है। वायरल संक्रमण के बाद लगातार रहने वाली खांसी को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए।

जब तक कोई स्पष्ट मेडिकल कारण न हो, तब तक अनावश्यक एंटीबायोटिक लेने से भी बचना चाहिए। विशेषज्ञों ने लोगों को सलाह दी कि वे सांस से जुड़ी अच्छी स्वच्छता बनाए रखें, हवा आने-जाने का सही इंतज़ाम रखें और घर के अंदर साफ़-सफ़ाई रखें, खासकर सीलन वाली जगहों पर।

कपास के खेत में गांजा उगाने के आरोप में किसान गिरफ्तार

आदिलाबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को बोरीगाँव गाँव में एक किसान को अपने कपास के खेत में दूसरी फसल के तौर पर गांजा उगाने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया। पुलिस ने किसान से 12.50 लाख रुपये कीमत के 128 गांजे के पौधे और एक दोपहिया वाहन ज़ब्त किया। इचोडा रूरल इंस्पेक्टर सीएच रमेश ने बताया कि गाँव के ही रहने वाले अदे कपिल को 3.5 एकड़ ज़मीन पर लगे कपास के खेत में यह प्रतिबंधित फसल उगाने के आरोप में पकड़ा गया।

जांचकर्ताओं ने बताया कि कपिल ने माना है कि कपास की खेती से मुनाफ़ा न होने के कारण उसने गांजा उगाना शुरू किया था। उसने स्वीकार किया कि यह गुज़ारा करने की एक हताश कोशिश थी। उसने अपनी पत्नी के साथ मिलकर गांजा उगाया था, जिसके नाम पर ज़मीन रजिस्टर्ड थी। किसान के खिलाफ़ मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

तेलंगाना में वोटर एसआईआर सुनवाई में शामिल नहीं हो पाते हैं तो क्या होगा?

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर के 119 विधानसभा क्षेत्रों में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) का नोटिस चरण चल रहा है, जिसके तहत वोटरों को अब तक 61 लाख नोटिस भेजे जा चुके हैं।

ये नोटिस अलग-अलग श्रेणियों के तहत जारी किए जा रहे हैं – जैसे नाम में अंतर, स्पेलिंग की गलती या उम्र में गड़बड़ी जैसी कमियां, और एसआईआर 2002 लिस्ट के साथ मिलान न होना।

जो वोटर काम, इमरजेंसी या ज़रूरी दस्तावेज़ न होने की वजह से तय तारीख और समय पर सुनवाई में शामिल नहीं हो पाते हैं, उन्हें चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। ऐसे वोटरों के पास सुनवाई के लिए दूसरी तारीख मांगने और बूथ लेवल ऑफिसर, एईआरओ या ईआरओ को ज़रूरी दस्तावेज़ जमा करने का मौका होता है। वे पोलिंग स्टेशन जाकर भी वहां जानकारी जमा कर सकते हैं।

जादू-टोने के शक में महिला की हत्या के आरोप में बेटा और माँ गिरफ्तार

मंचेरियल, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को डंडेपल्ली मंडल के नेल्कीवेंकटपुर गाँव में मंगलवार रात एक महिला की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति और उसकी माँ को गिरफ़्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से एक कुल्हाड़ी, मोबाइल फ़ोन और एक मोटरसाइकिल ज़ब्त की।

लक्सेट्टीपेट में मीडियाकर्मियों को गिरफ़्तारी की जानकारी देते हुए, मंचेरियल एसीपी आर. प्रकाश और लक्सेट्टीपेट इंस्पेक्टर रमना मूर्ति ने बताया कि नेल्की वेंकटपुर के सिंगाथी रमेश और सिंगाथी रामबाई को उसी गाँव की सिंगाथी लक्ष्मी (45) की हत्या में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में पकड़ा गया। यह हत्या जादू-टोने के शक में की गई थी।

पूछताछ के दौरान, रमेश ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उसने लक्ष्मी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी क्योंकि उसे शक था कि वह जादू-टोना कर रही थी, जिससे उसकी माँ बीमार पड़ गई थी। उसने माना कि जब लक्ष्मी अपने घर के बाहर बैठी थी, तब उसने कुल्हाड़ी से उस पर हमला किया, जबकि रामबाई उसकी सुरक्षा कर रही थी। उसने बताया कि लक्ष्मी की हत्या के बाद वे दोनों वहाँ से भाग गए थे। इससे पहले, लक्ष्मी के पति की शिकायत के आधार पर रमेश के खिलाफ़ हत्या का मामला दर्ज किया गया था।

रमेश और रामबाई को पकड़ने के लिए दो विशेष टीमें बनाई गई थीं। टीमों ने दोनों को पकड़ लिया। प्रकाश ने चेतावनी दी कि अंधविश्वास के नाम पर हिंसा करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच, डीसीपी ए. भास्कर ने दोनों को पकड़ने के लिए प्रकाश, रमना मूर्ति, एसआई राज्यवर्धन, उदय किरण, सुरेश और अन्य कर्मचारियों की सराहना की।

महिला ने बेटे की हत्या कर खेत के कुएं में कूदकर खुदकुशी की

जगित्याल, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को गुडीपेट गांव के बाहरी इलाके में एक महिला ने कथित तौर पर अपने बेटे को खेत के कुएं में फेंककर मार डाला और फिर उसी कुएं में कूदकर खुदकुशी कर ली।

पुलिस ने बताया कि दशरथ की पत्नी गुंडेटी कविता (36) के खुदकुशी करने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। शुरुआती जांच से संकेत मिलता है कि आर्थिक तंगी और बेटे की लंबी बीमारी के कारण महिला ने अपनी जान देने से पहले बेटे की हत्या कर दी होगी।

सूचना मिलने पर पुलिस कुएं के पास पहुंची और कविता का शव बाहर निकाला। उसके बेटे का शव अभी तक नहीं निकाला जा सका है। बताया जा रहा है कि महिला ने अपने भाई कोमुरया को फोन किया और उसे अपने फैसले के बारे में बताया। कोमुरया मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

'काला जादू' के आरोपों पर एनएचआरसी ने संज्ञान लिया

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सिद्दीपेट के एमएलए और बीआरएस के डिप्टी फ्लोर लीडर टी. हरीश राव पर काला जादू और तंत्र-मंत्र के सार्वजनिक आरोपों के बावजूद एफआईआर दर्ज न किए जाने की शिकायत पर संज्ञान लिया है।

यह शिकायत तेलंगाना उच्च न्यायालय के वकील और सामाजिक कार्यकर्ता करुपोथुला रेवंत ने हरीश राव की अनुमति से एनएचआरसी के समक्ष दर्ज कराई थी।

आयोग ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्देश दिया है कि वे चार सप्ताह के भीतर अंग्रेजी में 'की गई कार्रवाई की रिपोर्ट' (एटीआर) सौंपें। वकील करुपोथुला रेवंत ने 22 अगस्त को यह शिकायत दर्ज कराई थी।

मसाब टैंक में कार डिवाइडर से टकराई, दो लोग घायल

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को मसाब टैंक में महावीर अस्पताल के पास तेज़ रफ़्तार कार का संतुलन बिगड़ने और सड़क के डिवाइडर से टकराने के बाद दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, कार तेज़ रफ़्तार में थी तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के कारण कार में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सूचना मिलने पर मसाब टैंक पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुँची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुँचाया गया।

पुलिस अधिकारी दुर्घटना से जुड़ी जानकारी की पुष्टि कर रहे हैं, जिसमें दुर्घटना का सटीक कारण भी शामिल है।

दुर्गम चेरुवु आज भी बंद रहेगा

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड द्वारा प्रस्तावित मेंटेनेंस के काम और परिसर में सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए, दुर्गम चेरुवु 1 सितंबर को विज़िटर्स के लिए बंद रहेगा। साइबराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ने गुरुवार को एक पब्लिक एडवाइज़री जारी की और विज़िटर्स से कहा कि वे बंद रहने के दौरान इस जगह पर न आएं और उसी हिसाब से अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

सीएमसी ने असुविधा के लिए खेद जताया और विज़िटर्स से सहयोग मांगा।

कांडी मंडल में मंदिर गिराने पर विरोध-प्रदर्शन

संगारेड्डी, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को कांडी मंडल मुख्यालय की लक्ष्मी नगर कॉलोनी में एक मंदिर गिराए जाने से स्थानीय लोग नाराज हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, नरसिम्हुलु नाम का एक व्यक्ति कुछ महीने पहले तक कांडी में स्थित पोचम्मा मंदिर की देखभाल करता था। हालांकि, उम्र से जुड़ी बीमारी के कारण उसका निधन हो गया। उस इलाके में रहने वाले ट्रांसजेंडर लोगों ने उसके साथ करीबी संबंध थे, इसलिए वे नरसिम्हुलु के परिवार की आर्थिक रूप से मदद करते थे। उसके निधन के बाद, ट्रांसजेंडर समुदाय ने उसके परिवार के सदस्यों को 5 लाख रुपये देकर वह 100-गज का प्लॉट खरीद लिया, जहां मंदिर स्थित था।

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत, आरक्षक सस्पेंड

जांजगीर-चांपा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में पुलिस कस्टडी में 30 साल के युवक की मौत हो गई।

परिजनों ने मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने का घेराव कर दिया, जबकि पुलिस का कहना है कि उसे मिर्गी का दौरा पड़ा था और उसकी अस्पताल में जान गई है। घटना चांपा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, युवक का नाम शिव सहिस है, जो कि मेहंदीपारा का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि चांपा थाने के एक ट्रेनी सब इंस्पेक्टर और 2 आरक्षकों ने शिव को बुधवार दोपहर उसके घर से पकड़ा था।

कपास के खेत में बिजली गिरने से दो महिला किसान घायल

मंचेरियल, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेन्नल मंडल के घनपुर गांव में कपास के खेत में काम करते समय बिजली गिरने से दो महिला किसान घायल हो गईं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस घटना में कुमारिकुंटा सरिता गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि अंगोली श्रीलता को मामूली चोटें आईं।

दोनों को मंचेरियल के एक अस्पताल में ले जाया गया। सरिता की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ये महिलाएं अपने खेत में खरपतवार हटा रही थीं, तभी उन पर बिजली गिरी।

दुनिया का सबसे बड़ा बैंक, एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनी : कौन-कौन आ रहा है ब्रिक्स बिजनेस फोरम में मोदी का भाषण सुनने?

नई दिल्ली,10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। 12 से 13 सितंबर तक चलने वाले इस आयोजन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत ब्रिक्स और पार्टनर देशों के प्रमुख हिस्सा लेंगे। उससे पहले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स बिजनेस फोरम की बैठक को संबोधित करेंगे। इसमें दुनिया की कई दिग्गज कंपनियों के प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है।

हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इसमें चीन की कई बड़ी कंपनियों के प्रमुख शामिल हो सकते हैं। इनमें चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन , दुनिया के सबसे बड़े बैंक इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना , हुआवे टेक्नोलॉजीज और अलीबाबा ग्रुप शामिल हैं। इसका अलावा फर्स्ट अबू धाबी बैंक, एमिरेट्स एयरलाइन, एतिहाद एयरवेज और ब्राजील की एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनी एम्ब्रेयर के प्रतिनिधि भी इसमें हिस्सा ले सकते हैं।

1,000 विदेशी प्रतिनिधि

सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार की बैठकें 'मजबूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण' पर केंद्रित होंगी। इनमें करीब 1,000 विदेशी प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। इसके उद्घाटन सत्र को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर संबोधित कर सकते हैं। इसका समापन सत्र लीडर्स सेशन के साथ होगा जिसे मोदी संबोधित कर सकते हैं। इसमें ब्रिक्स-प्लस देशों के कई राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल हो सकते हैं। ब्रिक्स-प्लस देशों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं और इनकी अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक व्यापार का लगभग 26% हिस्सा हैं।

कौन-कौन ले रहा है हिस्सा

इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन का एक बड़ा बिजनेस प्रतिनिधिमंडल भारत आ रहा है। इनमें सीएनपीसी के चेयरमैन होउलियांग दाई, आईसीबीसी के चेयरमैन लिन लियाओ और चाइना सीओएससीओ शिपिंग कॉर्पोरेशन के चेयरमैन मिन वान प्रमुख हैं। आईसीबीसी एसेट्स के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा बैंक है। मार्केट कैप के हिसाब से अमेरिका का जेपी मोर्गन दुनिया का सबसे बड़ा बैंक है।

ब्राजील की एयरक्राफ्ट मेकर कंपनी एम्ब्रेयर के प्रेसिडेंट और सीईओ फ्रांसिस्को गोम्स नेटो, मेटल और माइनिंग कंपनी वेल के सीईओ गुस्तावो पिमेंटा, साउथ अफ्रीका की कंपनी नैस्पर्स लिमिटेड के सीईओ एफ. महानेले-डाबेंगवा, रशियन रेलवे के सीईओ और एग्जीक्यूटिव बोर्ड के चेयरमैन ओलेग बेलोजेरोव और रूसी बैंक स्बेरबैंक के एग्जीक्यूटिव बोर्ड के फर्स्ट डिप्टी चेयरमैन अलेक्सांद्र वेद्याखिन शामिल हैं।

ब्रिक्स का लेखाजोखा

इस ग्रुप की स्थापना ब्रिक के तौर पर 2001 में भारत, चीन, रूस और ब्राजील ने की थी। 2011 में साउथ अफ्रीका के जुड़ने के बाद यह ब्रिक्स हो गया। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात 2024 में शामिल हुए जबकि इंडोनेशिया ने 2025 में एंट्री मारी। इसके पार्टनर देशों में बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम शामिल हैं।

'मुझे शर्म आई', आगबबूला हुए नितिन गडकरी

बोले- अब ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

नई दिल्ली,10 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुंबई-गोवा हाईवे के निर्माण में हुई देरी पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में लंबे समय तक हुई देरी पर उन्हें शर्मिंदगी महसूस हुई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि वह ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने का रिकॉर्ड बनाएंगे।

गडकरी ने यह बात गोवा के पणजी के पास पोरवोरिम में छह लेन के एलिवेटेड रोड कॉरिडोर के उद्घाटन के दौरान कही। इस मौके पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत समेत कई मंत्री और अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अब वह अक्टूबर में खुद सड़क मार्ग से मुंबई से गोवा जाएंगे और हाईवे के काम की स्थिति का जायजा लेंगे। मुंबई-गोवा हाईवे का चौड़ीकरण महाराष्ट्र के तटीय कोंकण क्षेत्र से होकर गुजरता है और इसकी परियोजना में कई बार देरी हो चुकी है।

ठेकेदारों पर होगा सख्त एक्शन

गडकरी ने कहा कि वह खराब गुणवत्ता का काम करने वाले ठेकेदारों और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य एक साल के भीतर सबसे ज्यादा ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाना है।

खुद करेंगे हाईवे का निरीक्षण

गडकरी ने बताया कि मुंबई-गोवा हाईवे को लेकर अधिकारियों की मंगलवार को बैठक भी हुई थी। उन्होंने कहा कि वह अक्टूबर में मुंबई एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सड़क मार्ग से गोवा जाएंगे। उनका कहना है कि इस यात्रा के दौरान वह खुद देखेंगे कि हाईवे का काम कितना पूरा हुआ है और क्या इससे यात्रियों का सफर वास्तव में आसान हुआ है।

वैकल्पिक ईंधन की सुविधा

गडकरी ने हाईवे पर पेट्रोल और डीजल के साथ बायोफ्यूल, इलेक्ट्रिक व्हीकल और दूसरे वैकल्पिक ईंधन से जुड़ी सुविधाएं विकसित करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अगर गोवा सरकार इस संबंध में अनुरोध करती है तो वह इन सुविधाओं को उपलब्ध कराने में मदद करने के लिए तैयार हैं।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स 138 अंक उछला, निफ्टी 23,450 के पार बंद

मुंबई, ,10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को जोरदार उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 138.36 अंक की मामूली बढ़त के साथ 74,902.59 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 46.30 अंक बढ़कर 23,477.80 के स्तर पर पहुंच गया।

बाजार बंद होने से पहले के सीएएस सत्र के दौरान सेंसेक्स में मजबूत उछाल दर्ज किया गया। निफ्टी भी 23,450 के ऊपर अपना स्तर बनाए रखने में कामयाब रहा। हालांकि, दिन भर का कारोबार मिला-जुला रहा। बाजार में व्यापक मजबूती के बजाय चुनिंदा खरीदारी का रुझान दिखा। कुछ क्षेत्रों में निवेशकों ने जमकर पैसा लगाया। जबकि कई अन्य क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव बना रहा। यह स्थिति बाजार की अनिश्चितता और निवेशकों की सावधानी को दर्शाती है।

आज किन क्षेत्रों ने बाजार को सहारा दिया?

आज के कारोबार में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। इसके बाद तेल और गैस तथा निजी बैंकों में भी अच्छी खरीदारी देखने को मिली। सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, एफएमसीजी और व्यापक वित्तीय सेवाएं भी मामूली बढ़त के साथ बंद हुईं। इन क्षेत्रों में निवेशकों ने सकारात्मक रुख दिखाया।

किन क्षेत्रों पर दबाव रहा और वैश्विक बाजारों का क्या हाल रहा?

आज ऑटोमोबाइल, फार्मा, स्वास्थ्य सेवा और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं दबाव में रहीं। मिडकैप, स्मॉलकैप, रियल एस्टेट और सीमेंट क्षेत्र में भी गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों का हाल भी मिला-जुला रहा। लंदन समय अनुसार सुबह 6:59 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा 0.2 फीसदी और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज वायदा 0.4 फीसदी ऊपर रहे, जबकि नैस्डैक 100 वायदा लगभग अपरिवर्तित रहा।

हालांकि, एमएससीआई एशिया पैसिफिक सूचकांक 0.6 फीसदी और एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स सूचकांक 0.5 फीसदी गिरे।

चांदी 3,307 बढ़कर 2.39 लाख किलो पर पहुंची

सोना 542 महंगा होकर 1.54 लाख का 10 ग्राम हुआ, इस साल दाम 21 हजार बढ़े

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 10 सितंबर को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 542 रुपए बढ़कर 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 3,307 रुपए बढ़कर 2.39 लाख रुपए हो गई है।

इस साल सोना 21 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 20 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.39 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

घटने की बजाय फिर बढ़ी चीनी की कीमत, यूपी की मिलों ने दाम कम करने से किया इंकार!

नई दिल्ली,10 सितंबर (एजेंसियां)। चीनी की बढ़ती कीमतों को कंट्रोल करने के लिए लगातार सरकारी हस्तक्षेप का भी कोई खास फायदा देखने को नहीं मिल रहा है। केंद्र सरकार द्वारा स्टॉक सीमा घटाने, कच्ची चीनी के ड्यूटी फ्री इंपोर्ट की अनुमति देने और बिक्री कोटा प्रणाली में बदलाव जैसे कदम उठाने के बावजूद घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों में तेजी जारी है। बुधवार को मिल स्तर (एक्स-मिल) और थोक बाजार में चीनी के दाम मजबूत रहे, जबकि कई मिलों ने कीमतों में और बढ़ोतरी कर दी।

यूपी की मिलों ने दाम घटाने से किया इंकार

मीडिया के उद्योग सूत्रों के अनुसार उत्तर प्रदेश की अधिकांश निजी चीनी मिलें कीमतें कम करने को तैयार नहीं हैं। जिसके चलते महाराष्ट्र और गुजरात की कुछ मिलों ने भी दाम बढ़ा दिए और दो सप्ताह बाद पहली बार 5,000 प्रति क्विंटल का स्तर पार कर लिया। सप्ताह की शुरुआत से अब तक चीनी के दाम 2 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुके हैं। बुधवार को एक्स-मिल चीनी की कीमतें 4,900-5,100 प्रति क्विंटल के बीच रहीं। हालांकि महाराष्ट्र की सहकारी मिलों ने सरकार के कदमों के बाद शुरुआती दौर में दाम घटाए थे। हालांकि, अब वहां की मिलों ने भी कीमतें बढ़ानी शुरू कर दी हैं।

त्योहारी मांग और कम स्टॉक से बढ़ी कीमतें

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्यापारियों का मानना था कि सरकारी हस्तक्षेप के बाद कीमतें और गिरेंगी, इसलिए उन्होंने बड़े पैमाने पर खरीदारी नहीं की। इससे बाजार में हैंड-टू-माउथ स्थिति बन गई। वहीं, कृष्ण जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी जैसे लगातार दो त्योहारों के कारण मांग बढ़ गई। व्यापारियों के पास स्टॉक कम होने और त्योहारी मांग बढ़ने का फायदा उठाकर मिलों ने इस सप्ताह कीमतें बढ़ा दीं। इन सब के अलावा ट्रकों की कमी ने भी आपूर्ति पर खासा असर डाला है।

महाराष्ट्र की मिलों ने भी बढ़ाए दाम

आमतौर पर महाराष्ट्र की चीनी उत्तर प्रदेश की तुलना में लगभग 200 प्रति क्विंटल सस्ती होती है, लेकिन पिछले सप्ताह दोनों राज्यों की कीमतों में 600 से अधिक का अंतर था। उत्तर प्रदेश की मिलों द्वारा कीमतें ऊंची बनाए रखने के बाद महाराष्ट्र की मिलों ने भी अपने ऑफर रेट बढ़ा दिया। उद्योग सूत्रों के मुताबिक 8 सितंबर को महाराष्ट्र की मिलों ने पहले सप्ताह का बिक्री कोटा पूरा करने के बाद कीमतों में 600-700 प्रति क्विंटल तक की बढ़ोतरी कर दी।

सरकार ने किए कई हस्तक्षेप

खुदरा बाजार में चीनी की कीमतें 70 रुपए प्रति किलो से ऊपर जाने के बाद खाद्य मंत्रालय ने मासिक बिक्री कोटा प्रणाली को बदलकर पखवाड़ा आधारित कर दिया। नए नियमों के तहत मिलों को आवंटित कोटे का 40 प्रतिशत हिस्सा पहले सप्ताह में और शेष दूसरे सप्ताह में बेचना होगा।इसके अलावा, केंद्र सरकार ने 20 अगस्त को 31 अक्टूबर तक कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी थी। साथ ही निर्यात के लिए निर्धारित चीनी को घरेलू बाजार में बेचने की भी इजाजत दी गई है।

क्रूड 100 के पार लेकिन तेल कंपनियां 14,470 करोड़ का मुनाफा काटने को तैयार, कैसे हुआ यह चमत्कार?

नई दिल्ली,10 सितंबर (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है और यह 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। लेकिन जुलाई-सितंबर तिमाही में इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल का कुल मुनाफा 14,470 करोड़ रहने का अनुमान है। अप्रैल-जून तिमाही में उन्हें 18,150 करोड़ का नुकसान हुआ था। देश में मई से पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

फिर इन कंपनियों का नुकसान मुनाफे में कैसे बदल गया? रिफाइनिंग मार्जिन में मजबूती और मार्केटिंग मार्जिन में जबरदस्त सुधार से यह बदलाव आने की उम्मीद है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि हाल के हफ्तो में इंटीग्रेटेड मार्जिन में तेजी से गिरावट आई है। लेकिन इस तिमाही में अब तक दिखे ट्रेंड को देखते हुए दूसरी तिमाही का औसत पहली तिमाही के लेवल से काफी ज्यादा है।

किसे होगा सबसे ज्यादा मुनाफा?

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर सितंबर के बाकी दिनों में भी यही ट्रेंड जारी रहता है, तो ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को दूसरी तिमाही में पॉजिटिव ऑपरेटिंग प्रॉफिट और टैक्स के बाद मुनाफा हो सकता है। ब्रोकरेज के मुताबिक इंडियन ऑयल को दूसरी तिमाही में 7,303 करोड़ का मुनाफा होने का अनुमान है जबकि पहली तिमाही में उसे 2,661 करोड़ का नुकसान हुआ था। इसी तरह बीपीसीएल को 4,520 करोड़ का मुनाफा हो सकता है। पहली तिमाही में उसे 3,962 करोड़ का नुकसान हुआ था। इसी तरह एचपीसीएल को पहली तिमाही के 11,526 करोड़ के नुकसान के मुकाबले 2,647 करोड़ का मुनाफा होने का अनुमान है।

मार्जिन में सुधार

यह बदलाव मुख्य रूप से मार्केटिंग मार्जिन में सुधार से आएगा। तीनों कंपनियों के लिए मार्जिन पेट्रोल पर 2.9 प्रति लीटर और डीजल पर 1.3 प्रति लीटर रहने का अनुमान है। पहली तिमाही में इन कंपनियों का मार्जिन पेट्रोल पर -6.1 और डीजल पर -18.9 था। पेट्रोल के मुकाबले डीजल बनाने महंगा पड़ता है लेकिन इसके बावजूद भारत में डीजल की कीमत पेट्रोल से कम है। इंडियन ऑयल के लिए रिफाइनिंग मार्जिन दूसरी तिमाही में $15 प्रति बैरल के आसपास बने रहने की उम्मीद है, जबकि पहली तिमाही में यह $15.6 था। हालांकि, बीपीसीएल के लिए मार्जिन $41.4 से घटकर $18 प्रति बैरल और एचपीसीएल के लिए $23.8 से घटकर $16 प्रति बैरल होने का अनुमान है।

एचडीएफसी बैंक को बड़ी कानूनी राहत

क्रेडिट सुइस बॉन्ड के सभी 7 केस खारिज

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी के लिए एक बेहद अच्छी खबर सामने आई है. क्रेडिट सुइस एटी1 बॉन्ड मामले में निवेशकों की तरफ से बहरीन में दायर किए गए सभी सात मुकदमे खारिज हो गए हैं. इस फैसले से बैंक को एक बड़ी कानूनी राहत मिली है. बैंक पर गलत तरीके से हाई-रिस्क सिक्योरिटीज बेचने के आरोप लगे थे, जो अब कानूनी तौर पर बेबुनियाद साबित हुए हैं. 9 सितंबर को बहरीन की हाई सिविल कोर्ट ने आखिरी दो मामलों में भी बैंक के हक में अपना फैसला सुनाया. इससे पहले जुलाई से अगस्त के बीच पांच अन्य केस भी अदालत द्वारा खारिज किए जा चुके थे. बैंक ने आधिकारिक बयान में कहा कि अदालत ने निवेशकों के सभी आरोपों को पूरी तरह नकार दिया है.

बिना ठोस सबूत कोर्ट से खाली हाथ लौटे निवेशक

निवेशकों ने बैंक पर कई बड़े आरोप लगाए थे. इनमें भारी लापरवाही, जानबूझकर गलत जानकारी देना, ग्राहकों की गलत पहचान बताना, प्रोडक्ट से जुड़े नियम छिपाना वित्तीय नियमों का गलत इस्तेमाल करना शामिल था. इन निवेशकों ने एचडीएफसी बैंक के जरिए क्रेडिट सुइस एटी1 बॉन्ड खरीदे थे. बहरीन की अदालत ने इन सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया. कोर्ट ने अपने फैसले में पाया कि निवेशक बैंक के खिलाफ कोई भी ऐसा सबूत पेश करने में नाकाम रहे जिसे कानूनी तौर पर माना जा सके. ये बिल्कुल साबित नहीं हो पाया कि निवेशकों को जो आर्थिक घाटा हुआ, उसके लिए किसी भी तरह से बैंक जिम्मेदार था. उल्टा अदालत ने आदेश दिया कि सातों मामलों में अदालती कार्यवाही का पूरा खर्च निवेशकों को ही अपनी जेब से उठाना पड़ेगा.ये पूरा विवाद मार्च 2023 की उस घटना से जुड़ा है, जब यूबीएस ने क्रेडिट सुइस का इमरजेंसी में अधिग्रहण किया था. उस समय एटी1 बॉन्ड्स की वैल्यू जीरो कर दी गई थी, जिससे दुनियाभर के निवेशकों का पैसा डूब गया था. बहरीन के फैसले से पहले भारत में भी बैंक को बड़ी जीत मिल चुकी है. मार्च 2026 में भारत के राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने निवेश कों की शिकायतें खारिज की थीं.

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर विस्फोटक और घातक रसायनों की खुली बिक्री पर सरकार का शिकंजा, क्या है तैयारी?

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। डिजिटल इंडिया और डोरस्टेप डिलीवरी की सहूलियत जब नियम-कायदों से बेपरवाह हो जाए, तो वह सुविधा नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीधा खतरा बन जाती है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर कपड़े, जूते और किराना सामान बिकते-बिकते अब घातक और प्रतिबंधित विस्फोटक रसायन बिकने लगे हैं। इस खुली मनमानी पर अब सरकार ने डंडा चलाने की तैयारी कर ली है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने डिजिटल ट्रेडिंग और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर खतरनाक रसायनों की बिक्री को लेकर बड़े पैमाने पर जांच शुरू कर दी है। उपभोक्ता मामलों की सचिव और सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे के मुताबिक, ऐसी कंपनियों की पहचान कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

विस्फोट की तस्वीरें लगाकर लुभाने का खेल

सीसीपीए की शुरुआती पड़ताल में जो खुलासे हुए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। जांच में सामने आया कि कई ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर अमोनियम नाइट्रेट की लिस्टिंग के साथ विस्फोट और उसके भयावह असर को दिखाने वाली तस्वीरें लगाई जा रही थीं। प्राधिकरण का स्पष्ट मानना है कि ये तस्वीरें किसी खतरे की वैधानिक चेतावनी देने के बजाय उपभोक्ताओं और असामाजिक तत्वों का ध्यान आकर्षित करने का हथकंडा बन चुकी थीं। एल्गोरिदम और सर्च ऑप्टिमाइजेशन के जरिए इन विस्फोटकों को खुलेआम प्रमोट किया जा रहा था।

रडार पर पूरा विस्फोटक जखीरा

सीसीपीए की जांच केवल अमोनियम नाइट्रेट तक सीमित नहीं है। प्राधिकरण जिन खतरनाक पदार्थों की डिजिटल उपलब्धता की पड़ताल कर रहा है, उनमें देश को दहलाने की क्षमता रखने वाले गन पाउडर, पिक्रिक एसिड, पीईटीएन और अमोनियम नाइट्रेट जैसे कई रसायन शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	सिंह	मे
चंद्र	सिंह	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	सिंह	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	तुला	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
सिंह	04-30 बजे
कन्या	06-36 बजे
तुला	07-40 बजे
वृश्चिक	10-50 बजे
धनु	13-06 बजे
मकर	15-18 बजे
कुंभ	17-00 बजे
मीन	18-37 बजे
मेष	20-13 बजे
वृष	21-56 बजे
मिथुन	00-01 बजे
कर्क	02-16 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय **06-01**
सूर्यास्त. **18-39**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष शुक्रवार **11 Sep 2026**
तिथि - अमावस्या **08-56** तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी **13-16** तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - साध्य **17-01** तक उप शुभ
करण - नाग **08-56** तक उप किस्तुघ्न

विशेषः देवकार्ये पिठोरी अमावस्या सती पूजा अग्र वंशे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-41 से 12-13 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		
चंचल	06 -01 - 07-37	शुभ
लाभ	07-37 - 09-09	शुभ
अमृत	09-09 - 10-41	शुभ
काल.	19-41 - 12-13	अशुभ
शुभ..	12-13 - 13-45	शुभ
रोग	13-45 - 15-17	अशुभ
उत्पात	15-17 - 16-49	अशुभ
चंचल	16-49 - 18-39	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-39 - 19-49	अशुभ
काल	19-49 - 21-17	अशुभ
लाभ	21-17 - 22-45	शुभ
उत्पात	22-45 - 00-13	अशुभ
शुभ	00-13 - 01-41	शुभ
अमृत	01-41 - 03-09	शुभ
चंचल	03-09 - 04-37	शुभ
रोग	05-37 - 06-01	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है ।किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है । आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ,प्रियजनों के साथ खुश रहें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं ।,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं । आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें । आप आज चिडचिडे और बीमार से महसूस कर रहें हैं

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिच्क्त खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं । आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा । स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है । आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा और उसपर सवाल खड़े किये जायेंगे । यही बेहतर होगा कि आप किसी को अपने खिलाफ राय बनाने का मौका ना दें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी ज़रूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है । आपके निवेश पर अच्छा लाभ मिलेगा । किसी भी तरह के विवाद से बचें .आपका स्पष्टीकरण मुद्दों को जटिल ही करेगा ।आप कुछ नया सीखना चाहते हैं,इससे आपको औरो के मुकाबले तरजीह मिलेगी,चाहे आप केवल साधारण रूप से गिटार ही सीखें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

हनुमान बेनीवाल से भिड़े मेघवाल

फसल बीमा और बजरी खनन पर लगाए गंभीर आरोप

नागौर10 सितंबर (एजेंसियां)। मेड़ता के विधायक लक्ष्मणराम मेघवाल ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की ओर से लगाए गए विभिन्न आरोपों का करारा जवाब दिया है। विधायक ने सांसद को सीधे चेतावनी देते हुए कहा कि गरीब किसान के बेटे से पंगा मत लीजिए, वरना राजस्थान विधानसभा और लोकसभा के चारों तरफ घूमते रहेंगे और अंदर प्रवेश नहीं कर पाएंगे। विधायक मेघवाल ने कहा कि पिछले ढाई साल के दौरान सांसद उनके खिलाफ एक भी आरोप साबित नहीं कर पाए हैं और बचे हुए ढाई साल में भी ऐसा नहीं कर सकेंगे।

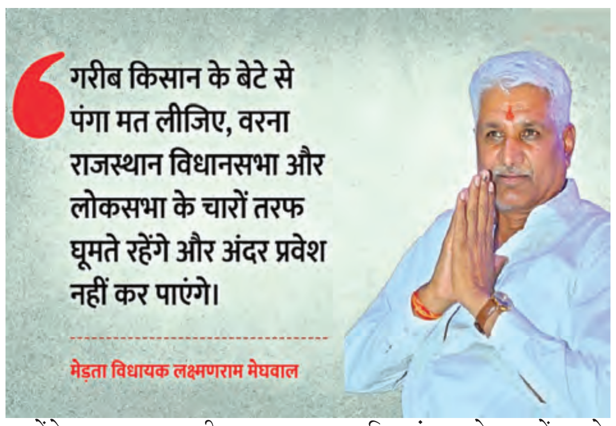

विधायक मेघवाल ने कहा कि नागौर सांसद ने अपने दम पर एक भी चुनाव नहीं जीता है। उन्होंने एक चुनाव भारतीय जनता पार्टी और दूसरा चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन के समर्थन से जीता। साथ ही, विधायक ने सांसद पर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों का श्रेय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सांसद को रात में सपने में भी लक्ष्मणराम मेघवाल ही दिखाई देते हैं। उन्होंने सलाह दी कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप लगाने के बजाय सांसद को अपने और अपने समर्थकों के कामकाज की ओर ध्यान देना चाहिए।

विधायक मेघवाल ने सांसद पर चूना पत्थर पर हुई कार्रवाई, फसल बीमा और बजरी खनन के मामलों में मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब खींवसर क्षेत्र में चूना पत्थर को लेकर बड़ी कार्रवाई हुई थी, तब सांसद ने चुप्पी क्यों साधी रखी।

फसल बीमा पर बोलते हुए विधायक ने दावा किया कि इस मामले में सांसद का एक करीबी व्यक्ति भूमिगत है और पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही है।

उन्होंने कहा कि एक महीने के दौरान सांसद ने इस संवेदनशील मुद्दे पर एक भी ट्वीट नहीं किया, जो इस मामले में उनकी संलिप्तता को उजागर करता है।

हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग में घोटाला मामला

आरएसआरडीसी प्रोजेक्ट डायरेक्टर समेत 3 बड़े अफसर गिरफ्तार

जोधपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के भवन निर्माण कार्य में कथित रूप से घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल के मामले में गिरफ्तारियों का सिलसिला जारी है। पुलिस ने राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम (आरएसआरडीसी) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर (पीडी) सुरेश शर्मा, चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर अजीत कुमार सांघी और विद्युत प्रोजेक्ट डायरेक्टर शिवहरे माहौर को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त पश्चिम कमल शेखावत ने बताया कि हाईकोर्ट भवन निर्माण में निम्न गुणवत्ता की निर्माण सामग्री के इस्तेमाल को लेकर प्रकरण दर्ज किया गया था।

मामले की जांच के दौरान पूर्व में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पांच आरोपियों का पुलिस रिमांड पूरा होने पर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज गया है, जबकि तीन आरोपी रिमांड पर हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता

में कथित अनियमितता के साथ दस्तावेजों और तकनीकी रिपोर्ट की भी जांच की जा रही है। साथ ही निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही से राजकोष को हुए संभावित नुकसान के संबंध में भी आकलन किया जा रहा है। राजस्थान हाईकोर्ट के झालामंड स्थित नए भवन के निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर करीब दो साल पहले कोर्ट ऑफिसर सेल के कर्मचारी शरद जोशी ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में भवन निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

शिकायत के अनुसार, राजस्थान हाईकोर्ट के नए भवन का निर्माण राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से वर्ष 2008 में शुरू कराया गया था। करीब 11 साल बाद दिसंबर 2019 में निर्माण कार्य पूरा हुआ। भवन के निर्माण पर लगभग 220 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया कि भवन के रखरखाव के लिए हर साल करीब 2 करोड़ 20 लाख रुपए का बजट निर्धारित किया जाता है। इसके बावजूद निर्माण कार्य और भवन की गुणवत्ता को लेकर सवाल सामने आए। मामले की जांच के दौरान पुलिस अलग-अलग स्तर के लोगों से पूछताछ कर रही है।निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और इलेक्ट्रीशियन से भी जानकारी जुटाई जा रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने अब तक 50 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया है। जांच में निर्माण से जुड़ी अन्य जानकारियां और संभावित अनियमितताओं के पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है।

अशोक गहलोत बोले- 'बेजेपी को सबक सिखाएं, अकल आएगी, 2 साल काम करेगी'

जोधपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कहना है कि भाजपा सरकार ढाई साल से कांग्रेस सरकार की सभी जनहितैषी योजनाएं बंद कर रही हैं। 25 लाख रुपए तक निशुल्क इलाज वाली चिरंजीवी योजना को बदलकर पांच लाख रुपए तक कर दिया गया। जनता भाजपा सरकार से त्रस्त हो चुकी है। निगम चुनाव महत्वपूर्ण हैं। इसमें भाजपा को सबक सिखाएं और कांग्रेस प्रत्याशियों को जीताकर बोर्ड बनवाएं। ताकि भाजपा के आलाकमान को अक्ल आए और जनता व विकास के लिए योजनाएं तो बनानी शुरू करेंगे। राज्य सरकार के बाकी बचे दो-ढाई साल में कुछ तो काम करेंगे।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने नगर निगम जोधपुर के चुनाव के लिए घंटाघर में आयोजित कांग्रेस की जनसभा को संबोधित

करते हुए यह कहा। उन्होंने जनता से हाथ जोड़कर अपील की कि कांग्रेस का बोर्ड बनाएं। सभा को पूर्व विधायक मनीषा पंवार, महेन्द्र सिंह बिश्नोई, किशनाराम बिश्नोई, वरिष्ठ नेता राजेन्द्र सिंह सोलंकी, करण सिंह उचियारड़ा, वैभव गहलोत, रमेश बोराणा, कीर्ति सिंह, कुश गहलोत, बद्रीराम जाखड़, कुंती परिहार, सुपारस भण्डारी, शहजाद खां आदि ने संबोधित किया।

पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल की योजनाओं की चर्चा पूरे देश में है। चिरंजीवी योजना में 25 लाख रुपए तक फ्री इलाज पूरे विश्व में कहीं नहीं था। भाजपा सरकार ने इसे घटाकर पांच लाख कर दिया है। वृद्धावस्था पेंशन योजना, शहरी रोजगार योजना, अन्नपूर्णा योजना, इंदिरा रसोई योजनाएं शुरू की थी, जो अब बंद हैं। लम्पी से मौत पर प्रति गाय के 40-40 हजार दिए गए थे।

पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में काम की कभी कमी नहीं आने दी। शहर का नक्शा बदसा। शहर में 20 शिक्षक संस्थान व विवि है। कई की बिल्डिंग बन चुकी है, लेकिन भाजपा सरकार शुरू नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि शहरी सड़कों की हालत खराब है। गड्ढे पड़े हैं। गत दिनों सीएम भजनलाल आए तो इन टूटी सड़कों से गाड़ी में हिचकोले खाए थे।

पूर्व सीएम ने कहा कि 15-20 साल की मेहनत के बाद जोधपुर तक नहर बन पाई थी। फिर भी गर्मी में शहरवासी पानी के लिए तरसते रहे। नहर व कायलाना में पानी भरपूर है, लेकिन जनता को वितरण नहीं कर पा रहे हैं।

पूर्व सीएम ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने शहर व गांवों में सरकारी अंग्रेजी माध्यम की स्कूलें शुरू की थी। गांव के बच्चे अंग्रेजी में बोलने लग गए थे, लेकिन भाजपा सरकार ने इन्हें भी बंद कर दिया।

पूर्व सीएम ने कहा कि पहले किसी मंत्री पर आरोप लगते तो तुरंत इस्तीफा देते थे, लेकिन केन्द्र सरकार में मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं। जेन-जी ने सरकार झुकाई।

आचार संहिता के उल्लंघन पर कांग्रेस प्रत्याशी का एएसआई पति सस्पेंड

अजमेर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर नगर निगम में अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित वार्ड-61 का चुनाव खासा चर्चित हो गया है। यहां बीजेपी और कांग्रेस की महिला प्रत्याशियों के बीच मुकाबले के साथ दोनों के पुलिस अधिकारी पति भी चर्चा में हैं। बीजेपी प्रत्याशी के पति, यहां सिविल लाइंस थाने में तैनात एएसआई ने चुनाव से पहले उचित कारण बताते हुए अवकाश ले लिया। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी के पति, अरांई थाने में पदस्थापित सहायक उप निरीक्षक पर चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन का मामला सामने आने पर पुलिस अधीक्षक ने निलंबित कर दिया। कार्रवाई के बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल ने एसपी पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए आपत्ति जताई है। वहीं, एसपी ने मामले में विभागीय जांच की बात कही है।

वार्ड-61 में बीजेपी ने राकेशी मीणा को प्रत्याशी बनाया है। जबकि कांग्रेस से मीनाक्षी मीणा चुनाव मैदान में हैं। दोनों प्रत्याशियों के पति पुलिस में सहायक उपनिरीक्षक के पद पर तैनात हैं। ऐसे में चुनावी मुकाबला राजनीतिक होने के साथ पुलिस विभाग के स्तर पर भी चर्चा का विषय बन गया है। बीजेपी प्रत्याशी के पति एएसआई मनोज कुमार मीणा सिविल लाइंस थाने में तैनात एएसआई हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने चुनाव से पूर्व उचित कारण बताते हुए अवकाश ले लिया। दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी के पति एएसआई हरफूल मीणा अरांई थाने में पदस्थापित हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी के पति एएसआई हरफूल मीणा पर चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन का मामला सामने आया। प्रकरण की जानकारी पुलिस अधिकारियों तक पहुंचने के बाद एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने उन्हें निलंबित कर विभागीय जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं।

पुलिस अधिकारी के निलंबन के बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल ने कार्रवाई पर भी आपत्ति जताई है। उनका आरोप है कि पुलिस प्रशासन ने दोनों मामलों में अलग-अलग मापदंड अपनाए हैं। कांग्रेस की ओर से सवाल उठाया गया है कि जब एक पुलिस अधिकारी की पत्नी चुनाव लड़ रही है तो दूसरे पुलिस अधिकारी के खिलाफ ही कार्रवाई क्यों की गई? उन्होंने पुलिस कप्तान पर भेदभाव के आरोप लगा कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट के अपहरण की कोशिश

भागते समय बाइक से टकराकर नाले में गिरी कार, बदमाश फरार

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के सेंट्रल पार्क की पार्किंग से दो बदमाशों ने 50 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट राजीव गुप्ता के अपहरण की कोशिश की। दोनों बदमाश पिस्टल और चाकू लेकर उनकी मर्सिडीज कार में घुस गए और उन्हें जबरन अपने साथ ले जाने लगे। सीए ने चलती कार का गेट खोलकर मदद के लिए शोर मचाया। इसी दौरान कार चला रहे बदमाश का नियंत्रण बिगड़ गया और कार आगे चल रही बाइक से टकराकर सड़क किनारे नाले में पलट गई। हादसे के बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। बता दें कि मामला जयपुर के अशोक नगर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। एसीपी पूनम ने बताया कि राजीव गुप्ता ने अशोक नगर थाने में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ आरोपियों की पहचान के प्रयास कर रही है। डीसीपी साउथ राजर्षि राज वर्मा ने मामले में स्पेशल टीम का गठन किया है। राजीव गुप्ता ने पुलिस को बताया, वह रोज सुबह करीब 6.30 बजे सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए आते हैं। गुरुवार सुबह करीब एक घंटे बाद यानी 7.30 बजे वह घर जाने के लिए पार्क के गेट नंबर-4 से बाहर निकले। पार्किंग में अपनी कार के पास पहुंचकर जैसे ही उन्होंने कार का गेट खोला, एक बदमाश पिस्टल लेकर पीछे की सीट पर बैठ गया। सीए गुप्ता के मुताबिक, वह कुछ समझ पाते, इससे पहले ही दूसरे बदमाश ने उन्हें ड्राइविंग सीट से धक्का देकर नीचे किया और चाकू लेकर खुद ड्राइविंग सीट पर बैठ गया। इसके बाद दोनों बदमाश उन्हें कार में लेकर आमेर की तरफ निकल गए। राजीव गुप्ता ने पुलिस को बताया कि बदमाश कार को तेज रफ्तार में आमेर की तरफ ले जा रहे थे। रास्ते में दोनों ने उन्हें हथियार दिखाकर धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। पीछे बैठा बदमाश लगातार उन पर पिस्टल ताने हुए था। गुप्ता के अनुसार, दोनों आरोपियों की उम्र करीब 25 से 30 साल के बीच थी। गुप्ता ने पुलिस को बताया कि आरोपी शहर से होते हुए कार को दिल्ली रोड की तरफ ले गए। करीब 15 किलोमीटर दूर पीली की तलाई इलाके के पास उन्होंने चलती कार का गेट खोल दिया और अपने पैर बाहर लटकाकर मदद के लिए चिल्लाने लगे।

एक करोड़ के जेवर-हीरे चम्बल के बीहड़ों में दबाए

पुलिस ने 200 कैमरे खंगालकर दबोचा

उदयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। करीब सवा महीने पहले पंचवटी स्थित ज्वैलरी शोरूम में एक करोड़ की चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश हो गया है। पुलिस ने जहां पहले 2 बदमाशों को दबोचा था, वहीं अब सरगना सहित तीन को गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तरप्रदेश के पिनाहट और शमशाबाद में चम्बल के बीहड़ों की शातिर अन्तरराज्यीय गैंग से जुड़े हैं। उन्होंने चोरी का माल बीहड़ों में गड्ढे खोदकर दबा दिया था, जिसे पुलिस ने बरामद किया है। एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि सरगना पुरा नत्था झोरिया पिनाहट आगरा निवासी आनन्द उर्फ कुकडीया वर्मा, धनपाल उर्फ धान्धु वर्मा और नगला मुक्ता थाना शमशाबाद आगरा निवासी गुड्डू राठौड़ को गिरफ्तार किया गया। धनपाल के विरुद्ध 3, आनन्द के विरुद्ध 2 केस दर्ज हैं। गिरोह का पता लगाने के लिए एएसपी सिटी

उमेश ओझा, नगर पश्चिम वृताधिकारी राजेश यादव के सुपरविजन और थानाधिकारी राजूदेवी राज के नेतृत्व में कई टीमें जुटी थीं। गत 29 जुलाई को पंचवटी स्थित नवीन ज्वैलर्स शोरूम में एक करोड़ की चोरी हुई थी। प्रोपराइटर नवीन स्वरूपरिया ने हाथीपोल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि चोर दुकान का साइड का शटर उखाड़कर और कांच का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे थे। करीब 22 लाख के हीरे, 390 ग्राम सोने के जेवर, 12 किलो चांदी के जेवर व बर्तन और 9.75 लाख नकद यानी 1 करोड़ का माल ले गए।

पुलिस टीमों ने उदयपुर शहर के कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसमें पांच संदिग्ध वारदात से पहले दुकान की रैकी करते नजर आए थे। रूट ट्रैक करने पर सिटी रेलवे स्टेशन से चित्तौड़गढ़ की तरफ जाना सामने आया। पुलिस ने चित्तौड़गढ़, कोटा, बारां, धौलपुर और ग्वालियर से लेकर आगरा तक 200 कैमरों की कड़ियां जोड़ी तो चंबल बीहड़ तक जा पहुंचे।

पुलिस ने बीहड़ों में सूचना जुटाकर आरोपियों के ठिकानों पर घेराबंदी कर दबिश दी। उनकी निशानदेही पर बीहड़ के बीच खेतों में गड्ढे खोदकर छिपाया गया 60 लाख का चोरी का माल बरामद किया। अब तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। गैंग के अन्य फरार सदस्य मनोज उर्फ डॉक्टर वर्मा की तलाश और शेष माल की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। गैंग के दो सदस्य मनोज वर्मा और आनंद वर्मा वारदात से 2 माह पहले मजदूरी करने उदयपुर आए थे। उन्होंने ज्वैलरी शोरूम की रैकी की और गैंग को बुलाया। पास के नाले से सेंधमारी की। आरोपियों ने वारदात के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल नहीं किया। भागते हुए लगातार ट्रेन व बसें बदलते रहे और हर बार नकद भुगतान किया ताकि डिजिटल या फिजिकल साक्ष्य नहीं छूटे।

जयपुर में रनवे छूते ही फिर हवा में उठा इंडिगो का विमान, 20 मिनट बाद सुरक्षित लैंडिंग

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर हवाई अड्डे पर बृहस्पतिवार दोपहर उदयपुर से आ रही इंडिगो की फ्लाइट लैंडिंग के दौरान रनवे को छूने के तुरंत बाद फिर से हवा में उड़ गई। विमान के पायलट ने लैंडिंग की प्रक्रिया को बीच में ही रोकते हुए गो-अराउंड करने का निर्णय लिया। इंडिगो की इस उड़ान संख्या 6E-7516 ने रनवे पर टचडाउन करने के बाद दोबारा ऊंचाई भर ली। पायलट ने लगभग 20 मिनट तक हवा में अतिरिक्त चक्कर लगाने के बाद दोपहर 1:02 बजे विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई। इंडिगो की यह फ्लाइट तय शेड्यूल के मुताबिक दोपहर 12:50 बजे जयपुर हवाई अड्डे पर पहुंचती है। बृहस्पतिवार को इस फ्लाइट ने जयपुर हवाई अड्डे पर लैंडिंग के लिए दोपहर करीब 12:42 बजे अप्रोच किया था। विमान रनवे पर टचडाउन कर चुका था, लेकिन ठीक उसी दौरान पायलट ने लैंडिंग को अबॉर्ट करते हुए दोबारा टेकऑफ कर लिया। रनवे को छूने के बाद विमान के फिर से हवा में उठ जाने के कारण हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए स्थिति पर गंभीरता से नजर रखी जाने लगी। विमान के अचानक दोबारा टेकऑफ करने के बाद हवाई अड्डे पर कुछ समय के लिए सतर्कता बढ़ा दी गई। इस अतिरिक्त राउंड के दौरान फ्लाइट में सवार यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा को लेकर हवाई अड्डे पर संबंधित सभी टीमें लगातार अलर्ट मोड पर रहीं। विमान ने जयपुर के आसमान में करीब 20 मिनट का अतिरिक्त चक्कर लगाया। यह अतिरिक्त राउंड सफलता के साथ पूरा करने के बाद पायलट ने दोबारा लैंडिंग के लिए अप्रोच किया और दोपहर 1:02 बजे विमान को सुरक्षित रूप से रनवे पर उतार लिया। एविएशन सेक्टर में लैंडिंग के समय यदि पायलट को लगता है कि विमान का अप्रोच निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं है या किसी वजह से सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, तो वह गो-अराउंड का निर्णय ले सकता है। इस सुरक्षा प्रक्रिया के तहत विमान को रनवे पर उतारने के बजाय दोबारा टेकऑफ कराया जाता है और स्थितियां अनुकूल होने पर फिर से लैंडिंग कराई जाती है।

जयपुर सेंट्रल जेल में पूर्व विधायक की मौज!

जांच में मोबाइल फोन मिलने के बाद मचा हड़कंप

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बहरोड़ से पूर्व विधायक बलजीत यादव के खिलाफ एक और केस दर्ज हो गया है। जयपुर सेंट्रल जेल में बंद बलजीत यादव के खिलाफ जयपुर के लाल कोठी थाने में प्रिजन्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ है। जेल में बंद बलजीत यादव के पास एक मोबाइल फोन मिला है जिसके बाद जेल प्रहरी विष्णु जाट ने एफआईआर दर्ज कराई है। मामले की जांच एएसआई सूरजमल कर रहे हैं।

जेल प्रशासन की ओर से समय-समय पर तलाशी अभियान चलाया जाता है। पिछले दस दिन में अलग-अलग बार चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान जेल में मोबाइल मिलने के कई मामले सामने आ चुके हैं। गत दस दिनों में बीस से ज्यादा कैदियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। जेल में चले तलाशी अभियान के दौरान वार्ड नंबर पांच में बंद पूर्व विधायक बलजीत यादव के पास भी मोबाइल फोन मिला। मोबाइल में सिम और बैटरी भी थी। ऐसे में जेल प्रशासन ने यादव के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

बहरोड़ से पूर्व विधायक बलजीत यादव खेल सामग्री खरीद घोटाले में गिरफ्तार हुए थे जिसके बाद उन्हें जेल भेजा गया था। वे पिछले सात महीने से जयपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 3 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया था। दो बार रिमांड लेने के बाद 7 फरवरी को उन्हें जेल भेजा गया था। तब से वे जयपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं।

जून के अंतिम सप्ताह में राजस्थान हाईकोर्ट में पूर्व विधायक बलजीत यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई थी। यादव के वकील की ओर से तर्क दिया गया कि एसीबी में दर्ज मामले पर स्टे है। इसके बावजूद भी ईडी ने राजनैतिक द्वेषता के तहत गिरफ्तार किया है। उधर ईडी के वकील ने तर्क दिया कि आरोपी के निर्देश पर ही चार अलग अलग लोगों ने अलग अलग नाम से फर्म बनाई और फिर फर्जी तरीके से खेल सामग्री की खरीद कई गुना रेट में की गई थी। ईडी के वकील ने मामले का सूत्रधार बलजीत यादव को ही बताया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट के जज रवि चिरानिया की बेंच ने बलजीत यादव की जमानत खारिज कर दी थी। अब बलजीत यादव एक जेल में मोबाइल मिलने के मामले में फंस गए हैं।

12 लोगों को रौंदने की जांच क्यों नहीं हुई?

हाईकोर्ट पुलिस जांच पर नाराज नागौर एसपी को किया तलब

जोधपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रियां बड़ी क्षेत्र में बजरी से जुड़े मामले में पुलिस की जांच प्रक्रिया पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान 12 लोगों को कैंपर से रौंदने की कथित घटना की अब तक जांच नहीं होने पर नाराजगी जताई। साथ ही हाईकोर्ट ने नागौर पुलिस अधीक्षक को दोनों मामलों से जुड़ी पूरी जानकारी के साथ व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का निर्देश दिया।

अदालत ने संबंधित थाना प्रभारी से मामले की जांच के तरीके पर जवाब मांगा था। थाना प्रभारी जांच में कथित दोहरे मापदंड और पक्षपातपूर्ण रवैये को लेकर कोर्ट को संतुष्ट नहीं कर पाए। इसके बाद हाईकोर्ट ने नागौर पुलिस अधीक्षक को तलब किया। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता पंकज चौधरी ने पक्ष रखा। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर 2026 को होगी।

रियां बड़ी क्षेत्र में बजरी से जुड़े मुद्दे को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान 20 से ज्यादा ग्रामीणों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के मेड़ता विधानसभा बीएलए-1 सुरेंद्र बेड़ा ने पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। उन्होंने जोर दिया कि ग्रामीणों ने बजरी से जुड़े मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई थी, इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि 12 लोगों को कैंपर से रौंदने की घटना हुई है, तो उसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। केवल प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करना सही नहीं है।

नशे की ऑनलाइन डिलीवरी का भंडाफोड़: पढ़ने आए थे बन गए ड्रग्स सप्लायर; बी-फार्मा छात्र गिरफ्तार

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में नशे की पार्टियों और घरों तक ऑनलाइन मादक पदार्थ पहुंचाने वाले नेटवर्क का एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने भंडाफोड़ किया है। मानसरोवर स्थित सिटी पार्क के पास किराए के कमरे में दबिश देकर टीम ने 439 ग्राम एमडी और 466 ग्राम अफीम बरामद की। मौके से मादक पदार्थों की पैकिंग और डिलीवरी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी मिली। कार्रवाई में बाड़मेर के धोरीमन्ना निवासी मनीष ढाका (20) और गोपीकृष्ण उर्फ प्रिंस (20) को गिरफ्तार किया गया। आईजी विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि सिटी पार्क के पास एक मकान में दो युवक मादक पदार्थ लेकर सप्लाई की तैयारी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर दबिश दी और दोनों युवकों को पकड़ लिया। कमरे की तलाशी लेने पर एमडी और अफीम के अलावा इलेक्ट्रॉनिक कांटा, पुराने और नए जिप लॉक पाउच, पैकिंग थैलियां, ई-कॉमर्स कंपनियों के लेबल वाली पार्सल थैलियां और 11 खाली गत्ते के बॉक्स मिले।

पूछताछ में सामने आया कि मनीष ढाका वर्ष 2023 में बी-फार्मेसी की पढ़ाई करने जयपुर आया था। यहां कुछ दोस्तों ने उसे अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई से मोटी कमाई का लालच दिया। इसके बाद उसका संपर्क बाड़मेर के एक तस्कर से कराया गया। बताया जा रहा है कि उक्त तस्कर का जयपुर में पहले से नेटवर्क सक्रिय था। मनीष ने बाद में अपने दोस्त गोपीकृष्ण को भी इस अवैध कारोबार में शामिल कर लिया। जांच में पता चला कि बाड़मेर में बैठा मुख्य सप्लायर अलग मोबाइल फोन के जरिए आरोपियों से संपर्क करता था। वह वाट्सऐप पर मादक पदार्थ की मात्रा, प्रकार और डिलीवरी की लोकेशन भेजता था। इसके बाद आरोपी रैपिडो और पोर्टर जैसी ऑनलाइन सेवाओं से राइड बुक कर नशे के पार्सल ग्राहकों तक पहुंचाते थे। इसके बदले उन्हें प्रति राइड करीब 200 रुपए मिलते थे। रात में राइड और कूरियर सेवाएं बंद होने के बाद आरोपी नशे की पुड़िया किसी तय स्थान पर छिपा देते थे। इसके बाद उसकी फोटो और लोकेशन ग्राहक को वाट्सऐप के जरिए भेज दी जाती थी। पुलिस से बचने के लिए आरोपियों ने अलग-अलग किराए के कमरे और ठिकाने भी बदल रखे थे।

विपक्षी सदस्यों ने पुलिस और जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार किया : रेवंत रेड्डी

> सीएलपी बैठक में मुख्यमंत्री ने विधायकों को दिए दिशा-निर्देश

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के एक हजार दिन पूरे होने के अवसर पर सरकार द्वारा लिए गए फैसलों तथा विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से विधानसभा का संचालन किया जा रहा है। सीएलपी बैठक में उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल बीआरएस ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में फार्महाउस में बैठक कर विधानसभा की कार्यवाही बाधित करने की साजिश रची। सत्ता गंवाने के बावजूद अहंकार नहीं छोड़ने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने पुलिस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया तथा तीन दिनों तक सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से नहीं चलने दी। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला अधिकारियों के सामने टी-शर्ट उतारकर उन्हें असहज करने की कोशिश की गई और विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ भी बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एससी सेल की ओर से विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जाने के बाद दलितों के पैदल चलने वाली जगह को कथित रूप से पीले पानी से शुद्ध कर उनका अपमान किया गया।

उन्होंने विपक्ष की कथित साजिश का मजबूती से जवाब देने और घटनाओं को जनता के सामने रखने के लिए पार्टी सदस्यों की सराहना की तथा कहा कि घटनाओं की जांच शुरू कर दी गई है। रेवंत रेड्डी ने विधायकों से सदन की चर्चाओं में अनिवार्य रूप से भाग लेने और उपस्थिति कम नहीं होने देने को कहा। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा दिए गए पद और जिम्मेदारी का उचित उपयोग नहीं करने वाले नेता भविष्य में राजनीतिक रूप से आगे नहीं बढ़ पाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी सदस्यों की सुविधा के लिए ऐतिहासिक भवन में विधान परिषद की बैठकें आयोजित की जा रही हैं और विधानसभा में सेंट्रल हॉल का उद्घाटन कर उसका नाम दुद्दिल्ला श्रीपाद राव के नाम पर रखा गया है। मुख्यमंत्री ने विधायकों से अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों की समस्याओं को सदन में प्रमुखता से उठाने तथा सत्र के सभी दिनों में पूर्ण उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस से राजनीतिक अवसर प्राप्त करने वाले कुछ नेता अब उसी पार्टी को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने सवाल किया कि यदि कांग्रेस ने सुनीता लक्ष्मा रेड्डी और सबिता इंद्रा रेड्डी को अवसर नहीं दिया होता तो क्या वे राज्यस्तरीय नेता बन पातीं। पुलिसकर्मियों के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर उन्होंने कहा कि शायद केटीआर को पुलिस कर्मचारियों में भी रेवंत रेड्डी नजर आ रहे थे, जिसके कारण अधिकारियों के प्रति इतना आक्रोश दिखाया गया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना द्वारा कराई गई जातिगत जनगणना देश के लिए एक मॉडल है और यह राज्य की उपलब्धि है। केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की जरूरत बताते हुए उन्होंने कहा कि जनगणना में तेलंगाना मॉडल के अनुरूप जातिगत गणना कराई जानी चाहिए। एसआईआर के नाम पर मतदाताओं के नाम हटाने की कथित साजिश पर भी मुख्यमंत्री ने चिंता जताई और प्रत्येक विधायक को मताधिकार की रक्षा के मुद्दे को गंभीरता से लेने को कहा।

आंध्र प्रदेश के सिंचाई क्षेत्र में 'साइलेंट रिवॉल्यूशन' : पय्यावुला केशव

अमरावती, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने कहा कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में राज्य के सिंचाई क्षेत्र में 'साइलेंट रिवॉल्यूशन' हो रहा है। कलेक्टरों के सम्मेलन में उन्होंने हैंद्री-नीवा परियोजना, पोलावरम लेफ्ट मेन कैनाल और पट्टीसीमा लिफ्ट इरिगेशन परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार किसानों और परिवारों के लिए जल सुरक्षा मजबूत करने पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पट्टीसीमा परियोजना कृष्णा डेल्टा के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है और इसके माध्यम से करीब 500 टीएमसी पानी कृष्णा नदी में पहुंचाया गया। केशव ने कहा कि नायडू द्वारा सिंचाई क्षेत्र में किए गए कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर किसान और हर क्षेत्र के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।

चाकली इलम्मा की संघर्ष भावना को युवा आगे बढ़ाएं : मंत्री वाकिटी

दबे-कुचले वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष ही इलम्मा को सच्ची श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष की वीरांगना और बहुजन वर्गों के अधिकारों के लिए साहसपूर्वक लड़ने वाली चाकली इलम्मा की पुण्यतिथि पर बुधवार को रविंद्र भारती में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्य के मंत्री पोन्नम प्रभाकर, वाकिटी श्रीहरि, सरकार के विशेष सलाहकार वी. हनुमंतराव, बीसी आयोग के अध्यक्ष निरंजन और विधायक वीरलापल्ली शंकर ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों ने चाकली इलम्मा के चित्र पर पुष्पमालाएं अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार तेलंगाना को विकास के मार्ग पर आगे ले जा रही है और सामाजिक न्याय तथा गरीब एवं कमजोर वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि चाकली इलम्मा की सेवाओं और संघर्ष भावना को सम्मान देते हुए एक मेडिकल कॉलेज का नाम उनके नाम पर रखा गया है। सरकार जनता के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं लागू कर रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कराई जा रही जनगणना में पिछड़ा वर्ग (बीसी) की आबादी की भी सही गणना की जानी चाहिए। बीसी वर्ग को आबादी के अनुपात में न्याय दिलाने के लिए सटीक आंकड़े आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि चाकली इलम्मा जैसी महान विभूतियों के आदर्शों के अनुरूप सरकार सामाजिक न्याय, समानता और आत्मसम्मान के लिए कार्य करती रहेगी। मंत्री वाकिटी श्रीहरि ने कहा कि चाकली इलम्मा बहुजन और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली महान योद्धा थीं। उन्होंने सामाजिक अन्याय, शोषण और सामंती व्यवस्था का विरोध करते हुए गरीबों एवं कमजोर वर्गों के पक्ष में मजबूती से आवाज उठाई।

ताता मधु को तत्काल गिरफ्तार किया जाए : मधु याश्की गौड़

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रचार समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद मधु याश्की गौड़ ने विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद के खिलाफ बीआरएस एमएलसी ताता मधु द्वारा कथित रूप से की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों की निंदा करते हुए उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। मधु याश्की गौड़ ने कहा कि शांत स्वभाव और सभी के प्रति सम्मानजनक व्यवहार के लिए जाने जाने वाले विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र एवं अनुचित भाषा का इस्तेमाल करना बेहद निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि ताता मधु ने अध्यक्ष की माता को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की, जो उनकी मानसिकता और अहंकार को दर्शाता है। उन्होंने सवाल किया कि दलित समुदाय से आने वाले विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ इस तरह की कथित अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। मधु याश्की ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेतृत्व और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के परिवार का दलितों के प्रति शुरू से ही भेदभावपूर्ण रवैया रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर ने दलित मुख्यमंत्री बनाने का वादा कर लोगों को गुमराह किया और एक दलित नेता को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि दलितों के उच्च पदों पर पहुंचने को लेकर बीआरएस नेतृत्व की कथित असहिष्णुता सामने आती रही है। मधु याश्की गौड़ ने मांग की कि एमएलसी ताता मधु के खिलाफ अनुसूचित जाति एव अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर तत्काल गिरफ्तार किया जाए। साथ ही उन्होंने विधान परिषद की उनकी सदस्यता रद्द करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के बावजूद केसीआर या बीआरएस की ओर से माफी नहीं मांगी गई, जो उनके अनुसार पार्टी के अहंकार को दर्शाता है। मधु याश्की ने दावा किया कि केसीआर सरकार के दस वर्षों के शासन के दौरान किए गए कथित वादाखिलाफी और नीतियों से नाराज होकर दलित समुदाय ने बीआरएस से दूरी बनाई है और भविष्य में भी पार्टी को इसका राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

किसानों का आंदोलन कांग्रेस सरकार की विफलता का प्रमाण : हरीश राव

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के पैतृक गांव कोंडारेड्डीपल्ली के पास किसानों के बिजली संकट के खिलाफ प्रदर्शन को कांग्रेस सरकार की विफलता करार दिया। उन्होंने कहा कि बिजली की कमी से परेशान किसानों का ट्रैक्टरों के साथ श्रीशैलम-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर उतरना सरकार की स्थिति को उजागर करता है। हरीश राव ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले 24 घंटे बिजली देने का वादा करने वाली कांग्रेस सरकार किसानों को 6 से 8 घंटे भी पर्याप्त बिजली नहीं दे पा रही है, जिससे फसलें सूख रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से कृषि क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि कोंडारेड्डीपल्ली के किसानों की समस्या हल नहीं कर पाने वाली सरकार पूरे तेलंगाना के लाखों किसानों की समस्याओं का समाधान कैसे करेगी।

यूएफईआरडब्ल्यूएएस के जीएचएमसी चैप्टर की कमान संभालेंगे वाई. बाबजी

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अधिवक्ता वाई. बाबजी को यूनाइटेड फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशंस (यूएफईआरडब्ल्यूएएस), तेलंगाना के ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चैप्टर का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। वाई. बाबजी को रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशनों के कामकाज का लंबा अनुभव है। उन्होंने 1980 के दशक में बागलिंगमपल्ली आरडब्ल्यूए से अपनी सामाजिक सक्रियता शुरू की। इसके बाद 2000 के दशक में संजीव रेड्डी नगर आरडब्ल्यूए से जुड़े और हाल के वर्षों में कुकटपल्ली स्थित धरणी नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की सलाहकार परिषद के संयोजक के रूप में भी कार्य किया। फेडरेशन की आमसभा की अध्यक्षता यूएफईआरडब्ल्यूएएस और कॉन्फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशंस (सीओआरडब्ल्यूए) के संस्थापक डॉ. राव वीबीजे चेलिकानी ने की। बाबजी राज्य फेडरेशन के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य करेंगे और उन्हें यूएन-हैबिटेट से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा वह कॉन्फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशंस ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी होंगे। आमसभा में सागरम श्रीधर को मलकाजगिरी म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (एमएमसी) चैप्टर तथा रामना ईश्वरगिरी को साइबराबाद म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (सीएमसी) चैप्टर का अध्यक्ष चुना गया। वाई. बाबजी राज्य सरकार में विभिन्न जिम्मेदारियों पर कार्य कर चुके हैं। वह पूर्व में पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) में राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

काचीगुड़ा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म-1 की ओर एकीकृत टिकट काउंटर शुरू

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की सुविधा और टिकटिंग व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल ने काचेगुड़ा रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर गेट नंबर-2 के पास एकीकृत पीआरएस-कम-यूटीएस टिकट काउंटर की सुविधा शुरू की है। यह काउंटर 18 अगस्त 2025 से संचालित हो रहा है।

रेलवे के अनुसार, इस सुविधा के जरिए यात्री अनारक्षित टिकट (यूटीएस) प्राप्त कर सकते हैं। अनारक्षित टिकटों के लिए यह सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है, जबकि आरक्षित टिकट (पीआरएस) सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक बुकिंग काउंटर नंबर-2 पर जारी किए जाते हैं। व्यस्त समय में यात्रियों की भीड़ और प्रतीक्षा समय कम करने के लिए एकीकृत काउंटर पर अनारक्षित टिकट जारी करने को प्राथमिकता दी जाएगी। स्टेशन के दूसरी ओर यात्रियों की सुविधा के लिए गोलनाका प्रवेश द्वार पर भी समर्पित पीआरएस काउंटर पूरी तरह कार्यरत हैं। ये काउंटर 17 जून 2023 से प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार, दोनों ओर टिकटिंग सुविधाएं उपलब्ध होने से यात्रियों को अनावश्यक कतारों और भीड़ से राहत मिलेगी तथा काचेगुड़ा स्टेशन से यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों के लिए टिकट खरीदना और ट्रेन में सवार होना अधिक सुविधाजनक होगा। हालांकि, रेलवे ने बताया कि मौजूदा टिकट काउंटरों का उपयोग रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित मानक से काफी कम है।

गणेश विसर्जन जुलूसों के लिए ट्रैफिक पुलिस ने कसी कमर

> सार्वजनिक सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए तैयारियां तेज

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी गणेश उत्सव और विसर्जन जुलूसों के मद्देनजर हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने शहर में यातायात प्रबंधन, सार्वजनिक सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। हैदराबाद ट्रैफिक के संयुक्त पुलिस आयुक्त जोएल डेविस ने ट्रैफिक निरीक्षकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने सभी अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर तैयारियों से जुड़े लंबित कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को गणेश प्रतिमाओं के जुलूस मार्गों का निरीक्षण करने, फ्लाईओवर और अंडरपास की ऊंचाई की जांच करने तथा यातायात डायवर्जन की योजनाएं तैयार करने को कहा गया है। इसके अलावा गणेश पंडालों और प्रतिमाओं की बिक्री वाले स्थानों पर भी यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं। खैरताबाद गणेश प्रतिमा के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। तैयारियों के तहत पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग, दिशा-सूचक बोर्ड, अस्थायी शौचालय, पार्किंग व्यवस्था और पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों को सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को भरने का काम समय पर पूरा करने तथा प्रमुख जुलूस मार्गों की निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बैरिकेडिंग व्यवस्था, बंदोबस्त बल और वीआईपी आवाजाही को लेकर भी समीक्षा की गई। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को जीएचएमसी, अन्य विभागों और गणेश उत्सव आयोजकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सभी कार्य समय पर पूरा करने को कहा।

आत्महत्या नहीं, समस्याओं का डटकर सामना करें : डीजीपी सी.वी. आनंद

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर तेलंगाना के डीजीपी सी.वी. आनंद ने पुलिसकर्मियों और आम लोगों से आत्महत्या जैसे कदम नहीं उठाने तथा जीवन की कठिन परिस्थितियों का साहस के साथ सामना करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि पिछले चार महीनों में तेलंगाना पुलिस विभाग के दो कर्मचारियों की आत्महत्या की घटनाएं उन्हें बेहद विचलित करने वाली हैं। इनमें युवा और मध्यम आयु वर्ग के कांस्टेबलों का शामिल होना और भी दुखद है। इन घटनाओं की जांच में ऑनलाइन बेटिंग के कारण कर्ज में डूबना प्रमुख वजह सामने आई है। डीजीपी ने बताया कि कुछ कर्मचारियों ने कर्ज चुकाने के लिए जमीन बेच दी, जबकि कुछ ने मित्रों और सहकर्मियों से उधार लिया तथा कुछ ने ऊंची ब्याज दर पर पैसे लिए। उन्होंने कहा कि आर्थिक परेशानियों और कर्ज के दबाव को आत्महत्या का समाधान समझना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

डीजीपी ने पुलिसकर्मियों से ऑनलाइन बेटिंग और गेमिंग से पूरी तरह दूर रहने तथा शराब, ड्रग्स, गांजा और अन्य व्यसनों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि आर्थिक समस्याओं और कर्ज की जानकारी जीवनसाथी व परिवार के सदस्यों से छिपाने के बजाय उनके साथ साझा करनी चाहिए, ताकि समय रहते समाधान तलाशा जा सके। उन्होंने पुलिस विभाग के कर्मचारियों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देने की बात कहते हुए कहा कि किसी भी परेशानी की स्थिति में उच्चाधिकारियों से संपर्क कर सहायता ली जा सकती है। डीजीपी ने तेलंगाना पुलिस के करीब 93 हजार कर्मचारियों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे अपने ऊपर निर्भर परिवार, बच्चों और माता-पिता के भविष्य के बारे में सोचें और आत्महत्या जैसा कदम न उठाएं। उन्होंने पुलिसकर्मियों से व्यसनों से दूर रहकर साहस के साथ जीवन जीने का आह्वान किया।

न्यूनतम वेतन नीति की आईएलओ ने सराहना की : विवेक

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, ऊर्जा एवं खान मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने तेलंगाना सरकार की न्यूनतम वेतन नीति की सराहना की है और अन्य राज्यों को भी तेलंगाना मॉडल अपनाने का सुझाव दिया है। सवालों के जवाब में मंत्री ने कहा कि न्यूनतम वेतन लागू करने में तेलंगाना देश के लिए एक मॉडल बनकर उभरा है। कांग्रेस सरकार श्रमिकों को उचित मजदूरी और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा उनके कल्याण से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न उद्योगों और संस्थानों में 1.10 करोड़ से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं और संशोधित न्यूनतम वेतन 1 जून 2026 से सरकारी आदेश संख्या-6 के माध्यम से लागू किया गया है।

बीआरएस नेताओं को अपना रवैया बदलना चाहिए : बालमूर वेंकट

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक एवं एमएलसी डॉ. बालमूर वेंकट ने बीआरएस नेताओं पर विधानसभा के बाहर कथित तौर पर अनुशासनहीन व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि पार्टी के नेताओं ने अपना रवैया नहीं बदला तो जनता उन्हें उचित जवाब देगी।

मीडिया प्वाइंट पर जारी बयान में बालमूर वेंकट ने कहा कि दलितों द्वारा धरना दिए गए स्थान को पीले पानी से शुद्ध करने जैसी घटनाओं के बजाय बीआरएस नेताओं को पहले अपनी सोच और मानसिकता बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विधानसभा के गेट के पास हुई कथित घटना को पूरे समाज ने लाइव देखा है और अब उसे एआई से तैयार सामग्री बताकर बचने का प्रयास करना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की समस्याओं को विधानसभा में उठाने की जिम्मेदारी निभाने वाले विपक्षी सदस्य सार्वजनिक रूप से आपसी झगड़े और पुलिस के साथ टकराव की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि फार्म हाउस में केसीआर की ट्रेनिंग और विधानसभा गेट पर केटीआर की फाइटिंग जैसी स्थिति बीआरएस की कार्यशैली को दर्शाती है। बालमूर वेंकट ने आरोप लगाया कि केसीआर से प्रशंसा पाने के लिए केटीआर और हरीश राव तथा उनसे आगे उनके विधायक एवं एमएलसी प्रतिस्पर्धा करते हुए पुलिस पर हमले तक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ भी कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया।

पुरबिया प्रजापति समाज का बीज महोत्सव 12 को

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोअर टैंकबंड स्थित जगदीश मंदिर में पुरबिया प्रजापति समाज हैदराबाद सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के सानिध्य में एक शाम श्री श्रीमादे माताजी के नाम का कार्यक्रम 12 सितम्बर व 13 सितम्बर को प्रातः वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी आयोजित किया जायेगा।

समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भादवा सुदी एकम शनिवार 12 सितम्बर सायं 7.15 बजे से श्री श्रीयादे माताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर रात्रि 9.15 बजे से जागरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें विक्रम कुमार प्रजापति एंड पार्टी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। भादवा सुदी दूज (बीज) रविवार 13 सितम्बर प्रातः वेला में समाज बन्धुओं द्वारा माई के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना, पूजा-अर्चना एवं समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए प्रातः 11.30 बजे से महाप्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी।

आंध्र प्रदेश में बनेगा सरकारी भूमि बैंक पोर्टलः चंद्रबाबू नायडू

अमरावती , 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में उपलब्ध सरकारी जमीन का व्यापक रिकॉर्ड तैयार करने के लिए 'गवर्नमेंट लैंड बैंक पोर्टल' विकसित करने का निर्देश दिया है। आठवें जिला कलेक्टर सम्मेलन में उन्होंने विभिन्न विभागों के पास वर्षों से पड़ी अनुपयोगी सरकारी जमीन की पहचान कर उसका विवरण साझा पोर्टल पर अपलोड करने को कहा। उन्होंने औद्योगिक और विकास परियोजनाओं के लिए भूमि की जरूरत पहले से चिन्हित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिला स्तर पर समयबद्ध कार्ययोजना बनाने, विभागों के बीच लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करने और कौशल विकास कार्यक्रमों को उद्योगों से जोड़ने पर भी जोर दिया। उन्होंने स्वीकृत आवासों को तेजी से पूरा करने, एल नीनो की संभावित परिस्थितियों को देखते हुए पेयजल कार्यों में तेजी लाने तथा 50 प्रतिशत हरित आवरण के लक्ष्य के लिए 20 करोड़ बीज और पौधे तैयार रखने के निर्देश दिए।

हैदराबाद में एक लाख रुपये रिश्वत लेते दो कर्मचारी एसीबी के हत्थे चढ़

एक लाख रुपये रिश्वत लेते दो कर्मचारी एसीबी के हत्थे चढ़े

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को हैदराबाद में एक लाख रुपये की रिश्वत लेते दो सरकारी कर्मचारियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान तेलंगाना सचिवालय में आउटसोर्सिंग कर्मचारी अनंदेशी राघवेंद्र और बशीरबाग स्थित तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (टीएसआईडीसी) के वरिष्ठ सहायक मेडी विनोद के रूप में हुई है। एसीबी के अनुसार, दोनों ने मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के तहत चिकित्सा प्रतिपूर्ति राशि से जुड़े दावों के निपटारे और प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी। इसमें स्वीकृत दो लाख रुपये की राशि का चेक जारी कराने और शेष प्रतिपूर्ति दावे की प्रक्रिया पूरी कराने में मदद करना शामिल था। एसीबी ने बताया कि राघवेंद्र ने इससे पहले विनोद के माध्यम से फोनपे से पांच हजार रुपये की रिश्वत भी ली थी। गुरुवार को विनोद ने शिकायतकर्ता से कथित तौर पर एक लाख रुपये लिए और यह रकम राघवेंद्र को सौंप दी। एसीबी अधिकारियों ने राघवेंद्र के कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली। एसीबी के मुताबिक, दोनों आरोपियों ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए अनुचित लाभ हासिल करने का प्रयास किया। दोनों को न्यायिक हिरासत के लिए नामपल्ली स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान उजागर नहीं की गई है।

गणेश प्रतिमा विसर्जन पर झीलों में कोई व्यापक प्रतिबंध नहीं : हाइड्रा

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने स्पष्ट किया कि हैदराबाद की झीलों में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन पर कोई व्यापक प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने लोगों और गणेश उत्सव समितियों से सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास नहीं करने की अपील की। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित केवल चार-पांच झीलों में प्रतिबंध लागू हैं। अमीनपुर झील को देश का पहला जैव-विविधता विरासत स्थल तथा कपरा झील को प्राकृतिक आर्द्रभूमि घोषित किए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कपरा झील में फिलहाल पानी नहीं होने के कारण वहां विसर्जन से बचना चाहिए।

सीरवी समाज कोरेमुला का वार्षिक सम्मेलन 12 से

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोरेमुला स्थित श्री आई माता मंदिर में समाज बंधुओं के सान्निध्य में श्री आई माताजी के 611वें अवतरण दिवस बारहवां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन 12व 13 सितंबर को किया जाएगा। शनिवार 12 सितंबर को रात्रि जागरण व रविवार 13 सितंबर को पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालूराम काग, सचिव डायाराम लचेटा ने बताया कि दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 12 सितंबर को श्री आई माता मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर माई का शृंगार किया जाएगा। रात 9.11 बजे से जागरण आरंभ होगा, जिसमें श्रीमती नीकिता सिंदड़ा सीरवी मध्य प्रदेश, भंवरलाल सीरवी एंड पार्टी भजन प्रस्तुत करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम दोपहर 3.15 से रात 8.30 बजे तक होंगे। रविवार, 13 सितंबर को सुबह 9.15 बजे ज्योत प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना, स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समाज बन्धुओं द्वारा आई माँ के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। समाज के बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाने के अलावा सुबह 10 बजे से धर्मसभा का आयोजन कर अध्यक्ष कालूराम काग की अध्यक्षता में अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करेंगे। तत्पश्चात पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा। राजाराम गहलोत मंदिर के आय-व्यय का विवरण पेश करेंगे। सचिव डायाराम लचेटा समाज में किये गये विकासशील कार्यों का विवरण देंगे। समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 19-0 से हराया

जूनियर एशिया कप में सबसे बड़ी जीत, पूजा की हैट्रिक; सेमीफाइनल में पहुंची डिफेंडिंग चैंपियन

मोक्वी, चीन

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान पर 19 गोल मारकर रिकॉर्ड जीत दर्ज की। पाकिस्तानी टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। यह महिला जूनियर हॉकी में भारत की सबसे बड़ी जीत है।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने गुरुवार को जूनियर एशिया कप के क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने पहले हाफ में 10 और दूसरे हाफ में 9 गोल किए।

भारत की पूजा मलिक ने हैट्रिक लगाई। सानिका चंद्रकांत माने, मधु सिदार और सुप्रिया ने 2-2 गोल किए। रोशनी ऐंद ने भी 2 गोल किए।

भारत ने पहले ही क्वार्टर में 5 गोल कर दिए थे। पूजा साहू ने 7वें मिनट में खाता खोला, रोशनी ऐंद ने 9वें, तनुश्री दिनेश कडू ने 11वें, सुखवीर कौर ने 13वें और सानिका माने ने 13वें मिनट में गोल किया।

दूसरे क्वार्टर में मधु सिदार, गीता यादव, सानिका माने, तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल किए। इससे हाफ

टाइम तक भारत 10-0 से आगे था।

पूर्णिमा यादव, मधु सिदार और सुप्रिया ने तीसरे क्वार्टर में गोल किए। आखिरी क्वार्टर में कृष्णा शर्मा, पूजा मलिक, सुप्रिया, बिनीमा धन और रोशनी ऐंद ने गोल दागे। पूजा मलिक ने 49वें और 51वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। रोशनी ने 60वें मिनट में भारत का 19वां गोल किया।

भारत ने पूरे मैच में 18 पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया। पाकिस्तान को पूरे मैच में न गोल मिला, न पेनल्टी कॉर्नर और न ही पेनल्टी स्ट्रोक। भारत ने क्वार्टर फाइनल से पहले ग्रुप स्टेज में भी शानदार प्रदर्शन किया था। टीम ने जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया को हराकर अपने ग्रुप में टॉप किया था। टूर्नामेंट में चीन के खिलाफ भारत का पिछला मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा था।

भारत अब सेमीफाइनल में साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से खेलेगा। सेमीफाइनल 12 सितंबर को होगा।

भारत और पाकिस्तान की जूनियर महिला टीमें गुरुवार को पहली बार आमने-सामने थी। जूनियर एशिया कप के 2023 और 2024 एडीशन में भारत चैंपियन रहा, जबकि 2021 का टूर्नामेंट कोविड के कारण रद्द हो गया था।

हर्षित राणा अफगानिस्तान टी20 सीरीज और एशियन गेम्स से बाहर

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम में आगामी अफगानिस्तान टी20 सीरीज और एशियन गेम्स के लिए बड़ा बदलाव हुआ है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट या अन्य कारणों से टीम से बाहर हो गए हैं। चयनकर्ताओं ने उनकी जगह युवा पेसर यश ठाकुर को दोनों ही स्क्वॉड में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस बदलाव की पुष्टि कर दी है। यश ठाकुर के आने से टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर लगातार घरेलू क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में अपनी सटीक गेंदबाजी और डेथ ओवर्स में यॉर्कर फेंकने की काबिलियत से प्रभावित करते रहे हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) की तरफ से खेलते हुए उन्होंने कई मैचों में टीम को अहम मोड़ पर सफलताएं दिलाई थीं।

चयनकर्ताओं ने उनकी इसी निरंतरता को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय टीम का बुलावा भेजा है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज और एशियन गेम्स जैसे बड़े मंच पर प्रदर्शन कर यश ठाकुर अपनी जगह भारतीय टीम में पक्की करना चाहेंगे।

दिल्ली के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अफगानिस्तान सीरीज और एशियन गेम्स दोनों के लिए अहम माना जा रहा था। उनकी गति और उछाल हासिल करने की क्षमता के दम पर उन्हें टीम में चुना गया था। हालांकि, अब उनके बाहर हो जाने से टीम मैनेजमेंट को अपनी पेस बॉलिंग रणनीति में थोड़ा बदलाव करना होगा।

ईस्ट जोन तीसरी बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन

साउथ जोन के खिलाफ फाइनल ड्रॉ रहा, कप्तान ईशान किशन का दोहरा शतक

चेन्नई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ईस्ट जोन तीसरी बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बना है। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ फाइनल ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन को विजेता घोषित किया गया।

ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 708 रन बनाए थे। कप्तान ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाया। जवाब में साउथ जोन की टीम 336 रन पर ऑलआउट हो गई। ईस्ट जोन को पहली पारी में 372 रन की बढ़त मिली।

इसके बाद ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में 7 विकेट पर 388 रन बनाए और कुल बढ़त 760 रन तक पहुंचाई। दूसरी पारी में भी कप्तान ईशान किशन ने 80 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ईस्ट जोन ने इससे पहले 2011-12 और 2012-13 में दलीप ट्रॉफी जीती थी। 2011-12 में टीम ने फाइनल में सेंट्रल जोन को पारी और 20 रन से हराया था। वहीं, 2012-13 का फाइनल ड्रॉ रहा था और पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन चैंपियन बना था। अब टीम ने 14 साल बाद तीसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। ईस्ट जोन की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही। टीम ने 13 रन के स्कोर तक अभिमन्यु ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी के विकेट गंवा दिए। इसके बाद शिखर मोहन ने 52 और ईशान किशन ने 80 रन बनाकर पारी को संभाला। कुमार कुशाग्र ने 46 रन बनाए। अनुकूल राय ने 64 रन की पारी खेली, जबकि एमडी कौनैन कुरैशी 116 रन बनाकर नाबाद रहे। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का बड़ा स्कोर बनाया। कप्तान ईशान किशन ने 270 रन की पारी खेली। कुमार कुशाग्र ने 101, शिखर मोहन ने 85 और अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी ने 44 रन का योगदान दिया।

708 रन के जवाब में साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से कप्तान तिलक वर्मा ने 99 और देवदत्त पडिक्कल ने 62 रन बनाए। चामा मिलिंद ने 43 और नारायण जगदीशन ने 32 रन का योगदान दिया। ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार ने 3 और मोहम्मद शमी ने 2 विकेट लिए।

दलीप ट्रॉफी 2026 में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 3 मैचों में 409 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। साउथ जोन के तिलक वर्मा 266 रन के साथ दूसरे और ईस्ट जोन के कुमार कुशाग्र 224 रन के साथ तीसरे नंबर पर रहे। दलीप ट्रॉफी 2026 में मुकेश कुमार और अभिजीत सरकार 5-5 विकेट के साथ टॉप पर हैं। ईस्ट जोन के मुकेश ने 3 मैचों में 5 विकेट लिए और अभिजीत सरकार ने भी 3 मैचों में 5 विकेट लिए।

कोको गॉफ यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

एलिना रायबकिना नई वर्ल्ड नंबर-1 बनीं, एलेक्जेंडर ज्वेरेव भी अंतिम-4 में पहुंचे

कोको गॉफ

एलिना रायबकिना

न्यूयॉर्क, 10 सितंबर (एजेंसियां)। यूएस ओपन टेनिस के विमेंस सिंगल्स में कोको गॉफ और एलेना रायबकिना सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं, जबकि मेंस सिंगल्स में एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अंतिम-4 में जगह बना ली है।

गॉफ ने मिर्रा एंड्रीवा को हराया, वहीं रायबकिना ने झेंग किनवेन को 3-6, 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ रायबकिना पहली बार वर्ल्ड नंबर-1 बनीं। अब सेमीफाइनल में गॉफ और रायबकिना आमने-सामने होंगी।

विमेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में गॉफ ने पहला सेट 2-6 से गंवा दिया था। दूसरे सेट के टाईब्रेक में वह दो मैच पॉइंट पर थीं, लेकिन दोनों बचाकर सेट अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक सेट में उन्होंने एंड्रीवा को 6-2 से हराकर मुकाबला जीत लिया।

यह गॉफ का यूएस ओपन में दूसरी बार महिला सिंगल्स सेमीफाइनल है। अब उनका सामना दूसरी रायबकिना से होगा।

रायबकिना ने झेंग के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही वह विमेंस टेनिस की नई वर्ल्ड नंबर-1 बन गईं। वह इस रैंकिंग तक पहुंचने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी हैं।

रायबकिना अब अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ खेलेंगी। इस साल वह ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीत चुकी हैं।

US ओपन महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में इस बार चारों टॉप-4 खिलाड़ी पहुंची हैं। नई वर्ल्ड नंबर-1 एलेना रायबकिना के अलावा आर्यना सबालेंका दूसरे, जेसिका पेगुला तीसरे और कोको गॉफ चौथे नंबर पर हैं। किसी ग्रैंड स्लैम में ऐसा 2009 के विंबलडन के बाद पहली बार हुआ है।

यूएस ओपन के मेंस सिंगल्स में अमेरिका के बेन शेल्टन और फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। यह ओपन एरा में किसी ग्रैंड स्लैम के पुरुष सिंगल्स सेमीफाइनल में दो अश्वेत अमेरिकी खिलाड़ियों की पहली भिड़ंत होगी।

शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज को पांच सेट में हराया था। यह मुकाबला रात 3:33 बजे खत्म हुआ, जो यूएस ओपन इतिहास का सबसे देर से खत्म होने वाला मैच बना।

अंडर 19 वनडे में पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 177 रन से हराया

लंदन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के दौरे पर इस वक्त सिर्फ पाकिस्तान की सीनियर मेंस टीम ही नहीं है. बल्कि उसकी अंडर 19 टीम भी वहां सीरीज खेल रही है. इंग्लैंड अंडर 19 टीम के खिलाफ इकलौता टेस्ट तो पाकिस्तान हार गई थी. लेकिन, वनडे सीरीज की उन्होंने धमाकेदार जीत के साथ शुरुआत की है. 9 सितंबर को खेले पहले अंडर 19 वनडे में पाकिस्तान ने इंग्लैंड को जितने बनाने नहीं दिए, उससे ज्यादा रन के अंतर से हरा दिया. पाकिस्तान अंडर 19 टीम ने पहला वनडे 177 रन से जीता, जिसके साथ ही 4 वनडे की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है. पाकिस्तान ने इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 333 रन का विकराल लक्ष्य रखा था, जिसका पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम 50 ओवर से काफी पहले ही ऑलआउट हो गई. इंग्लैंड की U19 टीम 35.1 ओवर में 155 रन बनाकर ऑलआउट हुई. इस तरह उसने 177 रन से मुकाबला गंवाया. मतलब, जितने रन बनाए नहीं, उससे ज्यादा से हारे.

पाकिस्तान छोड़ने वाले हैदर अली का वनडे में धमाका

14 रन पर गिराए 6 विकेट, यूएई को दिलाया फाइनल का टिकट

क्वालालंपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। लाहौर में जन्म हुआ. पाकिस्तान के घरेलू टूर्नामेंट कायदे-आजम ट्रॉफी से क्रिकेट के सफर की शुरुआत हुई. लेकिन, फिर हुआ वही जो पाकिस्तान के ज्यादातर क्रिकेटरों के साथ होता आया है. मौके मिलने कम हुए तो हैदर अली ने पाकिस्तान छोड़ने का फैसला कर लिया. साल 2022 में वो यूएई चले गए और वहां से क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया. अब हैदर अली यूएई क्रिकेट की ताकत बन गए हैं और ऐसा क्यों है ये उन्होंने अपने दम पर टीम को एसीसी मेन्स प्रीमियर कप के फाइनल में पहुंचाकर बता दिया है. 32 साल के बाएं हाथ के स्पिनर हैदर अली ने बांगी में खेले एसीसी मेन्स प्रीमियर कप के दूसरे सेमीफाइनल में अपने वनडे करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया. उन्होंने हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ इस मुकाबले में 14 रन पर 6 विकेट गिराए, जो कि उ लिस्ट ए क्रिकेट में उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा. वनडे क्रिकेट में यूएई के लिए हैदर अली का 10वां मैच था, जिसमें वो प्लेयर ऑफ द मैच बनकर छा गए. हैदर अली की करिश्माई गेंदबाजी की बदौलत यूएई ने पहले बैटिंग करने उतरी हॉन्ग कॉन्ग की टीम को सिर्फ 70 रन पर समेटकर रख दिया. हॉन्ग कॉन्ग के सिर्फ 3 बल्लेबाज ही दहाई के आंकड़े को छू सके और उनमें से भी कोई 20 रन की दहलीज नहीं पार कर सका. वहीं 8 बल्लेबाज जो सिंगल डिजीट पर आउट हुए उनमें से 3 तो खाता भी नहीं खोल पाए.

अब जब यूएई की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसे 71 रन का आसान लक्ष्य मिला. इस लक्ष्य को उसने 11.1 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया. इस तरह यूएई ने हैदर अली की गेंदबाजी के दम पर दूसरे सेमीफाइनल को 233 गेंद बचे रहते ना सिर्फ 7 विकेट से जीता बल्कि टूर्नामेंट के फाइनल का टिकट भी कटाया.

साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को 99 रन से हराया

डेब्यू वनडे में हरमन ने 150 रन बनाए; सब्रायेन ने 4 विकेट लिए

विंडहोक, 10 सितंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को पहले वनडे में 99 रन से हरा दिया। जॉर्डन हरमन ने डेब्यू में 150 रन की पारी खेली। प्रेनेलन सब्रायेन ने करियर की बेस्ट गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 348/6 रन बनाए। जवाब में नामीबिया की टीम बारिश से दो बार प्रभावित पारी में 162/8 ही बना सकी। मुकाबले का फैसला DLS मेथड से हुआ। जॉर्डन हरमन वनडे डेब्यू पर संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले मैथ्यू ब्रीट्जके ने भी अपने डेब्यू पर 150 रन बनाए थे। हरमन साउथ अफ्रीका के लिए वनडे डेब्यू पर शतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने। उनसे पहले कॉलिन इंग्राम, टेम्बा बावुमा, रीजा हेंड्रिक्स और मैथ्यू ब्रीट्जके डेब्यू पर शतक लगा चुके हैं।

हरमन ने टोनी डी जॉर्जी के साथ दूसरे विकेट के लिए 190 रन की साझेदारी की। डी जॉर्जी ने 84 गेंदों पर 72 रन बनाए और वनडे में अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया।

साउथ अफ्रीका की पारी की शुरुआत में नामीबिया के गेंदबाजों को पिच से थोड़ी मूवमेंट मिली। रूबेन ट्रम्पेलमैन ने हरमन के बाहरी किनारे को छुआ और टॉप-एज भी निकला, लेकिन विकेट नहीं मिला।

सातवें ओवर में कॉनर एस्टरहुइजन ने शॉर्ट गेंद को पुल किया। फाइन लेग पर जैक ब्रासेल ने कैच पकड़ा और शुरुआती साझेदारी 27 रन पर टूट गई। डी जॉर्जी को भी कई मौके मिले। उन्होंने ब्रासेल की गेंद पर स्लिप के बाहर एज किया। इसके बाद विकेटकीपर जेन ग्रीन के पास भी एक मौका आया, लेकिन नामीबिया उसे नहीं पकड़ सका। एक रनआउट का मौका भी टीम ने गंवा दिया।

साउथ अफ्रीका ने 20 ओवर में 100/1 रन बनाए। इसके बाद अगले सात ओवर में टीम ने 50 रन जोड़े। हरमन ने अर्धशतक पूरा किया, जबकि डी जॉर्जी ने 64 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की। हरमन ने 93 गेंदों पर शतक पूरा किया। इसके बाद उनके बल्लेबाजी के अंदाज में तेजी आ गई। सेंचुरी के बाद उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए। लेग साइड पर मजबूत माने जाने वाले हरमन ने मैदान के दोनों तरफ रन बनाए। कवर और मिडऑफ के बीच उन्होंने 59 रन बटोरे। उनके बाद डेवाल्ड ब्रेविस क्रीज पर आए और सिर्फ दो गेंद बाद नो-लुक सिक्स लगा दिए। साउथ अफ्रीका ने आखिरी 10 ओवर की शुरुआत 266/2 से की थी। उस समय टीम का स्कोर 350 के पार जाता दिख रहा था। लेकिन नामीबिया ने बाउंड्री रोककर दबाव बनाया। हरमन ने बैक-ऑफ-द-हैंड स्लोअर गेंद को बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद लॉरेन स्टीनकैंप के हाथों में चली गई।

चैंपियंस लीग: विश्वकप के हीरो ने लगाई हैट्रिक

पीएसजी जीती; बार्सिलोना-आर्सेनल-लिवरपूल ने भी जीत से खोला खाता

लंदन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। यूईएफए चैंपियंस लीग की शुरुआत ही धमाकेदार रही है। खिताब की दौड़ में शामिल बड़े क्लबों ने पहले ही मुकाबलों में अपना इरादा साफ कर दिया। गत चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन ने बड़ी जीत दर्ज की, तो बार्सिलोना ने भी पांच गोल दागकर अपना दबदबा दिखाया। दूसरी ओर आर्सेनल और लिवरपूल को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा, लेकिन दोनों टीमों ने तीन अंक हासिल कर लिए। लगातार तीसरी चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीतने के अभियान में पीएसजी ने शानदार शुरुआत की। टीम ने मुकाबले में 6-1 से बड़ी जीत दर्ज की। फेर्रान टोरेस ने अपने पहले चैंपियंस लीग मुकाबले में ही हैट्रिक लगाकर तहलका मचा दिया। ओस्मान डेम्बेले ने टीम के लिए पहला गोल किया और इसके बाद टोरेस ने मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने तीन गोल किए। फेबियन रूइज ने भी एक गोल किया, जबकि विपक्षी टीम की ओर से सुलेमान कामारा ने एक गोल दागा।

वहीं कैंप नोउ में बार्सिलोना ने फेयेनोर्ड को 5-1 से हराकर शानदार आगाज किया। राफिन्हा ने दो गोल किए। उन्होंने तीसरे मिनट में ही टीम का खाता खोल दिया था। करीम अदेयेमी ने पहला हाफ खत्म होने से पहले बार्सिलोना की बढ़त दोगुनी कर दी। राफिन्हा के दूसरे गोल और लामिन यामाल की फ्री-किक ने स्कोर 4-0 कर दिया। सेम स्टेइन ने फेयेनोर्ड के लिए एक गोल किया, लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी गैब्रियल जीसस ने बार्सिलोना की 5-1 की जीत पूरी कर दी।

भारत से मैच के लिए ब्राजील फुटबॉल टीम का ऐलान

विनीसियस-राफिन्हा 3 अक्टूबर को कोलकाता में खेलेंगे

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ब्राजील के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर और राफिन्हा 3 अक्टूबर को कोलकाता में साल्ट लेक स्टेडियम में भारत के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। कोच कार्लो एंसेलोटी ने ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ फ्रेंडली मैचों के लिए 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है।

इसमें विनीसियस, राफिन्हा, मार्क्विन्होस और ब्रूनो गुइमारेस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। ब्राजील और भारत के बीच यह पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में शाम 7:30 बजे खेला जाएगा। 2026 वर्ल्ड कप में नॉर्वे से हारकर राउंड ऑफ 16 से बाहर होने के बाद एंसेलोटी ने ब्राजील की टीम में बदलाव शुरू कर दिया है। उन्होंने पेड्रो मोरिस्को, ओटावियो, माउरो जूनियर, ब्रेनो बिडोन और गेब्रियल बोन्टेम्पो जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया है। इनमें कुछ खिलाड़ी 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक के लिए भी पात्र हैं।

वहीं नेमार ने 34 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है, जबकि कासेमिरो और गोलकीपर एलिसन को इस बार टीम में जगह नहीं मिली। दूसरी ओर विनीसियस जूनियर, राफिन्हा, कप्तान मार्क्विन्होस और ब्रूनो गुइमारेस जैसे प्रमुख खिलाड़ियों पर एंसेलोटी ने भरोसा कायम रखा है। चेल्सी के जोआओ पेड्रो और एस्टेवाओ की भी टीम में वापसी हुई है।

चेल्सी के फॉरवर्ड जोआओ पेड्रो और एस्टेवाओ की टीम में वापसी हुई है। जोआओ पेड्रो को वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिली थी, जबकि एस्टेवाओ चोट के कारण टूर्नामेंट से पहले बाहर हो गए थे।

अब दोनों को एंसेलोटी ने नए दौर की टीम में फिर मौका दिया है। रियल मैड्रिड के एंड्रिक भी 26 सदस्यीय टीम में शामिल हैं।

ब्राजील भारत पहुंचने से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो दोस्ताना मैच खेलेगी। पहला मुकाबला 25 सितंबर को टाउन्सविले के क्वींसलैंड कंट्री बैंक स्टेडियम में और दूसरा 29 सितंबर को ब्रिसबेन के सनकॉर्प स्टेडियम में होगा।

इसके बाद टीम कोलकाता पहुंचेगी। 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबला ब्राजील के वर्ल्ड कप के बाद के नए दौर का तीसरा मैच होगा।

ब्राजील पांच बार वर्ल्ड कप जीत चुका है, लेकिन टीम को 2002 के बाद से छठे खिताब का इंतजार है। 2026 वर्ल्ड कप में भी टीम नॉर्वे से हारकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई थी।

एंसेलोटी के सामने अब इस निराशा से उबरकर ऐसी टीम तैयार करने की चुनौती है, जो 2030 वर्ल्ड कप में खिताब के लिए मजबूत दावेदार बन सके।

टीम इंडिया 26 सितंबर को पनामा से भी फ्रेंडली मैच खेलेगी। यह मैच बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में होगा। भारत का यह किसी वर्ल्ड कप खेलने वाले देश के खिलाफ पहला फ्रेंडली मैच होगा।

पनामा इस समय वर्ल्ड रैंकिंग में 44वें नंबर पर है। सेंट्रल अमेरिकी देश पनामा ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लिया था।

फुटबॉल क्लब के मालिक बनेंगे मेसी!

अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान ने एल्डेंसे के साथ किया शुरुआती समझौता

खेल डेस्क, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के पूर्व दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी फुटबॉल क्लब स्वामित्व में अपनी भूमिका बढ़ाने के करीब हैं। स्पेनिश सेकेंड डिवीजन क्लब एल्डेंस ने घोषणा की है कि मेसी क्लब में बड़ा हिस्सादार बनने के लिए शुरुआती समझौते पर पहुंच गए हैं। एल्डेंस ने कहा कि मेसी ग्रुपो टीएच सोल्युशन्स के पास मौजूद शेयरों को खरीदने के लिए सहमत हो गए हैं। हालांकि, यह करार अभी पूरी नहीं हुआ है और इसके लिए अभी कई कानूनी और करार से जुड़ी प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। क्लब ने कहा कि यह समझौता जांच-पड़ताल और स्पेन की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (सीएसडी) से जरूरी मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, एल्डेंस ने कहा मेसी के साथ 'ग्रुपो टीएच सोल्युशन्स' के शेयरों को खरीदने के लिए शुरुआती समझौता हुआ है, जिससे वह क्लब में बड़े साझेदार बन जाएंगे। इस प्रस्तावित निवेश से एल्डेंस मेसी की ओनरशिप या कंट्रोल में आने वाला दूसरा स्पेनिश क्लब बन जाएगा। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले कैटलन क्लब 'कोर्नेला' में निवेश किया था, जो अभी स्पेनिश फुटबॉल के पांचवें टियर में खेलता है। इस कदम से पिच के बाहर फुटबॉल क्लबों के विकास में मेसी की बढ़ती दिलचस्पी का पता चलता है। एलिकांटे स्थित एल्डेंस अभी 'ला लीगा 2' में संघर्ष कर रही है। उन्होंने अपने शुरुआती चार मुकाबलों में सिर्फ दो प्वाइंट हासिल किए हैं और अंक तालिका में 20वें स्थान पर हैं। क्लब ने इस हफ्ते की शुरुआत में मुख्य कोच क्लाउडियो बारागन से भी नाता तोड़ लिया था। इस बीच, मेसी इंटर मियामी के लिए क्लब फुटबॉल खेलना जारी रखे हुए हैं। बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड ने फुटबॉल इतिहास में सबसे सफल करियर में से एक बनाया है, जिसमें साल 2022 में अर्जेंटीना के साथ फीफा वर्ल्ड कप जीतना और दो कोपा अमेरिका खिताब जीतना शामिल है।

सीपीएल डेब्यू पर छाया इमरान ताहिर

कप्तान के साथ मिलकर लिए 8 विकेट, 10वें विकेट की रिकॉर्ड पार्टनरशिप के बाद भी टीम हारी

ब्रिजटाउन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सीपीएल 2026 के 31वें मैच में गयाना अमेजन वॉरियर्स ने सेंट लुसिया किंग्स को हरा दिया है. इस मुकाबले में गयाना अमेजन वॉरियर्स के कप्तान का कहर दिखा तो उसके लिए सीपीएल में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी की लहर भी दिखी. इसी का नतीजा रहा कि सेंट लुसिया किंग्स के लिए 10वें विकेट की रिकॉर्ड पार्टनरशिप भी उसकी हार टाल नहीं पाई. गयाना की टीम ने सेंट लुसिया को 4 विकेट से हराया. इस हार के साथ ही सेंट लुसिया के लिए सीपीएल 2026 में आगे की राह मुश्किल हो गई है.

गयाना अमेजन वॉरियर्स की जीत में प्लेयर ऑफ द मैच उसके कप्तान इमरान ताहिर को चुना गया. 47 साल के इमरान ताहिर ने सेंट लुसिया किंग्स के खिलाफ मुकाबले में 4 ओवर में 17 रन देकर 5 विकेट लिए, जो कि टी20 में उनका करियर बेस्ट प्रदर्शन रहा. इमरान ताहिर ने सीपीएल में दूसरी बार 5 विकेट लिया. इसी के साथ वो फ्रेंचाइजी क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाज भी बन गए.

इमरान ताहिर के अलावा मैच में डेब्यू करने वाले स्पिनर मेहदी हसन मिराज का भी जबरदस्त रोल रहा. बांग्लादेश के स्पिन ऑलराउंडर ने अपने डेब्यू पर टीम के सबसे किफायती गेंदबाज साबित हुए. उन्होंने 4 ओवर में 13 रन देकर 3 विकेट लिए, जिसमें इकॉनमी बस 3.25 की रही. कप्तान इमरान ताहिर और डेब्यूटेंट मेहदी हसन मिराज ने मिलकर सेंट लुसिया किंग्स के 8 विकेट गिराए. 10वें विकेट के लिए हालांकि सेंट लुसिया किंग्स की ओर से रिकॉर्ड पार्टनरशिप हुई, जिसने उसे 119 रन के स्कोर तक पहुंचने में मदद की. 10वें विकेट के लिए तीक्ष्णा और पियनार ने मिलकर 38 रन जोड़े जो कि सेंट लुसिया की तरफ से इस विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप है. इससे पहले ये रिकॉर्ड शम्सी और मिल्स के नाम था, जिन्होंने 26 रन जोड़े थे.

गयाना अमेजन वॉरियर्स ने 120 रन के लक्ष्य को 18.3 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया. उन्होंने 122 रन बनाए. मेहदी हसन मिराज अपने डेब्यू पर बल्लेबाजी में नहीं चले और सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हुए. लेकिन क्वेनटिन सैम्पसन अपनी टीम के सबसे सफल बल्लेबाज रहे. उन्होंने नाबाद 37 रन बनाए और टीम को जीत दिलाकर ही लौटे. इस जीत से गयाना अमेजन वॉरियर्स की टीम पॉइंट्स टेबल में फिर से नंबर 1 बन गई है.

आरटीआई के क्रियान्वयन में एकरूपता जरूरी : राज्यपाल

> एएससीआई में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने देशभर में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के क्रियान्वयन में अधिक एकरूपता की आवश्यकता पर जोर देते हुए सूचना आयोगों और सरकारी विभागों से सक्रिय प्रकटीकरण को मजबूत करने, तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल करने तथा नागरिकों को सूचना तेजी और प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

राज्यपाल गुरुवार को हैदराबाद स्थित एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई) में 'आरटीआई : क्रियान्वयन में संचालनात्मक एकरूपता–चुनौतियां और समाधान' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरटीआई व्यवस्था की प्रभावशीलता का आकलन केवल निस्तारित आवेदनों और अपीलों की संख्या से नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि इससे शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही किस हद तक बढ़ी है। शुक्ल ने आरटीआई अधिनियम की धारा–4 के तहत स्वैच्छिक एवं सक्रिय सूचना प्रकटीकरण को अधिक महत्व देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों को केवल मांग किए जाने पर सूचना उपलब्ध कराने की व्यवस्था से आगे बढ़कर प्रासंगिक और अद्यतन सूचनाएं नियमित रूप से सार्वजनिक मंच पर उपलब्ध कराने की दिशा में काम करना चाहिए। इससे ऐसी सूचनाओं के लिए नागरिकों को अलग से आरटीआई आवेदन दाखिल करने की जरूरत कम होगी।

राज्यपाल ने कहा कि सरकारी विभागों के पास उपलब्ध सूचना मूल रूप से जनता की सूचना है और उसे समयबद्ध, सुलभ एवं पारदर्शी तरीके से नागरिकों तक पहुंचाना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने आरटीआई मामलों के निस्तारण में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन जैसी तकनीकों के अधिक इस्तेमाल का सुझाव दिया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीक नागरिक केंद्रित होनी चाहिए और सूचना तक पहुंच आसान बनाने का माध्यम बने, न कि नई बाधाएं खड़ी करे। शुक्ल ने ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों के लोगों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और समाज के कमजोर वर्गों के लिए आरटीआई व्यवस्था को अधिक सुलभ बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने देशभर के सूचना आयोगों के बीच बेहतर कार्यप्रणालियों, नवाचारों और सफल अनुभवों को साझा करने के लिए मजबूत तंत्र विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का नियमित प्रशिक्षण और संस्थागत प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार आरटीआई आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण के लिए आवश्यक है। सम्मेलन का आयोजन नेशनल फेडरेशन ऑफ इंफॉर्मेशन कमिश्नर्स इन इंडिया (एनएफआईसीआई), नई दिल्ली के प्रायोजन में तेलंगाना सूचना आयोग और एएससीआई के सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी, गवर्नेंस एंड परफॉर्मेंस (सीपीपीजीपी) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

सरकारी अस्पतालों को मिलेंगी 9 नई 3-टेस्ला एमआरआई और 8 सीटी स्कैन मशीनें

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य के सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक जांच और गंभीर रोगियों के उपचार से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार करने जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने गुरुवार को विधान परिषद में बताया कि सरकार नौ नई अत्याधुनिक 3–टेस्ला एमआरआई मशीनें और आठ सीटी स्कैन मशीनें स्थापित करेगी। इसके अलावा अधिक मांग वाले अस्पतालों के लिए 485 अतिरिक्त वेंटिलेटर खरीदे जाएंगे।

विधान परिषद में सदस्यों के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने बताया कि वर्तमान में राज्य के सरकारी अस्पतालों में नौ एमआरआई मशीनें, 50 सीटी स्कैन मशीनें और 1,770 वेंटिलेटर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि गांधी अस्पताल, उस्मानिया जनरल अस्पताल, निजाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (निम्स), एमजीएम वारंगले, रिम्स आदिलाबाद, टीआईएमएस और एमएनजे कैंसर अस्पताल में उपलब्ध एमआरआई सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।

अतिरिक्त कलेक्टर ने शैक्षिक कार्यक्रमों का जायजा लिया

रंगारेड्डी, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त कलेक्टर डॉ. के. किरणमयी ने गुरुवार को बालापुर मंडल के जिलेलागुडा स्थित मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय (एमपीपीएस) का दौरा कर शैक्षिक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया।

उनके साथ जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) एस. वेंकटेश्वरलू और मंडल शिक्षा अधिकारी (एमईओ) कृष्णा भी मौजूद रहे। इस दौरान अधिकारियों ने विद्यालय में संचालित बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन), उपचारात्मक कक्षाओं, आधारभूत रिपोर्ट और मासिक फोकस दक्षता सहित विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की।

चेर्लापल्ली-पटना विशेष ट्रेनों की सेवा अवधि बढ़ाई

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने चेर्लापल्ली–पटना–चेर्लापल्ली के बीच चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाओं को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। रेलवे ने तीन विशेष ट्रेनों के संचालन की अवधि बढ़ाई है।

रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 03253 पटना–चेर्लापल्ली सोमवार और बुधवार को चलेगी। इसकी विस्तारित सेवा अवधि 21 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक रहेगी और इस दौरान कुल 21 सेवाएं संचालित की जाएंगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 03254 चेर्लापल्ली–पटना बुधवार को चलेगी। इसकी सेवा 23 सितंबर से 2 दिसंबर 2026 तक बढ़ाई गई है और इस अवधि में 11 सेवाएं संचालित होंगी। ट्रेन संख्या 03255 चेर्लापल्ली–पटना शुक्रवार को चलेगी। इसकी विस्तारित सेवा अवधि 25 सितंबर से 27 नवंबर 2026 तक रहेगी और इस दौरान 10 सेवाएं उपलब्ध होंगी। दक्षिण मध्य रेलवे ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों में 3–एसी, 3–एसी इकोनॉमी, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच लगाए गए हैं। रेलवे का यह कदम त्योहारी मौसम में यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

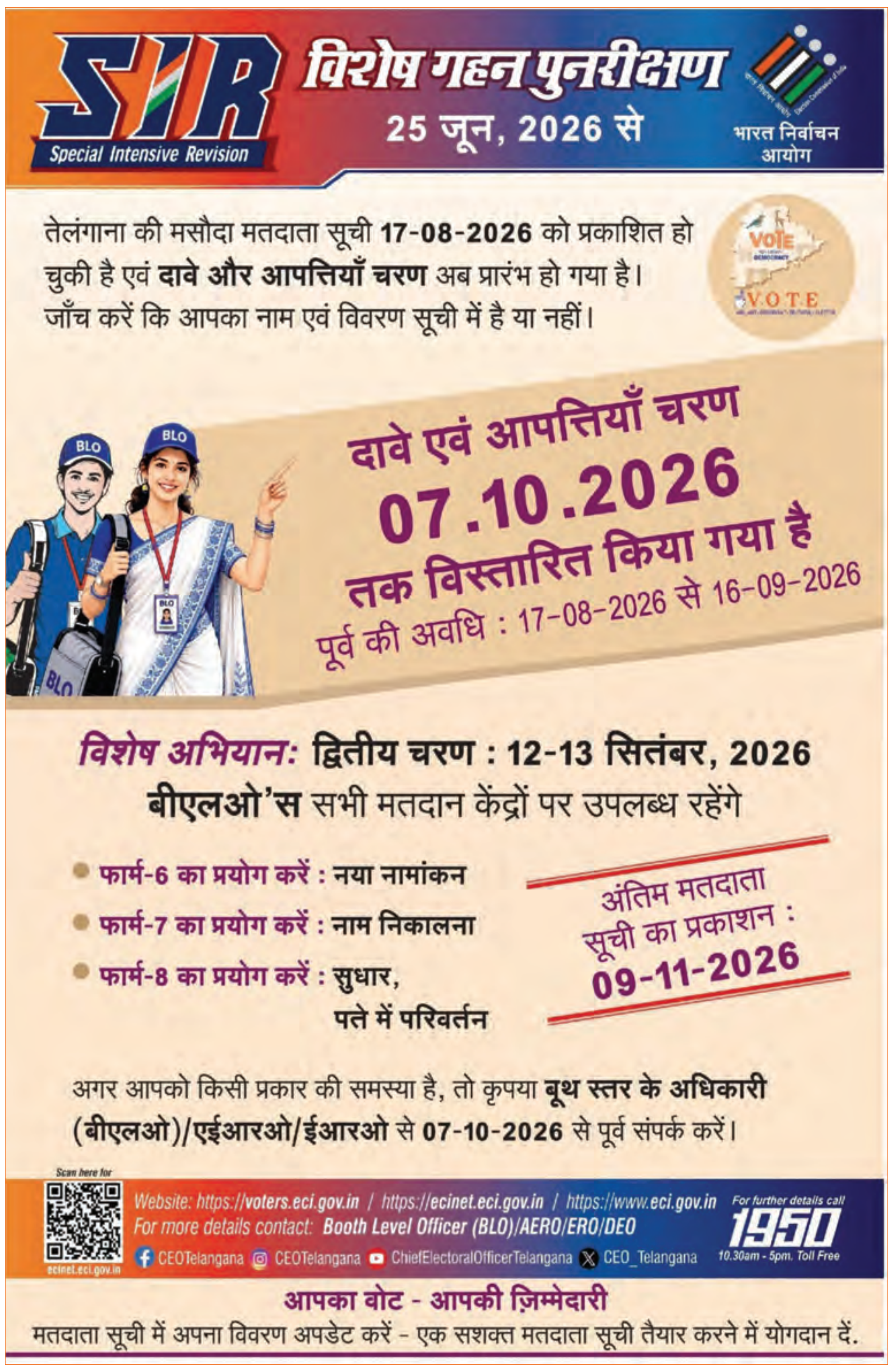

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.